आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 59 अंक 15 | उज्जैन, शुक्रवार 30 जनवरी, 2026 | माघ शुक्ल 12 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

देश विदेश

अजित पवार की पत्नी महाराष्ट्र की डिप्टी-सीएम बन सकती हैं

मुंबई। अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और सुनील तटकरे ने सुनेत्रा से मुलाकात की है। सुनेत्रा फिलहाल राज्यसभा सांसद हैं, वे अब अजित पवार की बारामती सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। वहीं प्रफुल्ल पटेल के एनसीपी का अध्यक्ष बनने की भी चर्चा है। इस प्रस्ताव पर एनसीपी के नेता सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करेंगे। उधर एनसीपी पार्टी का शरद गुट में भी विलय हो सकता है। दरअसल अजित पवार का बुधवार को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में निधन हो गया था। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी।

सोना एक दिन में 10,705 बढ़कर 1.75 लाख पहुंचा

मुंबई। चांदी-सोने के दाम लगातार चौथे दिन अपने सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज 29 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,76,121 रुपए पर ओपन हुआ। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में थोड़ी कमी आई और ये 10,705 रुपए बढ़कर 1,75,340 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले सोना कल 1,64,635 रुपए पर था। वहीं चार कारोबारी दिनों में सोना 21,030 महंगा हो चुका है। 23 जनवरी को ये 1,54,310 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 21,721 रुपए बढ़कर 3,79,988 रुपए किलो पर पहुंच गई है। चार दिन में चांदी की कीमत 62,283 रुपए महंगी हुई है।

रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर

चावुंडी दैव परंपरा और हिंदू भावनाओं के अपमान का आरोप

कांतारा की देवी को भूत कहकर मजाक उड़ाया था

मुंबई। बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में बुधवार को बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ हिंदू धार्मिक भावनाओं और कर्नाटक की चावुंडी दैव परंपरा का अपमान करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला 28 नवंबर 2025 को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया से जुड़ा है। रणवीर सिंह के खिलाफ यह एफआईआर बेंगलुरु के वकील प्रशांत मेथल ने दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रणवीर सिंह ने मंच पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और ऐसा अभिनय किया, जिससे दैवा परंपरा के पवित्र तत्वों का मजाक उड़ाया गया। शिकायत में कहा गया है कि रणवीर ने पंजुरली और गुलिगा दैवा से जुड़े भाव-हावभाव की नकल की और उन्हें भद्दे, हास्यास्पद और अपमानजनक तरीके से प्रस्तुत किया। इसके अलावा अभिनेता पर चावुंडी दैव को महिला भूत कहने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, चावुंडी दैवा कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में पूजनीय रक्षक देवी मानी जाती हैं और वे दिव्य स्त्री शक्ति का प्रतीक हैं। उन्हें भूत कहना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया गया है। अब यह मामला बेंगलुरु की प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट अदालत को भेज दिया गया है और 8 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई की जाएगी। बता दें, वकील प्रशांत मेथल ने 27 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक निजी शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके बाद 23 जनवरी 2026 को अदालत ने बीएनएस की धारा 175, उपधारा 3 के तहत हाई ग्राउंड्स पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

अजित पवार का अंतिम संस्कार पत्नी ने गंगाजल चढ़ाया, बेटों ने मुखाग्नि दी

बारामती/मुंबई/नई दिल्ली। बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार हो गया। उनके दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी। पत्नी सुनेत्रा पवार ने पति के पार्थिव शरीर पर गंगाजल चढ़ाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। अंतिम संस्कार में महाराष्ट्र के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे। बारामती में देर रात से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह के वक्त कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। समर्थक बाइक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बस से पहुंचे। अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक लोग ही लोग नजर आ रहे थे।

मेलानिया ट्रम्प की डॉक्यूमेंट्री ब्रिटेन में फ्लॉप

लंदन। मेलानिया ट्रम्प पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेलानिया ब्रिटेन में फ्लॉप हो गई है। देश के सबसे बड़े सिनेमा संचालकों में से एक व्यू सिनेमा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम रिचर्ड्स ने बताया कि फिल्म को लेकर दर्शकों में लगभग कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है। टिम के मुताबिक, लंदन के इस्लिंगटन इलाके में स्थित एक प्रमुख सिनेमाघर में शुक्रवार को दोपहर 3.10 बजे होने वाले पहले शो के लिए सिर्फ एक टिकट बिका। वहीं शाम 6 बजे के शो के लिए भी महज दो टिकट ही बुक हुए। ब्रिटेन के ब्लैकबर्न, कैसलफोर्ड और हैमिल्टन में जिन सिनेमाघरों में फिल्म मेलानिया दिखाई जानी थी, वहां हालात और भी खराब रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा

केंद्र को नया ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश, देशभर में नियमों का विरोध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच ने कहा कि इसके प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

कोर्ट ने यह टिप्पणी मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान की याचिकाओं पर की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि नए नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इनका देशभर में विरोध हो रहा है।

अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई अब 19 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल 2012 के यूजीसी नियम देशभर में लागू रहेंगे।

कोर्ट के कमेंट्स

कोर्ट ने पूछा कि जब भेदभाव की परिभाषा पहले से सभी तरह के भेदभाव को कवर करती है, तो जाति-आधारित भेदभाव को अलग से परिभाषित करने की जरूरत क्यों पड़ी? कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि रेगुलेशंस में रैगिंग को क्यों शामिल नहीं किया गया, जबकि यह कैंपस में एक बड़ी समस्या है। सीजेआई ने कहा- अनुसूचित जातियों में भी कई लोग अब आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुके हैं। हमने अब तक जो जातिविहीन समाज की दिशा में प्रगति की है, क्या हम अब फिर से पीछे जा रहे हैं? सीजेआई ने अलग-अलग जातियों के लिए अलग हॉस्टल बनाने के प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए। हम सब साथ रहते थे, आज इंटर-कास्ट मैरिज भी होती हैं। भारत की एकता शैक्षणिक संस्थानों में भी दिखनी चाहिए।

यह है मामला

यूजीसी के नए कानून का नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के खिलाफ जातीय भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश दिए गए थे। नए नियमों के तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने का निर्देश दिया गया। ये टीमें एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि, सवर्ण जाति के स्टूडेंट्स का आरोप है कि यूजीसी ने जाति आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी। सवर्ण जाति के स्टूडेंट्स का आरोप है कि नए नियमों में सवर्ण छात्र स्वाभाविक अपराधी बना दिए गए हैं। इनसे उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तराखंड में सड़कों पर 4 फीट बर्फ, राजस्थान-यूपी और बिहार में बारिश की संभावना

889 सड़कें और हजारों बिजली ट्रांसफार्मर ठप

एजेंसी ▶▶ शिमला/जयपुर

पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान -6 डिग्री से -1 डिग्री के बीच रहा। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में सबसे कम -6.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

बर्फबारी के कारण हिमाचल में चार नेशनल हाईवे सहित कुल 885 सड़कें

और 3 हजार से ज्यादा बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं। पाइपलाइन में पानी जमने से वाटर सप्लाई भी बंद हैं, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं।

इधर, उत्तराखंड में दो दिनों से लगातार बर्फबारी के बाद आज धूप खिली है। हालांकि, बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में सड़कों पर अभी भी 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी है। चमोली के औली में बुधवार को लगभग 2 फीट बर्फ गिरी। राज्य में भूस्खलन के खतरे का अलर्ट भी जारी किया गया है।

एडीजी उमेश जोगा परिवहन आयुक्त बने

संचालक खेल राकेश गुप्ता को उज्जैन जोन की कमान

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

मध्यप्रदेश गृह विभाग ने प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के बड़े स्तर पर तबादले किए हैं। गुरुवार को जारी तबादला आदेश के मुताबिक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन जोन उमेश जोगा का तबादला कर दिया गया है। शासन ने उन्हें परिवहन आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि उज्जैन जोन का दायित्व राकेश गुप्ता को सौंपा है, वह संचालक खेल एवं युवक कल्याण हैं। राकेश गुप्ता का इंदौर में लंबा और प्रभावी कार्यकाल रहा है। वे इंदौर रेंज के आईजी, इंदौर के एसएसपी और बाद में शहर के तीसरे पुलिस आयुक्त भी रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि जब तत्कालीन पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर प्रतिनियुक्ति पर गए थे, तब राकेश गुप्ता को इंदौर का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया था। इंदौर में डीआईजी रहते हुए राकेश गुप्ता ने शहर की कुख्यात सियागंज खड़ी कराई गैंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उसके नेटवर्क को तोड़ा था।

मंदसौर के मल्हारगढ़ में जनसभा

किसानों के खाते में भावांतर के 200 करोड़ ट्रांसफर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ मंदसौर

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मंदसौर जिले के दौरे पर पहुंचे। वे मल्हारगढ़ में आयोजित जनसभा और सोयाबीन भावांतर भुगतान कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और आमजन मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने मंच से किसानों को संबोधित किया और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के तहत प्रदेश के 1 लाख 17 हजार किसानों को चौथी किस्त की राशि जारी की। इस दौरान लगभग 200 करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। यह राशि उन किसानों को दी गई, जिन्होंने योजना अवधि के दौरान सोयाबीन का विक्रय किया था।

भावांतर योजना के तहत किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना से बाजार में कीमत कम होने पर भी किसानों को नुकसान नहीं उठाना पड़ता। सरकार द्वारा दी गई इस राशि से किसानों को आर्थिक राहत मिली है। सीएम मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में पुलिस आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई।

पार्टी में मतभेदों के बीच थरूर खड़गे-राहुल से मिले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस में पार्टी हाईकमान से मतभेद की खबरों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। तीनों के बीच बैठक संसद में खड़गे के कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि मेरी पार्टी के दोनों नेताओं से बातचीत हुई, सब ठीक है। हम सब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब थरूर और पार्टी लीडरशिप के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। हाल ही में केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एआईसीसी की एक बैठक हुई थी, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए थे। वहीं केरल का सीएम बनने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मेरी इस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

दाउदखेड़ी में आवासीय ट्रेनिंग सेंटर निर्माण के लिए भूमि आवंटन, आपत्ति के लिए 30 दिन

अनुविभागीय अधिकारी उज्जैन ग्रामीण के कार्यालय में कर सकते हैं प्रस्तुत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

तहसील उज्जैन के अंतर्गत ग्राम दाउदखेडी स्थित भूमि सर्वे क्र. 63/3 रकबा 18.2010 हेक्टेयर में से 0.80 हेक्टेयर भूमि पर आवासीय ट्रेनिंग सेंटर निर्माण के लिए भूमि आवंटन किया जाना है। इस संबंध में जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग उज्जैन द्वारा नजूल निर्वतन नियम 2020 अंतर्गत प्रारूप 1 में भूमि आवंटन का आवेदन कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उज्जैन ग्रामीण में प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/समूह/संस्था को आपत्ति हो तो अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उज्जैन ग्रामीण के कार्यालय में 30 दिवस के अंदर प्रस्तुत कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 26 टन गोमांस की तस्करी का मामला

अधिकारियों ने रफा-दफा करने का दबाव बनाया था

दैनिक अवन्तिका ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 26 टन गोमांस की तस्करी के मामले ने पूरे प्रशासनिक अमले को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। इस मामले के मुख्य आरोपी असलम चमड़ा को पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है। उससे यह जानने की कोशिश की कि 260 गायों के बराबर यह मांस आखिर आया कहां से?

इस गिरफ्तारी से ज्यादा चौंकाने वाली कहानी उस रात की है, जब इस पूरे खेल का पर्दाफाश हुआ। जब जय भवानी हिंदू संगठन के अध्यक्ष भानू हिंदू और उनकी टीम ने अपनी जान पर खेलकर गोमांस से भरे कंटेनर को रोका। फिर सिस्टम के झूठ से पूरी रात और अगले 20 दिन तक लड़ाई लड़ी। सीएम के काफिले का बहाना और पुलिस का ड्रामा- जैसे ही ट्रक रुका, भानू ने ड्राइवर से पूछा, इसमें क्या है? ड्राइवर ने आत्मविश्वास से जवाब दिया, बफेलो मीट है। भानू ने कहा, मुझे पक्की खबर है कि इसमें गाय का मांस है। यह सुनते ही ड्राइवर ने कुछ कागजों से भरा एक लिफाफा उनकी ओर बढ़ा दिया।

कंटेनर में था 260 गायों का मांस, अफसर झूठे साबित हुए

20 दिन बाद आई रिपोर्ट और गुपचुप एफआईआर भी हो गई

भारी दबाव के बाद आखिरकार मांस के सैंपल लिए गए। भानू को बताया गया कि रिपोर्ट 3 दिन में आ जाएगी, लेकिन यह इंतजार 3 दिन की जगह 20 दिन लंबा हो गया। भानू बताते हैं, मैं लगभग हर दिन अरेरा हिल्स थाने जाकर पूछता था कि रिपोर्ट कब आएगी, लेकिन मुझे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता था। हर बार मुझे टाल दिया जाता था।
सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि 20 दिन बाद जब रिपोर्ट आई और उसमें गौ-मांस होने की पुष्टि हुई, तब भी पुलिस ने शिकायतकर्ता भानू हिंदू को इसकी जानकारी नहीं दी। पुलिस ने गुपचुप तरीके से एफआईआर दर्ज की और आरोपियों की गिरफ्तारी भी कर ली। भानू कहते हैं, हमें हमारे सूत्रों से पता चला कि रिपोर्ट पॉजिटिव आई है और एफआईआर भी हो गई है।

इसी बीच एक अप्रत्याशित मोड़ आया। उस समय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का काफिला वहां से गुजरने वाला था, जिसके कारण सड़क पर भारी पुलिस बल और चेक पॉइंट्स लगे हुए थे। ट्रक रुकते ही पुलिसकर्मी दौड़कर वहां आए। भानू बताते हैं, पुलिसवालों ने मुझसे कहा कि सीएम साहब का काफिला गुजरने वाला है, जल्दी से यहां से ट्रक हटवाएं, रास्ता जाम मत करो। वे ट्रक को वहां से जल्द से जल्द रवाना करना चाहते थे, लेकिन मैं ट्रक के सामने अड़ा रहा और उसके बम्पर पर लटक गया। मैंने कहा कि जब तक इसकी जांच नहीं होगी, मैं इसे जाने नहीं दूंगा। अफसर बोले- यह तो बफेलो मीट है, शक कैसे कर सकते हैं- मामला बढ़ता और भीड़ को इकट्ठा होता देख, प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। रात के लगभग 3 बजे, प्रशासन के कहने पर पशु चिकित्सकों की एक टीम को मौके पर बुलाया गया, लेकिन यहां से शुरू हुआ झूठ और मामले को दबाने का असली खेल। भानू के अनुसार, टीम ने आते ही कह दिया कि उनके पास सैंपल लेने के लिए आवश्यक उपकरण और टीम नहीं है। उन्होंने बस दूर से देखकर ही फौरी तौर पर इसे 'बफेलो मीट' बता दिया, लेकिन भवानी संगठन के कार्यकर्ता अपनी मांग पर अड़े रहे।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का गुरुवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

स्व. भंसाली को श्रध्दांजलि अर्पित

उज्जैन। शा.क.उ.मा.वि. धानमण्डी के सेवानिवृत शिक्षक सतीश भंसाली के पिता अनंत नारायण भंसाली के निधन पर सम्पूर्णा भारद्वाज प्राचार्य की अध्यक्षता में महेश पंडित, किशोर कुमार भाटी, हरिहर पंड्या भगवान लाल चन्द्रवंशी, प्राचार्य भरत व्यास, राधामोहन अग्रावत, राजेन्द्र शर्मा, नेमीचंद मारोठिया, सज्जन सिंह सेन, मदन मोहन अग्रावत, सुरेश चन्द्र गेहलोत, विमल काका महेश्वरी आदि ने श्रृध्दा सुमन अर्पित किये।

स्व. श्री भंसाली कर्त्तव्य निष्ठ शिक्षक के रूप सदैव समाज सेवा तत्पर रहते थे। आपने शा.मा.वि. नयापुरा क्र. 1 में लगातार 15 वर्षों तक सेवा दी।

कर वसूली तेजःबढ़े क्षेत्रफल पर संपत्ति कर वसूलेगा निगम

उज्जैन। उज्जैन नगर निगम अब शहर में बढ़े हुए क्षेत्रफल पर संपत्ति कर नहीं चुकाने वाले होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सिनेमा हॉल और मकान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जहां भी नाप में बढ़ा हुआ क्षेत्रफल पाया जाएगा, वहां अनिवार्य रूप से संपत्ति कर वसूला जाएगा। गुरुवार को हुई समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह और उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल ने संपत्ति कर विभाग को वसूली प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के बड़े होटलों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, मकानों और सिनेमा हॉल सहित अन्य संपत्तियों की दोबारा नाप की जाए। जो अतिरिक्त निर्माण या बढ़ा हुआ क्षेत्रफल रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, उसे दर्ज कर नए बिल जारी किए जाएं।

अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि संपत्ति कर के बड़े बकायादारों से सीधे संपर्क कर बकाया राशि वसूली जाए। जिन संपत्ति स्वामियों द्वारा लगातार कर जमा नहीं किया जा रहा है, उनके खिलाफ तालाबंदी और कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में कई स्थानों पर घरेलू संपत्तियों का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। ऐसे मामलों में संबंधित उपभोक्ताओं से वाणिज्यिक दर से संपत्ति कर वसूला जाएगा। बैठक में ट्रेड लाइसेंस की भी समीक्षा की गई। निर्देश दिए गए कि शहर के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों का फील्ड सर्वे कर अनिवार्य रूप से ट्रेड लाइसेंस बनाए जाएं। इसके लिए ट्रेड लाइसेंस का अमला मैदान में उतरकर दुकानों का सर्वे करेगा।

15 लाख की लागत से साडू माता बावड़ी के पास बनेगा सार्वजनिक शौचालय महापौर ने किया भूमि पूजन

उज्जैन। 15 लाख रुपए की लागत से वार्ड क्रमांक 1 में साडू माता बावड़ी के पास सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाएगा जिसका भूमि पूजन गुरुवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा क्षेत्रीय पार्षद निकिता परमानंद मालवीय एवं क्षेत्र वासियों की उपस्थिति में संपन्न किया गया । साडू माता बावड़ी मुख्य मार्ग से होते हुए देवनारायण मंदिर पहुंच मार्ग तक सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण हेतु महापौर द्वारा एस्टीमेट बनाए जाने के दिए निर्देश दिए।उक्त कार्य स्वच्छ भारत मिशन 2.0 मद की राशि से निगम द्वारा 15 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा जिसमें महिला एवं पुरुष शौचालय की 05- 05 यूनिट का निर्माण किया जाएगा। सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए चौराहे पर नागरिकों की भीड़ रहेगी साथ ही यहां पर शौचालय भी नहीं था इसलिए उक्त स्थल पर शौचालय का निर्माण किया जाएगा साथ ही संधारण कार्य निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी का रहेगा।

इस दौरान कार्यपालन यंत्री जगदीश मालवीय उपयंत्री जीपी डेहरिया, शिवम गुप्ता, अतुल सक्सेना, राजकुमार, राहुल, दुर्गेश, महेश, पुजारी झीतूसिंह गुर्जर उपस्थित थे।

ई-रिक्शा नहीं जिंदगी की गाड़ी चला रही है उज्जैन में महिलाएं
महाकाल लोक बनने के बाद मिला रोजगार,
शहर की 50 से ज्यादा महिलाओं ने थामा ई-रिक्शा का स्टेरिंग..

कौन कहता है? महिलाएं रिक्शा नहीं चला सकती...

हर्षिता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भारत के दूसरे शहरों की तरह उज्जैन में भी अब महिलाएं ई रिक्शा की ड्राइविंग सीट पर बैठकर पूरे आत्मविश्वास से ई-रिक्शा,व ऑटो चलाती दिखाई देती हैं। अब उज्जैन में 50 से अधिक महिलाएं यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचा रही है। और यह सब महाकाल लोक बनने के बाद हो पाया है।

कमाई से बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाएंगे ताकि वह पढ़ लिखकर बड़ा आदमी बन सके कुछ महिलाओं का कहना है कि कमाने वाला कोई नहीं था इसलिए ई-रिक्शा चलाकर परिवार को पाल रही है

महाकाल लोक बनने के बाद बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस वजह से शहर के हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। महाकाल लोक बनने के बाद 50 से अधिक महिलाएं ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार को पाल रही है ऐसे ही उज्जैन के आगर रोड स्थित कालोनी में रहने वाली एक महिला और उसके 8 साल के बच्चे को उसका पति छोड़कर चला गया था और जब कहीं काम नहीं मिला तो महिला ने ई-रिक्शा खरीदा और खुद चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है।

बेटे को कुछ बनाने की है ललक...

बचपन से कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर, कोई खिलाड़ी, कोई टीचर तो कोई नेता बनने के सपने देखता है। प्रत्येक बच्चे के दिमाग में बचपन से ही कुछ बनने की ललक लग जाती है। हालांकि ज्यादातर मामलों में हालात के चलते व समय बीतने के साथ-साथ व्यक्ति के सपने भी बदलने लगते हैं। इसके बावजूद कई बार जिंदगी में ऐसी स्थिति आ जाती है जब व्यक्ति को अपने सपनों को खत्म करके परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने पड़ते हैं। समाज में कई ऐसे पुरुष या महिलाएं हैं जिन्हें परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने पड़े, वह बनना तो क्या चाहते थे लेकिन हालातों ने उन्हें कहा लाकर खड़ा कर दिया। इस तरह की कहानी उज्जैन में ई-रिक्शा चलाने वाली महिलाओं की है उनका कहना था कि मैं पढ़ाई करती थी लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से मेरी पढ़ाई छूट गई और मां-बाप ने मेरी शादी कर दी अब मेरी कमाई से बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाऊंगी ताकि वह पढ़ लिखकर बड़ा आदमी बन सके। कुछ महिलाओं का कहना है कि कमाने वाला कोई नहीं था इसलिए ई-रिक्शा चलाकर परिवार को पाल रही है ।

माधुरी

पूजा

कमाने वाला कोई नहीं था ई-रिक्शा चलाकर परिवार को पाल रही

इसी तरह आगर रोड मोहन नगर निवासी सीमा वर्मा ने बताया कि वह भी ई-रिक्शा चलती है सीमा ने आगे बताया कि उसकी शादी हो चुकी है और उसका एक 9 साल का बच्चा है जिसका नाम राजवीर वर्मा है उसके पति उसको छोड़कर चले गए। इस कारण घर पर कमाने वाला कोई नहीं था और बच्चे का पालन पोषण करने के लिए सीमा ने ई-रिक्शा चलाना शुरू किया और लोन लेकर ई-रिक्शा खरीदा और उसके बाद से ही वह ई-रिक्शा चलाकर खुद का और अपने बच्चे का पालन पोषण कर रही है वह चाहती है कि उसका बच्चा अच्छी पढ़ाई करें और अधिकारी बने।

ई रिक्शा चलाकर अपना गुजारा करने वाली हर्षिता गोयल निवासी नलिया बाखल ने बताया कि पिछले ढाई वर्षो से वह ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है वह किराए से ई रिक्शा लेती है और पूरे दिन ई रिक्शा चलती है सीजन में अच्छी सवारी मिल जाती है हर्षिता ने आगे बताया कि वह अविवाहित है तथा घर पर कमाने वाला कोई नहीं था तो वह खुद काम करने लग गई और ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार को पाल रही है।

बेटी को डॉक्टर बनाना चाहती है

इसी तरह पांड्या खेड़ी निवासी पूजा लिंबावद ने बताया कि उसके पति मिस्त्री का कार्य करते हैं तथा पति की कमाई में घर का खर्च नहीं चल पा रहा था बच्चों की पढ़ाई भी नहीं हो पा रही थी इस कारण उसने खुद का रोजगार शुरू किया और किराए का ई-रिक्शा लेकर चलाने लगी अब उसकी घर की आर्थिक स्थिति भी सुधर गई है और उसके बच्चों को वह अच्छे स्कूल में पढ़ा रही है पूजा का कहना था कि वह उसके लड़के राजवीर को पढ़ाकर सेना में भेजना चाहती है तथा लड़की को डॉक्टर बनाना चाहती है।

छोटे भाई को कुछ बनाने की ललक

इसी तरह शास्त्री नगर निवासी माधुरी चौहान ने बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और परिवार की जिम्मेदारी भी उस पर है। इसलिए वह भी पिछले दो-तीन साल से ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है। उसके पास इतने पैसे नहीं है कि वह खुद का ई-रिक्शा खरीद सकें। किराए से ई-रिक्शा लेकर चलाती है। माधुरी ने आगे बताया कि वह अविवाहित है।उसके परिवार में उसकी मां है और एक छोटा भाई है छोटे भाई को पढ़ा लिखाकर कुछ बड़ा आदमी बनना चाहती है।

घर में कोई कमाने वाला नहीं था इसलिए खुद का रोजगार शुरू किया और किराए से ई-रिक्शा लेकर चलाने लगी। इतनी आमदनी हो जाती है कि परिवार का गुजारा हो जाता है और उसका जीवन अच्छा चल रहा है।

ओलावृष्टि के बाद तेज हवाओं ने ठंड बढ़ाई: न्यूनतम पारा 12 डिग्री

किसानों की फसल बर्बाद, ठंडी हवाओं ने सबको प्रभावित किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में हुई ओलावृष्टि के चलते शहर में सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। गुरुवार सुबह से बादलों ने डेरा जमा रखा था, जिसके चलते ठंडी हवाएं शहर में चल रही हैं। तेज हवाओं के कारण आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी और उत्तर की ओर से आ रही सर्द हवाओं के कारण मालवा क्षेत्र में काफी ठंडक महसूस हो रही है।

शहर में रविवार रात को पारा 12 डिग्री था, जो अगले ही दिन सोमवार रात को बढ़कर 16 डिग्री पहुंच गया। लेकिन मंगलवार और बुधवार को कई क्षेत्रों में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण रात का तापमान फिर गिर गया।

बीती रात पारा 4 डिग्री गिरा और बुधवार रात को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया। जिसके चलते गुरुवार सुबह से ही शहर में ठंडक और सर्द हवाएं बनी हुई हैं। सुबह कई लोग अलाव जलाकर ताप लेते दिखे, जबकि दोपहिया वाहनों पर निकलने वाले लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए और तरह-तरह के जतन कर रहे थे।

करीब आधा घंटा हुई थी बारिश

मंगलवार शाम को जिले में तेज हवा के साथ हुई बारिश के चलते घट्टिया और तराना तहसील के ग्राम बनड़ा, बमोरी और आसपास के गांवों में कई किसानों की फसल बर्बाद हो गई। करीब आधे घंटे तक चली बारिश से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इसका असर गुरुवार को भी देखने को मिला।

चक्रतीर्थ के घाटों पर 30 लाख की लागत से होगा सौंदर्यीकरण

उज्जैन। चक्रतीर्थ विकास एवं सौंदर्यकरण कार्य के अंतर्गत नगर पालिक निगम द्वारा चक्रतीर्थ पर राशी रुपए लगभग 01 करोड़ से अधिक की लागत से विकास एवं सौंदर्य करण के कार्य किए गए हैं साथ ही यहां आने वाले नागरिकों के बैठने के लिए नवीन स्टील की कुर्सियां लगाई जाने का कार्य भी किया गया है इसी के साथ चक्रतीर्थ के नीचे के घाटों एवं स्थलों पर भी 30 लाख रुपए की लागत से सौंदर्यकरण एवं जीर्णोद्धार के कार्य किए जाएंगे गुरुवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा अधिकारियों के साथ चक्रतीर्थ का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री जगदीश मालवीय उपस्थित रहे।

खेलो एमपी यूथ गेम्स राज्यस्तरीय योगा प्रतियोगिता के लिए खुशी का चयन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

योगा कनक श्रृंगा एवं स्पोर्ट्स एसोसिएशन की होनहार खिलाड़ी खुशी जायसवाल का चयन खेलो एमपी यूथ गेम्स राज्यस्तरीय योगा प्रतियोगिता जो कि उज्जैन में दिनांक 30 से 31 उज्जैन में आयोजित होगी। इस अवसर पर विजय चौहान (दौलतगंज मंडल अध्यक्ष), अपूर्व देवड़ा ,शैलेन्द्र द्रोणावत, मनोज राठौड़, संस्था सचिव व कोच संतोष सोलंकी आदि द्वारा पुष्पमाला पहनाकर बधाई दी।

सिंहस्थ 2028: सदावल में जून तक तैयार होंगे 4 नए हेलीपैड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बड़नगर रोड पर सिंहस्थ क्षेत्र के सदावल में हेलीपैड का निर्माण अंतिम चरणों में हैं। दावा यह कि जून तक प्रोजेक्ट कंप्लीट कर हैंडओवर कर दिया जाएगा। यानी सिंहस्थ की तैयारियों के सिलसिले में आने वाले वीआईपी व अन्यों के हेलीकाप्टर भी यहां उतर सकेंगे। सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए हवाई सेवा की सुविधाओं में विस्तार के क्रम में सदावल में करीब 13 करोड़ की लागत से लोनिवि चार हेलीपैड का निर्माण कर रहा है। इनमें से तीन का निर्माण पूरा हो गया है। चौथे का थोड़ा बहुत काम बचा है।

करीब 1600 मीटर की बाउंड्री वाल पूर्व में ही यहां बना दी गई। लाउंज की व्यवस्था भी यहां रहने वाली है। माना जा रहा है कि इन हेलीपैड के यहां बनने से सिंहस्थ में वीआईपी मूवमेंट आसानी से हो सकेगा। वर्तमान में शहर में पुलिस लाइन में एक हेलीपैड हैं, जो कि सिंहस्थ क्षेत्र व महाकालेश्वर मंदिर से दूर हैं।

शिप्रा के पास हेलीपैड की जरूरत पड़ रही थी: ऐसे में पुराने शहर में खासकर मेला क्षेत्र में शिप्रा के नजदीक व श्री महाकालेश्वर मंदिर के आसपास हेलीपैड की जरूरत महसूस की जा रही थी। क्योंकि सिंहस्थ 2028 में बड़ी संख्या में कई वीआईपी का आना जाना हवाई मार्ग से भी होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए बड़नगर मार्ग के सदावल में हेलीपैड निर्माण के प्रोजेक्ट की रूपरेखा बनी थी जो अब अंतिम चरणों में हैं।

सकारात्मक व स्वस्थ वातावरण प्रदान करने की शासकीय योजना: घरौंदा

पं राहुल शुक्ल ▸▸ उज्जैन

वर्तमान समय मे पारिवारिक द्वंद एक प्रमुख समस्या चल रही है जिसका प्रभाव घर के छोटे बच्चों के दिलो - दिमाग पर बहुत गहरा हो रहा है। माता - पिता के बीच होनेवाले झगडे , और अधिक विपरीत प्रभाव डालते हैं जब बच्चा दिव्यांग हो और घर पर ही अधिकांश समय व्यतीत कर रहा हो। शासन ने दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास की बहुत सी स्कीम चला रखी हैं किन्तु जानकारी के अभाव मे दिव्यांग बच्चे व उनके परिजन इनका लाभ नही ले पाते और परिणामस्वरूप दिव्यांग बच्चे का न तो ढंग से बौद्धिक उन्नयन हो पाता है और न ही वह स्वावलंबी बन पाता है। इन सभी परेशानियों के सन्दर्भ मे स्थानीय नानाखेडा स्थित सर्वोदय एज्युकेशन सोसायटी व समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांग सशक्तिकरण केन्द्र छतरपुर द्वारा एक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ पर्यावरणविद दिव्यांग शशांक शुक्ला ने किया।

शासन की घरौंदा योजना

दिव्यांग जनो की घरौंदा योजना की जानकारी देते हुए कमला पुनर्वास केन्द्र की संचालक डॉ परवीनासिंह ने दैनिक अवंतिका को बताया कि जिन परिवार मे दिव्यांग बच्चा है और परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। दिव्यांग बच्चे के पिता शराब या अन्य नशे के आदी हैं और घर मे कलह होती रहती है तो ऐसे घर मे बच्चे को स्वस्थ वातावरण नहीं मिल पाता अतः बच्चे को स्वस्थ वातावरण मुहैया कराने के लिए शासन की घरौंदा योजना है जिसमे दिव्यांग बच्चे और उसकी मां के लिए रहने की व्यवस्था होती है।

दिव्यांग बच्चा अब बोझ नहीं

डॉ परवीनासिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ घरों मे दिव्यांग बच्चे को बोझ समझ लिया जाता है किन्तु शासन ने दिव्यांग बच्चे के लिए राशन की व्यवस्था की है और अब वह परिवार पर बोझ नहीं है। दिव्यांगजनो के लिए शासन ने पेंशन की व्यवस्था भी की है जिससे उसका जीवनयापन ताउम्र हो सकता है। कार्यशाला मे दिव्यांग बच्चे के संवेग व भावनाओ को समझने की जानकारी अभिभावकों को लखनऊ से पधारे विद्वान जसविन्दरसिंह सलूजा और छतरपुर के विशेष शिक्षक आकाश साहू व राजबहादुर ने दी । कार्यशाला मे मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ के प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

विक्रमोत्सव-2026 में उज्जैन में जुटेंगे देश-विदेश के नामी कलाकार,

सोनू निगम करेंगे परफॉर्म, 15 फरवरी से 19 मार्च तक आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन 15 फरवरी से 19 मार्च तक होगा। इस उत्सव में देश और विदेश के कलाकार भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में बैठक कर विक्रमोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का साहस, शौर्य और योगदान भारतीय संस्कृति को मजबूत करता है। नई पीढ़ी को उनके जीवन और कार्यों से जोड़ना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन भव्य हो और अंतरराष्ट्रीय स्तर का नजर आए। विक्रमोत्सव के दौरान उज्जैन में कई तरह के सांस्कृतिक, साहित्यिक और वैचारिक कार्यक्रम होंगे। उत्सव की शुरूआत शिव पूजा और शिवनाद जैसे आध्यात्मिक कार्यक्रमों से होगी। कार्यक्रमों में नाट्य समारोह, इतिहास और शोध पर संगोष्ठियां, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, वेद अंताक्षरी और संगीत से जुड़े विचार विमर्श शामिल रहेंगे। इन आयोजनों से भारतीय संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

सरकार की योजना के अनुसार विक्रमोत्सव में इतिहास, साहित्य, संगीत, रंगमंच, विज्ञान और लोक परंपराओं का समावेश किया जाएगा। सम्राट विक्रमादित्य के शासन, न्याय प्रणाली और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जुड़े पक्षों को संवाद, शोध संगोष्ठियों और प्रदर्शनियों के माध्यम से सामने लाया जाएगा। स्कूल और कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन के जरिए युवाओं को सक्रिय रूप से इस उत्सव से जोड़ने की तैयारी है।

खास आकर्षण

13 से 17 मार्च तक होने वाला अंतरराष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्व होगा

उज्जयिनी गौरव दिवस के मौके पर शिप्रा तट पर मुख्य समारोह होगा

पौराणिक फिल्म महोत्सव भी होगा

उज्जैन के लोगों के लिए खास आकर्षण 13 से 17 मार्च तक होने वाला अंतरराष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्सव रहेगा। इसमें 20 से ज्यादा देशों की पौराणिक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे दर्शकों को अलग-अलग संस्कृतियों को समझने का मौका मिलेगा।

इसके अलावा विज्ञान, कृषि और लोकसंस्कृति से जुड़े कार्यक्रम भी होंगे। प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, दुग्ध उत्पादक पशुओं की प्रतियोगिता और कृषि प्रदर्शनी किसानों और आम लोगों के लिए उपयोगी रहेंगी।

19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा, सृष्टि आरंभ दिवस और उज्जयिनी गौरव दिवस के मौके पर शिप्रा तट पर मुख्य समारोह होगा। इस दिन सम्राट विक्रमादित्य अलंकरण दिया जाएगा, विक्रम पंचांग का लोकार्पण होगा और भव्य आतिशबाजी होगी।

मुख्य समारोह में प्रसिद्ध गायक सोनू निगम की प्रस्तुति भी होगी। विक्रमोत्सव-2026 ऐसा आयोजन होगा, जो उज्जैन की संस्कृति, इतिहास और परंपरा को नई पहचान देगा और हर नागरिक को इससे जुड़ने का अवसर मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराज्यीय भ्रमणशील कला प्रदर्शनी 31 से

उज्जैन। गैलरी फनकार उज्जैन हैदराबाद आर्ट सोसाइटी के सहयोग से कालिदास अकादमी में 31 जनवरी को कला सेतु प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मध्यप्रदेश-तेलंगाना अंतरराज्यीय भ्रमणशील कला प्रदर्शनी का उद्घाटन शाम 5 बजे होगा। इसके बाद वरिष्ठ कलाकार एवं हैदराबाद आर्ट सोसाइटी के अध्यक्ष एमवी रमण रेड्डी द्वारा थंब पेंटिंग का सजीव प्रदर्शन किया जाएगा। 1 फरवरी को दोपहर 3 से 5 बजे तक वरिष्ठ कलाकार अखिलेश वर्मा कला विमर्श करेंगे व एमवी रमण रेड्डी की पुस्तकः पाथ टू आर्टिस्टिक ब्रिलियंस-ए जर्नी अनवील्ड का परिचय देंगे। कला सेतु एक अंतर-राज्य कला प्रदर्शनी है, जो मध्यप्रदेश और तेलंगाना के कलाकारों को एक साझा मंच पर लाती है। प्रदर्शनी में दोनों क्षेत्रों की सांस्कृतिक विविधता, रंगों, रूपों और दृष्टि की झलक देखने को मिलेगी।

महाकाल मंदिर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की मांग

उज्जैन। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा और उससे जुड़े मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की मांग के बीच अब उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में भी इसी तरह की मांग उठने लगी है। महाकाल मंदिर के वरिष्ठ पुजारी और मंच ने केंद्र और राज्य सरकार से महाकाल मंदिर सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।उत्तराखंड के गंगोत्री धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की खबर सामने आने के बाद देश के बारह ज्योतिर्लिंग में भी इस तरह की व्यवस्था लागू करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसकी शुरूआत उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से होती नजर आ रही है। महाकाल मंदिर के वरिष्ठ पुजारी ने कहा कि यदि कोई गैर-हिंदू सनातन धर्म में आस्था रखता है तो उसे मंदिर आने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन यदि कोई व्यक्ति केवल घूमने-फिरने या गलत मंशा के साथ मंदिर में प्रवेश करता है और इससे सनातन धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचती है, तो ऐसे लोगों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर बच्चों की उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ सम्मानित

इंदौर। निपानिया स्थित बालाजी स्काइज सोसायटी में गणतंत्र दिवस का आयोजन गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में किया गया। राज्य थीम आधारित सांस्कृतिक परेड में बच्चों ने विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन बच्चों में रचनात्मकता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम को प्रोत्साहित करने वाला रहा।

बार बार बदलते अफसर और नेतागिरी बनेंगे मुख्य कारण

इंदौर से छिन सकता है सबसे स्वच्छ शहर का ताज!

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की बादशाहत स्वच्छता के मामले में खत्म हो सकती है। स्वच्छता सर्वेक्षण में उसे कई शहरों से कड़ी टक्कर मिल रही है। इंदौर लगातार 7 बार देश का का है। हालांकि इस बार उसके लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कई ऐसे शहर हैं जो इंदौर को टक्कर दे रहे हैं, लेकिन इस बार इंदौर को मप्र की ही राजधानी भोपाल से चुनौती मिल रही है। स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार कई बड़े बदलाव किए गए हैं। यह पहला मौका है जब स्वच्छ सर्वेक्षण में निगेटिव मार्किंग को लागू किया गया है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय को प्रत्येक शहर मासिक सूचना तंत्र के माध्यम से अपने स्वच्छता संबंधित किए गए कार्यों की जानकारी भेजता है। सर्वे के दौरान मैदानी स्तर पर यदि कार्य में 50 फीसदी तक की कमी पाई जाएगी तो उस शहर के अधिकतम 30 अंक कम कर दिए जाएंगे।

स्वच्छ सर्वेक्षण में पहली बार निगेटिव मार्किंग

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में इंदौर को भोपाल से मिल रही कड़ी टक्कर कड़ी चुनौती मिल रही है। 2023 में भोपाल देश का पांचवां सबसे स्वच्छ शहर था। इस बार भोपाल नगर निगम ने खास तैयारी की है। जिसका असर जमीन पर दिखाई दे रहा है। भोपाल नगर निगम के पास कचरा ट्रांसफर करने के लिए 72 बड़े ट्रक कैप्सूल हैं। वहीं, सड़क पर ऑटोमेटिक सफाई करने वाली 10 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनें हैं।

अलग-अलग मापदंडों से होता है तय

स्वच्छता सर्वेक्षण में शामिल शहरों का अलग-अलग मापदंडों पर आकंलन किया जाता है। इसके बाद फैसला किया जाता है कि कौन सा शहर देश का सबसे स्वच्छ शहर है। सफाई सिस्टम के अलावा शहरवासियों का फीडबैक, शिकायतों का समाधान, स्वच्छता के लिए नवाचार, कचरे का पुर्नउपयोग, कचरे का निदान, जल सरंचना, तालाबों की सफाई, पब्लिक टायलेट समेत कई पैमाने होते हैं। इंदौर को स्वच्छता के मामले में उस बार सूरत से कड़ी टक्कर मिली थी। सूरत नगर निगम भी स्वच्छता के लिए लगातार नवाचार कर रहा है जिस कारण से उसके सफाई की देशभर में चर्चा हो रही है।

सर्वश्रेष्ठ वार्ड को सम्मानित करेगा ननि

भोपाल को सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण लगातार प्रयास कर रहे हैं। गत दिवस स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के तहत सबसे स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता के लिए चुने गए 24 वार्डों के पार्षदों के साथ बैठक की। एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से पार्षदों को मूल्यांकन मानदंडों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें कुल 200 अंक हैं, जिसमें से 100 अंक स्वच्छता घटकों के लिए समर्पित हैं। महापौर राय ने विशेष स्वच्छता प्रयासों को प्रेरित करने और निवासियों के बीच गर्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगिता के लक्ष्य पर जोर दिया। मूल्यांकन के मुख्य मानदंडों में अपशिष्ट पृथक्करण, गीले अपशिष्ट से खाद बनाना, धूल रहित हरियाली, एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना, वाटर प्लस प्रोटोकॉल के अनुसार सार्वजनिक शौचालयों का रखरखाव और शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है

12500 अंकों के लिए करनी होगी मशक्कत

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अधिकारियों का भी कहना है कि सुपर स्वच्छ लीग में शामिल शहरों की किसी तरह की रैंकिंग होगी या नहीं, यह अभी तय नहीं है।इस संबंध में आगामी दिनों में निर्णय लिया जाएगा। इस बार सर्वेक्षण में शामिल शहरों को अव्वल आने के लिए 12500 अंक हासिल करने की मशकत करनी होगी।

स्वच्छ विद्यालय रैंकिंग, विरासत

थीम वाली दीवार पेंटिंग और स्वच्छता चैंपियन के सम्मान जैसी पहलों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। पार्षदों, निवासी संघ के सदस्यों, स्वैच्छिक संगठनों और अपशिष्ट प्रबंधन विशेषज्ञों से मिलकर बनी एक जूरी वार्डों में स्वच्छता का आकलन करेगी। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, जूरी के सदस्य अपने वार्ड के अलावा अन्य वार्डों का भी मूल्यांकन करेंगे।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्रम विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, आईटीआई कॉलेज, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्यगण, रोजगार विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, महिला सेल, शासकीय संस्थाओं बाल गृह, शासकीय बालिका गृह, शासकीय संप्रेक्षण गृह, शासकीय वन स्टॉप सेंटर, अशासकीय संस्थाओं मातृछाया शिशु गृह, अशासकीय बाल गृह / बालिका गृह सेवाधाम एवं आईसीपीएस, महिला एवं बाल विकास से अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ब्रजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी अनुसार कलेक्टर श्री सिंह के निदेर्शानुसार सभी संस्थाओं के अधीक्षकों के लिए एवं आईसीपीएस टीम के लिए जेजे एक्ट एवं नियम निदेर्शों के अधीन बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित किया जाने के लिए निर्देशित किया गया।

बैठक में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती रीना शर्मा एवं सहायक संचालक महिला एवं विकास श्री टीसी मेहरा द्वारा बैठक में बच्चों के कल्याण और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने और उनकी सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के लिए संचालित योजनाओ स्पॉन्सरशिप योजना, आफ्टरकेयर योजना, फॉस्टर केयर योजना, पी.एम. केयर योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना की समीक्षा की गई । भिक्षावृत्ति उन्मूलन कार्यक्रम , बालश्रम उन्मूलन कार्यक्रम, बाल विवाह मुक्त भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनाओं के तहत जिले में चलाये जा रहे अभियानों व उनकी उपलबधियों के संबंध में सभी को अवगत करवाया गया।

बिस्किट पैकेट में 18 ग्राम वजन कम शिकायत मिली तो की गई कार्रवाई

10 रुपए में बिकने वाले पतंजलि दूध बिस्कुट के पैकेट में घोषित वजन से कम मात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

10 रुपए में बिकने वाले पतंजलि दूध बिस्कुट के पैकेट में घोषित वजन से कम मात्रा मिलने का मामला सामने आने के बाद नाप-तौल विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

संजय पाटणकर सहायक नियंत्रक नापतौल विभाग उज्जैन संभाग ने बताया कि शिवानी सिसौदिया ने एक कंपनी के दूध बिस्कुट खरीदने के बाद वजन में कमी पाई थी। उन्होंने घरेलू सामान के साथ बिस्कुट का पैकेट रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट से खरीदा था। घर पर बिस्कुट गिनकर खाने की आदत के कारण उन्हें पता चला कि बिस्कुट कम भरे गए हैं। जब उन्होंने दूसरे पैकेट पर देखा तो 70 ग्राम वजन अंकित था, लेकिन जब उन्होंने पास की किराना दुकान पर वजन कराया तो वास्तविक वजन मात्र 52 ग्राम निकला। उपभोक्ता शिवानी का आरोप था कि जब उन्होंने स्टोर कर्मचारियों से शिकायत की तो उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया और यह कहकर टाल दिया गया कि केवल 10 रुपए के बिस्कुट के लिए शिकायत करना बेकार है। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी प्राप्त कर जागरूक उपभोक्ता समिति के माध्यम से नाप-तौल विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद जांच की गई और निमार्ता-विक्रेता, मार्केटिंग सहित रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट पर भी जुर्माना लगाया गया।

यह की गई कार्रवाई

सहायक नियंत्रक नापतौल विभाग संजय पाटणकर ने बताया कि शिकायत पर संज्ञान लेते हुए वैधानिक माप विज्ञान (लीगल मेट्रोलॉजी) विभाग इंदौर-2 ने जांच की है । जांच में पैकेज्ड कमोडिटी नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई, जिसके बाद प्रकरण दर्ज कर संबंधित कंपनियों और उनके जिम्मेदार अधिकारियों पर जुमार्ना लगाया गया है। विभागीय आदेश के अनुसार बिस्किट बनाने वाली कंपनी सहित अन्य 8 कंपनियों को दोषी पाया गया। अधिकांश मामलों में प्रत्येक आरोपी पर 5,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया, जबकि एक प्रकरण में 15,000 रुपये का अर्थदंड निर्धारित किया गया। कुल मिलाकर 55,000 रुपये का जुमार्ना शासन के खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने बताया कि संबंधित कंपनियों द्वारा लीगल माप विज्ञान अधिनियम, 2009की धारा 18 और 36 (1) तथा पैकेज्ड कमोडिटी नियम, 2011 के नियम 2, 4, 6और 18 का उल्लंघन किया गया। इन नियमों के अनुसार पैकेज्ड खाद्य सामग्री पर वजन, मात्रा, निर्माण तिथि, उपभोक्ता विवरण और अन्य अनिवार्य जानकारी स्पष्ट रूप से अंकित होना आवश्यक है और घोषित मात्रा से कम सामग्री देना उपभोक्ता धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। नाप-तौल विभाग के निरीक्षक केआर चौधरी ने बताया कि जुमार्ने की राशि एमपी ट्रेजरी पोर्टल के माध्यम से या कोषालय में चालान द्वारा जमा कराई जाएगी। निर्धारित समय सीमा में राशि जमा नहीं करने पर आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

जाम की ड्यूटी जनता निभाए मोबाइल की ड्यूटी पुलिस?

बापट चौराहे पर ड्यूटी छोड़ मोबाइल में व्यस्त महिला पुलिसकर्मी, ट्रैफिक सिस्टम पर सवाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर शहर इन दिनों जाम की समस्या से बुरी तरह जूझ रहा है। हालात यह हैं कि शहर के किसी भी हिस्से में, किसी भी समय ट्रैफिक जाम लग जाना आम बात हो गई है। आम नागरिक घंटों सड़कों पर फंसे रहते हैं, लेकिन जिनके कंधों पर यातायात व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी है, उन्हीं की लापरवाही अब खुलकर सामने आने लगी है।

26 जनवरी को शहर के बेहद व्यस्त बापट चौराहे पर सामने आया नजारा पूरे ट्रैफिक सिस्टम पर सवाल खड़े करता है। इस मामले में साफ देखा गया कि चौराहे पर तैनात दो महिला पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी छोड़कर सड़क किनारे खड़े वाहन पर बैठी हुई थीं और पूरी तरह मोबाइल फोन में व्यस्त नजर आईं। जिस बापट चौराहे पर थोड़ी सी भी लापरवाही बड़ा जाम खड़ा कर देती है, वहां इस तरह का गैरजिम्मेदार रवैया गंभीर चिंता का विषय है।

हैरानी की बात यह है कि एक ओर इंदौर पुलिस शहर को जाम से मुक्त करने के लिए लगातार अभियान चला रही है, यातायात नियमों के पालन को लेकर आम जनता को समझाइश दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ पुलिसकर्मी खुद नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। यह विरोधाभास पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।बापट चौराहा ही नहीं, शहर के अन्य कई प्रमुख चौराहों पर भी महिला पुलिसकर्मियों द्वारा ड्यूटी के दौरान मोबाइल इस्तेमाल करने और समय बिताने की घटना सामने आती रही हैं। यदि ऐसी लापरवाही पर समय रहते लगाम नहीं लगाई गई, तो ट्रैफिक सुधार के सारे दावे खोखले साबित होंगे। अब बड़ा सवाल यह है कि इतने व्यस्त चौराहे पर इस तरह की हरकत कितनी उचित है। क्या आम नागरिकों से नियम पालन की अपेक्षा तब की जा सकती है, जब वदीर्धारी खुद लापरवाही बरतें? अब देखना होगा कि इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी क्या संज्ञान लेते हैं।

न्यूज-कॉलम

करियर मेले के दूसरे दिन छात्राओं को मिला तकनीकी शिक्षा का मंत्र

बड़वानी। स्थानीय शासकीय कन्या हाई स्कूल में आयोजित पांच दिवसीय करियर मेले के दूसरे दिन छात्राओं को तकनीकी कौशल और स्वरोजगार की बारीकियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य श्रीमती रचना पुरोहित ने की। इस अवसर पर शासकीय आईटीआई बड़वानी के विशेषज्ञ श्री राजेश झिल्वे (प्रशिक्षण अधिकारी), श्री आनंद मालवीय (टर्नर) एवं सुश्री वीणा भगत (इलेक्ट्रीशियन) ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। विशेषज्ञों ने छात्राओं को कोपा, स्टेनोग्राफी, इलेक्ट्रीशियन, सिलाई, फिटर और वेल्डर जैसे ट्रेडों की जानकारी देते हुए बताया कि कैसे इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बना जा सकता है। उन्होंने उद्योगों की मांग और स्वरोजगार शुरू करने की प्रक्रिया पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। प्राचार्य श्रीमती पुरोहित ने छात्राओं को तकनीकी शिक्षा अपनाकर करियर को नई उड़ान देने के लिए प्रेरित किया। मेले में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने 25 लाख 91 करोड़ की लागत से बनने वाली दो ग्रामीण सड़कों का किया भूमिपूजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आलीराजपुर

विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए गांवों का विकसित एवं आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आलीराजपुर जिले के प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र को विकसित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

यह बात कैबिनेट मंत्री श्री नागरसिंह चौहान ने गुरुवार को 25 करोड़ 91 लाख 89 हजार रुपये की लागत से बनने वाली दो महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कही। कैबिनेट मंत्री श्री चौहान द्वारा आलीराजपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बड़दला क्यारा फलिया से ग्राम खबड़ी तक 7.70 किलोमीटर लंबी सड़क का भूमिपूजन किया, जिसकी कुल लागत 12 करोड़ 62 लाख 76 हजार रुपये है। यह मार्ग क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए प्रमुख संपर्क सड़क के रूप में कार्य करेगा। इसके साथ ही सोंडवा विकासखंड अंतर्गत ग्राम फड़तला मिडिल स्कूल से थोड़सिंधी होते हुए नेवा माता मंदिर (फड़तला) तक 9.50 किलोमीटर लंबी सड़क का भी भूमिपूजन किया गया, जिस पर 13 करोड़ 29 लाख 13 हजार रुपये की लागत आएगी। दोनों सड़कें धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कैबिनेट मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करती हैं। इन सड़कों के निर्माण से ग्राम आत्मनिर्भर बनेंगे, स्थानीय उत्पादों को बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी और ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसान के हित में लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई गई।

आपत्तिजनक संदेश, चित्रों व वीडियो एवं ऑडियो मैसेज/सूचनाओं के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी-कलेक्टर

आलीराजपुर। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर जानकारी प्राप्त हुई है कि जिले में असामाजिक तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया साईट जैसे वाट्सअप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, फेसबुक, एक्स आदि के माध्यम से सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने एवं विभिन्न समुदायों के मध्य संघर्ष एवं वैमनस्यता की स्थिति निर्मित करने हेतु तरह-तरह के आपत्तिजनक संदेश, चित्रों व वीडियो एवं ऑडियो मैसेज/सूचनाओं को प्रकाशित किया जा सकता है। जिले में मानव जीवन की सुरक्षा, लोकशांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्पूर्ण जिला अलीराजपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में सर्वसाधारण के पालनार्थ प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है । सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति आपत्तिजनक संदेश, वीडियों, ऑडियों, मैसेज पोस्ट नहीं करेगा ,सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति सामाजिक एवं व्यक्तिगत रूप से आपत्तिजनक व अश्लील संदेशों को प्रकाशित नहीं करेगा , किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक, द्वेषपूर्ण अथवा धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले संदेश एवं चित्र, ऑडियों, वीडियो प्रसारित नहीं करेगा ,ऐसे चित्र, वीडियो, ओडियो, कमेंट्स आदि पर प्रतिबंध जो आंतकवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिकता से संबंधित हो प्रतिबंध रहेगा ,ऐसे चित्र, ऑडियो, वीडियों, कमेंट्स जो महिला एवं अल्पसंख्यक वर्ग या समुदाय, जाति विशेष के विरुद्ध प्रतिकूल टिप्पणी करते हो, प्रतिबंध रहेंगे।

ग्राम पंचायत मांजरोद कला में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बुरहानपुर। ऑल इज वेल हॉस्पिटल बुरहानपुर द्वारा 29 जनवरी 2026 गुरुवार को ग्राम पंचायत मांजरोद कला खकनार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 से अधिक मरीजों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर में ऑल इज वेल हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का परामर्श दिया गया। सभी मरीजों को मौसमी विकारों से बचने एवं सुरक्षित रखने की सलाह दी गई। सभी मरीजों का निःशुल्क जनरल चेकअप, ब्लड प्रेशर की जाँच एवं आंखों की जांच की गई। ऑल इज वेल हॉस्पिटल के संचालक कबीर चौकसे के दिशा निर्देशन में,एवं ऑल इज वेल हॉस्पिटल स्टाफ के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।

ओलावृष्टि से फसलों की बर्बादी: किसान महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

10 दिन में मांगें न मानने पर आंदोलन की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मंडलेश्वर

क्षेत्र में हुई असमय बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की कमर टूट गई है। इसे लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम पूर्वा मंडलोई को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यदि 10 दिनों के भीतर किसानों की मांगें पूरी नहीं की गईं, तो उग्र धरना प्रदर्शन किया जाएगा। मंगलवार शाम महेश्वर तहसील के कई गाँवों में हुई ओलावृष्टि से गेहूँ, मक्का, चना और सब्जियों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। किसानों ने कहा है फसल नुकसान के कारण किसान ब्याज चुकाने में असमर्थ हैं, इसलिए बैंकों की ऋण वसूली और किसानों पर दर्ज केसों को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सीसीआई द्वारा कपास की खरीद नियमों के विपरीत की गई है। किसानों को मंडी पर्ची 7906 रुपए की दी गई। जबकि भुगतान 7705 रुपए का किया गया। किसानों ने इसे अपने साथ धोखाधड़ी बताते हुए संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। महासंघ ने मांग की है कि धारा 6.4 के तहत सर्वे कराकर किसानों को 80 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया जाए। वहीं बड़वाह-धामनोद फोरलेन में अधिग्रहित उपजाऊ भूमि के लिए गाइडलाइन के अनुसार चार गुना मुआवजा देने की भी मांग की गई है।

तहसील अध्यक्ष राकेश पाटीदार, तहसील मंत्री बसंतराज पाटीदार और गौरीशंकर पाटीदार ने कहा बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। इसलिए प्रशासन ने जल्द किसानों को राहत देना चाहिए। उन्होंने ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर हमारी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ, तो किसान महासंघ सड़कों पर उतरकर धरना आंदोलन करने को मजबूर होगा।

नेपानगर एसआईआर में फर्जी आपत्ति लेने वालों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नेपानगर

बुरहानपुर जिले में स्ट्रक्चर के बाद नेपानगर के सभी बूथ क्रमांको में दाखिल झूठी आपत्तिया सामने आई है। जिसमें (फॉर्म-7 के अंतर्गत नाम कटवाने हेतु) कई फर्जी व्यक्तियों द्वारा झूठी शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। जिसको निरस्त करने एवं मतदाताओं के नाम बहाल रखने हेतु कांग्रेस संगठन द्वारा एक ज्ञापन नेपानगर एसडीएम भगीरथ वाखला को सौंपा गया था।

आज कांग्रेस संगठन द्वारा नेपानगर थाना प्रभारी ज्ञानु जायसवाल से मुलाकात कर सभी पीड़ितों ने संबंधित व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नेपानगर के सभी बूथ क्रमांको में वर्तमान में निवासरल मतदाता है, जो नियमित रूप से मतदान करते आ रहे हैं। लेकिन कुछ व्यक्तियों द्वारा सामूहिक रूप से झूठी/बिना आधार की आपतियां (फॉर्म-7) दाखिल कर इन मतदाताओं के नाम काटने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि उक्त आपत्तियों पर तत्काल जांच कराई जाए और झूठी/बिना आधार की पाई जाने वाली आपत्तियों को निरस्त किया जाए। इन सभी मतदाताओ के नाम मतदाता सूची में बहाल रखे जाएं। यदि आवश्यक हो तो यह सब व्यक्तिगत रूप से सुनवाई में उपस्थित होने एवं अतिरिक्त प्रमाण प्रस्तुत करने को तैयार हैं। इस दौरान पार्षद पति पंकज मलना, राजू दामु पाटील, किशोर राजपूत, विनोद पाटील, रफीक सेठ, मोहम्मद इकबाल सहित बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार उपस्थि रहे।

जिले के मिर्च उत्पादक किसानों से कलेक्टर ने की चर्चा

बड़वानी ।कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह गुरुवार जिले के उन्नत मिर्च उत्पादक किसानों से सीधे संवाद कर मिर्च की खेती में आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधानों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उपसंचालक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं किसान बन्धु उपस्थित रहे। बैठक में किसानो ने मिर्च की फसल में लगने वाले प्रमुख रोगों एवं अन्य समस्याओं के बारे में बताया। किसानों को सलाह दी कि वे पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ वैज्ञानिक तरीकों का पालन करें ताकि फसल का नुकसान कम हो। बैठक में कृषि में लगने वाले संसाधनों जैसे उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग यूनिट्स को बढ़ावा देने की योजनाओं जैसे पीएमएफएमई आदि संबंधी जानकारी साझा की। साथ ही किसानों को निर्यात एवं ग्राफ्टिंग तकनीक के बारे में जानकारी दी। बैठक के अंत में उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों को नियमित भ्रमण सह प्रशिक्षण प्रदान करें और सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र किसान तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।

बुरहानपुर में विधायक निधि के 4.93 लाख दबाने का आरोप

बुरहानपुर। जिले में पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोप एक बार फिर गूंज उठे हैं। इस बार निशाने पर हैं जिला पंचायत अध्यक्ष गंगाराम झुनकुरू मार्को, उनकी पत्नी और ग्राम पंचायत देड़तलाई की वर्तमान सरपंच गंगा बाई, वर्तमान सचिव संजू पाटील, पूर्व सचिव किशन दुसाने। खकनार के ए-क्लास इलेक्ट्रिक कांट्रेक्टर शिवदास (पिता साहेबराव) मोरे ने इन सभी पर विधायक निधि के काम का भुगतान दबाने और राशि के दुरूपयोग का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत सौंपी थी। शिकायतकर्ता शिवदास मोरे का दावा है कि ग्राम पंचायत देड़तलाई में उन्होंने विधायक निधि से स्वीकृत काम के तहत 25 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर और विद्युत पोल स्थापना का कार्य पूरा किया था। यह काम वर्ष 2020-21 में कराया गया था। शिवदास का आरोप है कि इस काम की राशि 4 लाख 93 हजार 312 रुपए पंचायत में जमा हो चुकी थी, लेकिन आज तक उन्हें भुगतान नहीं दिया गया। ठेकेदार का कहना है कि सिर्फ आश्वासन मिलते रहे, पैसे नहीं मिले। अब शंका है कि राशि की हेराफेरी कर दी गई। शिकायत 1 दिसंबर को दी, लेकिन 2 महीने बाद भी खामोशी है।

ऑपरेशन हवालात के तहत लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

बड़वानी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बड़वानी जगदीश डावर के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बड़वानी धीरज बब्बर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) राजपुर आयुष कुमार अलावा के मार्गदर्शन में जिले में ऑपरेशन हवालात के तहत लंबे समय से फरार स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी जुलवानिया निरीक्षक रामकुमार पाटिल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर प्रभावी सूचना संकलन करते हुए दिनांक 29 जनवरी को फरार स्थायी वारंटी को भारतीय न्याय संहिता में आरोपी खुमा पिता अमर सिंह अजनारे उम्र 35 वर्ष निवासी पनवाड़ जिला खरगोन को गिरफ्तार कर माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय राजपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अभियान के दौरान थाना जुलवानिया पुलिस द्वारा कुल 8 स्थायी वारंटों की तामील की गई है, आगे भी यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जुलवानिया निरीक्षक रामकुमार पाटिल, सहायक उप निरीक्षक सतीश डावर, प्रधान आरक्षक 59 सतीश पाटीदार, आरक्षक 209 अमजद पठान, आरक्षक 282 राजकुमार आर्य एवं महिला आरक्षक 581 प्रीति मोरे की सराहनीय भूमिका रही।

थाना जुलवानिया पुलिस की गौ-तस्करों पर बड़ी कार्यवाही

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बडवानी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को अवैध गौवंश परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर के निर्देशन,अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री धीरज बब्बर, अनुविभागीय अधिकारी राजपुर श्री आयुष अलावा के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी जुलवानिया श्री रामकुमार पाटिल के नेतृत्व में गौवंश परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु पुलिस टीम गठीत की गई, कार्यवाही हेतु टीम द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। इसी क्रम मे आज दिनांक 29 जनवरी को मुखबीर सुचना पर 2 अलग अलग वाहन मे गौवंश परिवहन के संबंध मे सुचना पर कार्यवाही करते हुये 2 वाहनो को घेराबंदी कर रोकते दोनों वाहनो के चालक मौके से फरार हो गए। वाहनो को चेक करते वाहन मे 3 नग गोवंश, व वाहन मे 2 नग गौवंश निर्दयता एवं क्रुरतापुर्वक कर अवैध रुप भरे पाये गये, जो कि वध हेतु महाराष्ट्र तरफ ले जाना पाया गया। दोनों वाहनों व गोवंश को जप्त कर आरोपीयो के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गई पुलिस की इस कार्यवाही में निरीक्षक रामकुमार पाटिल (थाना प्रभारी, जुलवानिया), उनि अशोक खेडकर, सउनि राजेश नैय्यर, जयेश बरुआ, अश्विन पाटीदार, मुकेश वर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

3 फरवरी को ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

बड़वानी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में 3 फरवरी को कलेक्टर कार्यालय परिसर बड़वानी में स्थित ईवीएम वेयर हाउस में दोहपर एक बजे जनसुनवाई के पश्चात ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया जायेगा।

परिवहन विभाग द्वारा चलाया गया जांच अभियान

बड़वानी। जिला परिवहन अधिकारी बड़वानी श्री राकेश भूरिया तथा यातायात थाना प्रभारी श्री विनोदसिंह बघेल द्वारा वाहनो की चैकिंग की गई । चैकिंगके दौरान 19 वाहन चेक किये गये, जिसमें अपूर्ण दस्तावेज पाये जाने पर 4 वाहनो को जप्त कर उनसे 22 हजार 500 रुपए का समन शुल्क वसूला गया । इस प्रकार के अभियान आगे भी चालू रहेगे।

शासकीय अस्पतालों में उपचार के दौरान मृत्यु होने पर निशुल्क शव वाहन सेवा मिलेगी

उज्जैन। राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु उपरांत मृतक को निवास स्थल/शमशान घाट तक निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से शव वाहन सेवा का संचालन प्रारंभ किया गया है। योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के शासकीय अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु होने पर मृतक को सम्मानपूर्वक अपने परिजनों को सुपुर्द कर निशुल्क उनके निवास स्थल तक पहुंचाना है। राज्य शासन द्वारा जिला उज्जैन के लिए 4 शव वाहन प्रदान किए गए है। चारों शव वाहन चौबीस घंटे जिला चिकित्सालय उज्जैन, चरक भवन में उपलब्ध रहेंगे।शव-वाहन द्वारा शासकीय स्वास्थ्य संस्था से मृतक के निवास स्थल /शमशान घाट तक निःशुल्क परिवहन किए जाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।शव वाहन संचालन केवल जिले की सीमा के अंदर किया जाएगा। निजी चिकित्सालयों, निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शव वाहन उपलब्ध कराए जाने की पात्रता नहीं होगी।

फसल नुकसान की शिकायत दर्ज करवाएं

उज्जैन। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार समस्त किसान भाई ध्यान दें कि जिनकी भी फसल प्राकृतिक आपदा अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि से प्रभावित हुई है,वे होने वाले फसल नुकसान की जानकारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत इफकोटोकियो फसल बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 पर 72 घंटे के अंदर शिकायत दर्ज करवायें।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत जागरूकता रैली का आयोजन

आलीराजपुर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने, फसल विविधीकरण, इस टोकन व्यवस्था से उर्वरक का वितरण, सॉइल हेल्थ कार्ड की अनुशंसा के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करने, प्रधानमंत्री धन धन योजना का प्रचार-प्रसार, खेती को लाभ का धंधा बनाने, दलहन एवं तिलहन फसलों के क्षेत्र को बढ़ाने, के उद्देश्य से किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से आज कलेक्टर कार्यालय से मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली को कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती माथुर ने कहा कि जिले के किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक व जैविक खेती पर्यावरण हितैषी होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इस प्रकार की खेती में गोबर खाद, नीम की खाद जैसी जैविक खादों का उपयोग किया जाता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।

संस्कारो से जोड़ने की पहल - सुश्री नेहा दुबे

बड़वानी। प्रायः देखने में आता है कि वर्तमान पीढ़ी में बच्चे मोबाइल के माध्यम से अत्यधिक भ्रमित है। वास्तविकता यह है कि बच्चे अपने बड़े-बुढ़े आदरणीय जनो से भी दूर होते जा रहे है। सरल शब्दो में कहे तो बच्चे नैतिक मूल्यों से भी दूर हो रहे है। आज हम 77वें गणतंत्र दिवस पर हमारे संविधान तथा अमर शहीदों को याद करते है। उनके सम्मान में राष्ट्रीय पर्व को उत्साहपूर्वक मनाते है। ताकि वर्तमान पीढ़ी हमारी संस्कृति से जूढ़ी रहे । साथ ही बच्चे अपने बुजुर्गो का भी सम्मान करें । इसी मंशा के साथ शाला में गणतंत्र दिवस उत्सव के पश्चात ग्राम सिन्धीखोदरी के वयोवृद्ध जनो को तिलक लगाकर हारमाला से सम्मानित किया गया ।

30 जनवरी को विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रतिवर्ष दिनांक 30 जनवरी को विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। कोई व्यक्ति जब शारीरिक रूप से कमजोर हो, उचित पोषण आहार प्राप्त न कर पा रहा हो, तो ऐसी कुष्ठ रोग शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होने पर हो सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि यह एक रोगाणु जनित रोग है। प्रायः रोगी की चमड़ी पर फिका हल्का, पीला, लाल बदरंग दाग, धब्बा है जिसमें सुन्नपन भी हो और खुजली न होती हो, चमड़ी पर तैलिया तामीयां या चमक, कानों में सूजन, दाने या गांठे, हाथ-पांव में सुन्नपन। कुष्ठ रोग किसी पाप का फल नहीं है न कोई दैवीय प्रकोप है। यह एक छूत की भी बीमारी भी नहीं है, रोगी के साथ रहने या छूने से यह रोग नहीं लगता है।

भोजन, पानी, तालाब द्वारा यह रोग नहीं होता है। यह रोग वंशानुगत भी नहीं हैं, कुष्ठ रोग को परिवार से अलग नहीं रखा जाए। यह एक साधारण रोग है जो सूक्ष्म जीवाणुओं से होता है, इसका पूर्ण इलाज संभव है।कुष्ठ रोग के लक्षण चमड़ी पर फीके, पीले, गुलाबी, समतल या उभरे दाग-धब्बें जिनमें सुन्न पन हो, खुजली न होती हो, गर्म या ठण्डी चीज का स्पर्श, चुभन का अनुभव न होता हो, तंत्रिकाओं ने मोटापन, सुजापन हो, हाथ-पैरों में सुन्नपन या सुखापन हो तो यह कुष्ठ के संभावित लक्षण हो सकते है।उपचार यह बहु औषधि (एम.डी.टी.) उपचार के नियमित उपयोग से यह रोग ठीक हो जाता है, इसका उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। कुष्ठरोग से जुड़े तथ्यकुष्ठ एक रोग है, जिसका उपचार हो जाता है।

कुष्ठ रोग रोगाणुओं के कारण होने वाली बीमारी है, किसी के साथ खान-पान से नहीं होता है। यह रोग छूत की बीमारी नहीं है, यह रोग जन्म से नहीं होता है और न ही पीढ़ी दर पीढ़ी होता है। कुष्ठ बस एक रोग है, जिसका पूरा इलाज /उपचार होता है।

जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर नीतू माथुर ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आलीराजपुर

जिले में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और उससे मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1) के तहत संपूर्ण आलीराजपुर जिले की राजस्व सीमाओं को आगामी आदेश तक कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र घोषित करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। उनके द्वारा जारी आदेश के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय 75 डेसिबल व रात्रि में 70 डेसिबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में दिन में 65 व रात में 55 डेसिबल, आवासीय क्षेत्र में दिन में 55 व रात में 45 डेसिबल तथा शांत क्षेत्र में दिन में 50 व रात में 40 डेसिबल से अधिक ध्वनि तीव्रता प्रतिबंधित रहेगी।

जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती माथुर ने निर्देश दिए हैं कि जिले में किसी भी उत्सव अथवा आयोजन के दौरान लाउडस्पीकर, डीजे, बैंड, प्रेशर हार्न एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकेगा।इस हेतु सामान्यतः ध्वनि मानकों के पालन की स्थिति में अधिकतम दो मध्यम आकार के डीजे अथवा लाउडस्पीकर की अनुमति दी जा सकेगी। साथ ही डीजे व लाउडस्पीकर किराये पर देने वाले वेण्डर किसी भी आयोजन हेतु दो से अधिक मध्यम आकार के उपकरण किराये पर नहीं देंगे। आदेश में प्रेशर हार्न के भंडारण एवं विक्रय पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा रात्रि 10 बजे से सुबह ६ बजे तक किसी भी प्रकार के लाउडस्पीकर, डीजे, बैंड या अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश आज दिनांक से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

खास न्यूज

जांच में मृतक कार चालक की सामने आई लापरवाही

उज्जैन। बदनावर-उज्जैन मार्ग पर मौलाना ब्रिज के पास फोरलेन पर 25 जनवरी को कार पलटी खा गई थी। जिसमें भूमित उर्फ भागीरथ पिता नगीन भाई निवासी भावनगर गुजरात की मौत हो गई थी। वहीं अरनव पिता विमल किशोर चौधरी निवासी परगाना कलकत्ता हाल मुकाम भावनगर गुजरात घायल हो गया था। बड़नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। घटनास्थल देखने और घायल के बयान दर्ज करने पर सामने आया कि भूमित उर्फ भागीरथ कार काफी तेजगति में चला रहा था। उसकी लापरवाही के चलते ही कार का संतुलन बिगड़ा था और अनियंत्रित होने के बाद पलटी थी। पुलिस ने जांच में आये तथ्यों के आधार पर मृतक चालक भूमित के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का प्रकरण दर्ज किया गया है। घटना में उसकी मौत हो गई थी, जिसके चलते अब प्रकरण का खात्मा किया जायेगा। एक अन्य दुर्घटना के मामले में भैरवगढ़ पुलिस ने अपनी जांच पूरी करने के बाद ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किये है। एएसआई राजेश सौराष्ठी के अनुसार 19 जनवरी को उन्हेल मार्ग ग्राम गढ़ा के मोड पर बाइक सवार सुल्तान पिता सलीम खान की मौत हो गई थी और रेहान पिता मसूर खान निवासी नागझिरी घायल हुआ था। दोनों जवारा हुसैन टेकरी से जियारत कर लौट रहे थे।

शराबी पुत्र ने पाइप से पिता पर फोड़ा सिर

उज्जैन। छोटी मायापुरी में रहने वाला आनंद चौहान बीती रात शराब का नशा कर घर लौटा और परिवारजनों के साथ गाली-गलौच कर विवाद करने लगा। पिता ने उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन उसने घर में रखा पाइप उठाकर पिता पर ही हमला कर दिया। सिर में चोंट लगने पर पिता लहूलुहान हो गये। हमला करने के बाद पुत्र आनंद घर से भाग निकला। परिजन घायल शंकर चौहान को चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उपचार के लिये भर्ती कर मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने पिता के बयान दर्ज कर पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

ठक-ठक गैंग के बदमाश की तलाश में गई पुलिस

उज्जैन। तमिलनाडू के तिरूचिरापल्ली की ठक-ठक गैंग के फरार बदमाश की तलाश में एक टीम तमिलनाडू के लिये गई है। जहां बदमाश की तलाश के साथ गिरफ्त में आये बदमाशों की निशानदेही चोरी के रूपये बरामद करने का प्रयास किया जायेगा। विदित हो कि नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के कॉसमॉस मॉल के पास 30 दिसंबर की शाम बदमाशों ने प्रापर्टी कारोबारी की कार का कांच फोड़कर 20 लाख से भरा बेग उड़ा दिया था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 25 दिनों की तलाश के बाद ठक-ठक गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया था। जिन्हे न्यायालय में पेश करने के बाद 3 को जेल भेज दिया गया था और 4 को रिमांड पर लिया था। जिनसे 4.20 लाख की राशि बरामद की गई थी। शेष राशि फरार बदमाश साथी के पास होना सामने आई थी। गैंग ने नानाखेड़ा के साथ ही महाकाल और माधवनगर थाना क्षेत्र में भी कारों के कांच फोड़कर महाकाल दर्शन करने आये श्रद्धालुओं के बेग उड़ाये थे। नानाखेड़ा पर हुई वारदात की रिकवरी होने के बाद दोनों थानों की पुलिस बदमाशों को प्रोटेक्शन रिमांड पर ले सकती है।

पति से प्रताड़ित होकर पत्नी ने खाया था जहरीला पदार्थ

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

देवासगेट बस स्टेंड परिसर में 49 दिन पहले जहरीला पदार्थ खाकर मौत को गले लगाने वाली महिला के मामले में पुलिस ने पति को गिरफ्तार किया है। जिसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

देवासगेट थाना एसआई राधेश्याम आवंलिया ने बताया कि 10 दिसंबर 2025 को देवासगेट बस स्टेंड परिसर में कोमल पति मुकेश पारदी ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिसे चरक अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उसकी मौत हो गई थी। मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया और जांच शुरू की गई। इस दौरान सामने आया कि कोमल अपने पति और तीन बच्चों के साथ नजरअली मिल कम्पाउंड में बनी झोपडी में रहती थी। उसका विवाह 15 साल पहले देपालपुर के ग्राम खड़ी में रहने वाले मुकेश से हुआ था। मुकेश शराब पीने का आदी था और आये दिन पत्नी कोमल को रूपयों के लिये प्रताड़ित करता था। उसके द्वारा मारपीट की जाती थी। जिसके चलते कोमल काफी प्रताड़ित हो गई थी।

फेसबुक फ्रेंड ने एप डाउनलोड कराकर ठगे 2.20 लाख

युवक हुआ सायबर ठगी का शिकार, पुलिस को दर्ज कराई शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

फेसबुक पर आई युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट युवक का भारी पड़ गई। युवती ने पहले प्रेमजाल में फंसाया और फिर एप्प डाउनलोड कराकर मुनाफे का लालच दिया। युवक के साथ 2.20 लाख की ठगी हुई तो उसने पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज कराकर युवती पर कार्रवाई की बात कहीं है।

बिरलाग्राम थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि ग्राम मेहतवास स्थित अम्बे कालोनी में रहने वाले अभिशेष पिता सतीश गुप्ता ने शिकायती आवेदन देकर अपने साथ 2 लाख 20 हजार 737 रूपये की ऑनलाइन ठगी होने की शिकायत दर्ज कराई है। अभिशेष के अनुसार अगस्त माह में उसके पास जानवी मल्होत्रा निवासी बैंगलूर की फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। जिसे एक्सेप करने के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। कुछ दिनों बाद जानवी ने शेयर मार्केट में पैसा लगाने और काफी मुनाफा होने की बात कहीं। उसने कपितमाल नाम का एप्प डाउनलोड करने का कहा। एप डाउनलोड करने पर उसने पहले 20 हजार रूपये लगाये। 3-4 दिनों में अच्छा मुनाफ मिला। 2 माह तक पैसे लगाने पर उससे मुनाफा मिलता रहा। नवम्बर-दिसंबर माह में उसने 2.20 लाख रूपये शेयर मार्केट के एप में इंवेस्ट किये, लेकिन कुछ दिनों बाद राशि विड्राल नहीं हुई। अब उसका अकाउंट बंद कर दिया गया है। थाना प्रभारी के अनुसार अभिशेष ने उक्त युवती का नम्बर उपलब्ध कराया है, जिस पर कुछ महिनों से बात कर रहा था। उक्त नम्बर भी बंद आ रहा है। शिकायत पर जांच शुरू की गई है। युवक द्वारा ऑनलाइन 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

जागरूकता के बाद भी ठगा रहे लोग

सायबर ठगों द्वारा की जा रही ऑनलाइन ठगी को लेकर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है और लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। बावजूद लोग ठगों के जाल में फंस रहे है। ठगों द्वारा कभी डिजीटल अरेस्ट का भय दिखाया जाता है तो भी बैंक अधिकारी बनकर ठगी की जाती है। यहीं नहीं शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर एप्प डाउनलोड कराकर खाता साफ कर दिया जाता है। ठगों द्वारा हर बार नया तरीका अपनाया जा रहा है, जिससे बचने का सबसे बड़ा हथियार जागरूकता ही है।

जानवी के फोटो देख हुआ प्रभावित

बताया जा रहा है कि फ्रेंड रिक्वेस्ट मिलने के बाद अभिशेष जानवी के फोटो देख काफी प्रभावित हो गया था। पहले फेसबुक पर बातचीत शुरू हुई उसके बाद मोबाइल नम्बर मिलने पर चर्चा का दौर शुरू हो गया। जानवी ने फेसबुक पर अपने काफी इस्टाईलिस फोटो पोस्ट करे थे। जबकि अभिशेष गुप्ता पहले से शादीशुदा है। जानकारी यह भी सामने आई है कि उसका कुछ माह पहले पत्नी से विवाद भी हुआ था, पत्नी ने आत्महत्या का प्रयास भी किया था।

जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस से आभूषणों से भरा बेग चोरी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

ट्रेनों में यात्रियों के साथ होने वाली वारदातों में एक बार फिर भोपाल से उज्जैन की यात्रा कर रही महिला का आभूषणों से भरा बेग चोरी होना सामने आया है। जीआरपी ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच के लिये भोपाल भेजा है।

भोपाल के चांदवाड़ी में रहने वाली पूजा पति शुभम ठाकुर भाई विशाल और राजेश के साथ जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस के जनरल कोच से उज्जैन की यात्रा कर रही थी। भोपाल से ट्रेन रवाना होने के बाद भीड़ के बीच कोच से पूजा का बेग अज्ञात बदमाशों ने चोरी कर लिया। जिसमें सोने-चांदी के आभूषण रखे हुए थे। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर पूजा ने मामले की शिकायत जीआरपी थाने पहुंचकर दर्ज कराई। वारदात भोपाल के आसपास होने पर जीआरपी ने जीरों पर कायमी कर जांच के लिये भोपाल जीआरपी को भेजी है। पूजा ठाकुर के साथ हुई वारदात के साथ ही 2 महिला यात्रियों के साथ भी चोरी का मामला जीआरपी के पास पहुंचा है। जीआरपी के अनुसार अयोध्या कर रहने वाली श्वेता खत्री का बेग चोरी हुआ है। जिसमें नगदी सहित 50 हजार का सामान रखा हुआ था।

श्वेता महाकाल दर्शन करने उज्जैन आ रही थी। दूसरी महिला यात्री दीक्षा परिहार ने शिकायत दर्ज कराई कि उसका मोबाइल सोमनाथ एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान चोरी हुआ है। ट्रेन कालीसिंध से उज्जैन के लिये रवाना हुई थी, तभी अज्ञात बदमाश मोबाइल चुराकर ले गया। पिछले 2-3 सालों से उज्जैन आने वाली देशभर की ट्रेनों में यात्रियों के साथ होने वाली वारदातों का ग्राफ काफी बढ़ गया है। महाकाल लोक बनने के बाद से धार्मिक नगरी में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु आ रहे है। अधिकांश यात्री ट्रेनों का सफर कर रहे है, जिसके चलते भीड़ बढ़ गई है। इसी बात का फायदा बदमाशों द्वारा यात्रियों के साथ उठाया जा रहा है।

नलिया बाखल में जन सहयोग से लगाये जायेगें कैमरे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

महाकाल मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग नलिया बाखल में मोहल्ला समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जन सहयोग से कैमरे लगाने पर सहमति बनी है। बैठक के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि आगामी दिनों में महाशिवरात्री का पर्व है। वहीं मुस्लिम समुदाय के पवित्र रमजान पर्व की शुरूआत होने वाली है। जिसको लेकर सीएसपी राहुल देशमुख के साथ पुलिस टीम द्वारा मोहल्ला समिति की बैठक आयोजित की गई थी। नालिया बाखल में आयोजित समिति की बैठक में कालोनीवासी के साथ कालोनी प्रतिनिधि शामिल हुए है। इस दौरान बाहर से आने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके, इसको लेकर चर्चा की गई और क्षेत्र की यातायात व्यवस्था का सुधारने के लिये दुकानदारों से संपर्क किया गया। पुलिस की ओर से व्यवस्था और सुरक्षा के पूरे प्रयास किये गये और क्षेत्रवासियों से सुझाव प्राप्त किये गये। इस दौरान तय हुआ कि जन सहयोग से क्षेत्र के मार्गो पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेगें। नागरिकों ने सुझाव दिया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालु गलियों से होकर मंदिर की ओर जाते है, इस दौरान रास्ता भूल जाते है। यहां पर संकेतक बोर्ड लगाये जाये, ताकि मंदिर की ओर जाने और वापस लौटने के मार्ग की जानकारी मिल सके। जिस पर पुलिस ने संकेतक बोर्ड लगाने की बात कहीं है।

पश्चिम रेलवे – दाहोद

असेंबली तथा बायरिंग एवं पावर केबल से केबलिंग कार्य

निविदा सूचना : M247GLRSCABLING252634. **दिनांक :** 27/01/2026. **कार्य का नाम :** इलेक्ट्रिक लोको में पेनल की असेंबली तथा बायरिंग एवं पावर केबल से केबलिंग कार्य, **स्थान :** मु.का.पु. /दाहोद प. रेलवे कार्यालय। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹51,67,873.60/–, **बयाना राशि :** ₹1,03,400/–, **ई–निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समय :** ई–निविदा जमा करने की नियत दिनांक तथा समय **17.02.2026** को 14:30 बजे तक तथा ई– निविदा उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी। **निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता :** www.ireps.gov.in/ E-Tenders/works /IR Electrical.

वरिष्ठ बिजली इंजीनियर (कार्य) रोलिंग स्टाक कारखाना दाहोद, पश्चिम रेलवे

SNP-430

हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम

टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और उन्नयन में सिविल कार्य

संख्या : W/623/5/1/NIT. दिनांक : 27.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक/मंडल कार्यालय (कार्य–लेखाशाखा) पश्चिम रेलवे, रतलाम, के लिये "खुली निविदा" ई–निविदा के माध्यम से वेबसाईट : www.ireps.gov.in पर आमंत्रित करते हैं। विवरण इस प्रकार है। **ई–टेंडरिंग :** RTM-2025-26-183, **कार्य का नाम :** रतलाम – डीआरएम कार्यालय परिसर में एमपीएलएस एनओसी के साथ टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, उन्नयन और टेलीकॉम गियर्स को बदलकर विश्वसनीयता सुधार। **अनुमानित मात्रा :** निविदा सूची के अनुसार, **अनुमानित लागत :** ₹1,28,78,069.28/–, **बयाना राशि :** ₹2,14,400/–, **कार्य समापन अवधि :** 10 महीने, **इसी प्रकार के कार्य :** किसी भी भवन का निर्माण कार्य, **वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि :** 27.01.2026, **निविदा खुलने की तिथि :** 20.02.2026, • विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्ते एवं अन्य शर्तें वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्यलेखा) रतलाम पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल

SNP-432

हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने कृषि भूमि विक्रेतागण 01 फिरोज खा पिता रशीद खाँ निवासी 28 कोट मोहल्ला उज्जैन 02 रेहान शेख पिता अब्दुल हफीज निवासी नलिया बाखल शफी की मस्जिद के पास उज्जैन से उनके स्वामित्व एव अधिपत्य की कृषि भूमि /खुली भूमि सर्वे नंबर 426, रकबा 0.9200 हेक्टेयर, सर्वे नंबर 427 रकबा 0.0630 हेक्टेयर, भूमि सर्वे नंबर 432 रकबा 0.2720, भूमि सर्वे नबर 432/696 रकबा 0.4490 व भूमि सर्वे नंबर 433 का भाग रकबा 0.3300 हेक्टेयर कुल किता 05 कुल रकबा 2.0340 हेक्टेयर स्थित ग्राम मोहनपुरा तहसील व जिला उज्जैन को कय करने का करार करते हुवे सौदा चिट्ठी का निष्पादन करवा लिया गया है यदि उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के विकय को लेकर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, सोसायटी, साहूकार आदि को किसी भी प्रकार की कोई उज्ज आपत्ति हो या किसी भी प्रकार का कोई अन्य क्लेम आदि हो तो ऐसी उज्ज आपत्ति इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर मय लेखी प्रमाण के मुझे मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करके उसका उचित निराकरण करवा लेवें। बाद गुजरने मियाद के मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त कृषि भूमि के विक्रय-पत्र का निष्पादन करवा लेवेगे और तत्पश्चात किसी भी प्रकार की कोई उर्ज आपत्ति मान्य नही की जावेगी' सूचित हो। इति दिनांक :- 29.01.2026

जी.एच. शेख, हाईकोर्ट एडव्होकेट,
जी.एफ. शेख, (सर्विस प्रोवाईडर)
123, बेगम बाग चौराहा मस्जिंद जामा-ए-षकेब के पास उज्जैन
मो.नं.-9300647361,9303040316 8103674189,

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने कृषि भूमि विक्रेतागण 01 स्वालेहा बी पति मोहम्मद सलीम 02 शेख अवेश पिता मोहम्मद सलीम निवासीगण कार्तिक चोक बाड़ी 13, विश्वकर्मा गौड़ समाज धर्मशाला पानदरीबा उज्जैन से उनके स्वामित्व एव अधिपत्य की कृषि भूमि /खुली भूमि सर्वे नंबर 364/1, रकबा 0.8880 हेक्टेयर, सर्वे नंबर 364/2 रकबा 0.520 हेक्टेयर कुल किता 02 कुल रकबा 0.9400 हेक्टेयर व भूमि सर्वे नंबर 428 रकबा 0.4910, सर्वे नंबर 430 रकबा 0.0840, सर्वे नबर 431 रकबा 0.4180 हेक्टेयर कुल किता 03 कुल रकबा 0.9930 हेक्टेयर स्थित मोहनपुरा तहसील व जिला उज्जैन को कय करने का करार करते हुवे सौदा चिट्ठी का निष्पादन करवा लिया गया है यदि उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के विक्रय को लेकर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, सोसायटी, साहूकार आदि को किसी भी प्रकार की कोई उज आपत्ति हो या किसी भी प्रकार का कोई अन्य क्लेम आदि हो तो ऐसी उज आपत्ति इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर मय लेखी प्रमाण के मुझे मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करके उसका उचित निराकरण करवा लेवें। बाद गुजरने मियाद के मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त कृषि भूमि के विक्रय-पत्र का निष्पादन करवा लेवेगे और तत्पश्चात किसी भी प्रकार की कोई उज आपत्ति मान्य नही की जावेगी। सूचित हो। इति दिनांक :- 29.01.2026

जी.एच. शेख, हाईकोर्ट एडव्होकेट,
जी.एफ. शेख, (सर्विस प्रोवाईडर)
123, बेगम बाग चौराहा मस्जिंद जामा-ए-षकेब के पास उज्जैन
मो.नं.-9300647361,9303040316 8103674189,

जाहिर सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मैरे पक्षकार ने भूमि स्वामी 1- देवकरण पिता लालजी 2-दशरथ पिता कालूराम जी 3- कमल पिता कालूराम जी 4- गौरूलाल पिता लक्ष्मीनारायण जी 5-आनन्दीलाल पिता लक्ष्मीनारायण 6- सुगनबाई बैवा लक्ष्मीनारायण जी 7- सोदराबाई पिता लक्ष्मीनारायण जी 8- लाडकुंवर बाई पिता लक्ष्मीनारायण जी 9- भैरूलाल पिता दयारामजी निवासीगण कृषक ग्राम बैलाखेडा तहसील महिदपुर जिला उज्जैन म०प्र० के नाम से भूमि सर्वे नम्बर 41/1 रकबा 0.43 हैक्टर व सर्वे नम्बर 44/2 रकबा 0.44 हेक्टर, सर्वे नम्बर 59 रकबा 0.45 हैक्टर, सर्वे नम्बर 46/1 रकबा 0.30 हैक्टर, सर्वे नम्बर 45/1 रकबा 1.10 हैक्टर मे से रकबा 0.64 हैक्टर कुल किता 05 कुल विक्रीत रकबा 2.26 हैक्टर भूमि स्थित ग्राम बैलाखेडा पटवारी हल्का बैलाखेडा तहसील महिदपुर जिला उज्जैन म०प्र० में उक्त भूमि का विक्रय अनुबंध पत्र/सौदा चिट्ठी संपादित करवा कर बयाना राशि भी मैरे पक्षकार से प्राप्त कर ली है। यह कि, उपरोक्त भूमि के सौदे में हम दोनो पक्षो का किसी कारणवश सौदा निरस्त हो गया है जिस कारण भूमि क्रय/विक्रय में हमारा जो भी लेन-देन आदि था वह आज दिनांक 29/01/2026 को हो गया है। अब हमारा किसी प्रकार का कोई लेन देन बकाया नही रहा है। और न ही हमारे द्वारा भवष्यि में उपरोक्त भूमि को लेकर कोई दावा आपत्ति की जावेगी। जिसमें हम दोनो पक्ष सहमत है। सुचित हो- दिनांक 29-01-2026

रितिक वर्मा
सर्विस प्रोवाइडर, उप पंजीयक कार्यालय घटिटया
मो.नं.-9993988226

जाहिर सूचना का प्रतिवाद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्री नानकसिंह पिता सिंह, निवासी-193, नागझिरी, देवास रोड़ उज्जैन की और से दिनांक 30.12.25 को अवंतिका समाचार पत्र में प्रकाशित जाहिर सूचना द्वारा राजकुमार प्रजापत एडव्होकेट तिवाद निम्नानुसार करते हैं कि उक्त जाहिर सूचना में श्रीमती मायाबाई पति संह ने वर्णित सर्वे क्रमांकों की भूमियों को किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने बाबत सूचना का प्रकाशन करवाया है जबकि उक्त समस्त कृषि भूमि के संबंध में स्व. बाल जी ने अपने जीवनकाल में ही श्रीमती मायाबाई व उसके पति अंतरसिंह द्वारा उक्त फर्जी व कूटरचित दस्तावेज बनाकर नामांतरण करवा लिया था व स्व. मांगीलाल जी नामांतरण की अपील कर निरस्त करवा दिया है तथा वर्तमान में उनका ही नाम व अभिलेखों में बहैसियत भूस्वामी दर्ज है व इसी के साथ उनके द्वारा एक दिवानी वाद -10ए/2015 माननीय एकादश व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 (श्रीमती प्रियंका सोलंकी) न के न्यायालय में प्रस्तुत कर मायाबाई व अंतरसिंह द्वारा बनाये गये फर्जी विक्रयपत्र नरस्त किये जाने हेतु वाद लंबित है व इस वाद में मेरे पक्षकार को स्व. मांगीलाल जी रिसान एवं उक्त भूमि के किये गये वसीयतनामे के आधार पर पक्षकार के रूप में कोय न्यायालय द्वारा संयोजित भी किया गया है इसलिए सर्व साधारण को सूचित किया है कि, उक्त जाहिर सूचना में प्रकाशित भूमि सर्वे नंबरों के संबंध में उक्त मायाबाई या सिंह से किसी भी प्रकार का विक्रय या अन्य संव्यवहार सम्पादित ना करें अन्यथा उसके खर्च व परिणामों का उत्तरदायित्व संबंधित व्यक्ति का होगा। अतः सूचित हो।
दिनांक- 29.01.2026

श्रवण कुमार शर्मा, एड.
वेंकटेश शर्मा, अधिवक्ता
101. प्रथम मंजिल, गुरूकृपा रेसीडेंसी, दरगाह मण्डी,
पेट्रोल पंप के पास, आगर रोड़ उज्जैन (म.प्र)
98262-77233, 8602549005

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार एच.डी.एफ.सी.बैंक हाउस 94, तल मंजिल रिंग रोड सेक्टर बी बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे इंदौर म.प्र. की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भवन म्यु. क्रमांक 150/4 स्थित हेबतराव मार्ग (पुराना राजवाड़ा देवास जुनियर आउटर) तहसील व जिला देवास (म.प्र.) में स्थित है। जिसका कुलक्षेत्रफल 1100 वर्गफीट है। जिसके पूर्व मे- सरकारी सड़क, पश्चिम मे- प्रस्तावित सड़क, उत्तर मे- भाग समरथमल जैन का, दक्षिण मे- भाग मनोहरलाल का स्थित है। उक्त सम्पत्ति शेखर जैन पिता समरथमल जैन को पैतृक सम्पत्ति के रूप में उत्तराधिकार में प्राप्त हुई थी एवं उक्त आधार पर शेखर जैन अपना नामान्तरण कार्यालय नगर पालिक निगम देवास में प्रकरण क्रमांक ULB-PT0405 जावक क्रमांक 1138 दिनांक 31/03/2025 के माध्यम से दर्ज करवाया गया एवं सम्पत्ति के वर्तमान स्वामी ने उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक इंदौर में आवेदन किया है तथा मेरी पक्षकार संस्था उक्त सम्पत्ति को बंधक कर ऋण प्रदान करने जा रहे हैं अतः सूचित किया जाता हैं कि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई ऋणभार हो या लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो या कोई विवाद हो या परिवार के किसी सदस्य को आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर एच.डी.एफ.सी. बैंक इंदौर द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार एच.डी.एफ.सी. बैंक इंदौर का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक 87/3 तुलसी कॉम्पलेक्स
विक्रम मार्ग टॉवर चैराहा फ्रीगंज, उज्जैन
मोबाइल न. 9301860352

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार एच.डी.एफ.सी.बैंक हाउस 94, तल मंजिल रिंग रोड सेक्टर बी बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे इंदौर म.प्र. की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भवन म्यु. क्रमांक 100 स्थित हेबतराव मार्ग (पुराना राजवाड़ा देवास जुनियर आउटर) तहसील व जिला देवास (म.प्र.) में स्थित है। जिसका कुलक्षेत्रफल 1040 वर्गफीट है। जिसके पूर्व मे- सरकारी सड़क, पश्चिम मे- प्रस्तावित सड़क, उत्तर मे- राजवाड़ा मेन गेट सड़क, दक्षिण मे- भाग श्रीमति शिरोमणि बाई का स्थित है। उक्त सम्पत्ति शेखर जैन पिता समरथमल जैन को पैतृक सम्पत्ति के रूप में उत्तराधिकार में प्राप्त हुई थी एवं उक्त आधार पर शेखर जैन अपना नामान्तरण कार्यालय नगर पालिक निगम देवास में प्रकरण क्रमांक न्स्ठ.च्ज्0406 जावक क्रमांक 1139 दिनांक 31/03/2025 के माध्यम से दर्ज करवाया गया एवं सम्पत्ति के वर्तमान स्वामी ने उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु एच.डी.एफ.सी.बैंक इंदौर में आवेदन किया है तथा मेरी पक्षकार संस्था उक्त सम्पत्ति को बंधक कर ऋण प्रदान करने जा रहे हैं अतः सूचित किया जाता हैं कि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई ऋणभार हो या लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो या कोई विवाद हो या परिवार के किसी सदस्य को आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेंरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर एच.डी.एफ.सी.बैंक इंदौर द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार एच.डी.एफ.सी.बैंक इंदौर का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक 87/3 तुलसी कॉम्पलेक्स
विक्रम मार्ग टॉवर चैराहा फ्रीगंज, उज्जैन
मोबाइल न. 9301860352

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

पे एंड यूज टॉयलेट्स के लिए ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक – रतलाम मंडल – पश्चिम रेलवे ने देवास (प्लेटफोर्म), नागदा (सर्कुलेटिंग एरिया), देवास (सर्कुलेटिंग एरिया), नागदा (प्लेटफोर्म), खाचरोद एवं मेघनगर रेलवे स्टेशन स्थित पे एंड यूज़ टॉयलेट्स के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **IREPS** वेबसाईट (ई–ऑक्शन) पर प्रकाशित किया गया है। **केटलॉग सं. :** PnU-RTM-26-01 **अनुबंध का प्रकार :** पे एंड यूज़ टॉयलेट्स **लॉट नं. :** 1) PnU-RTM-DWX-Toi-33-24-1 (Pay and Use Toilets) 2) PnU-RTM-NAD-Toi-10-22-1 (Pay and Use Toilets) 3) PnU-RTM-DWX-Toi-46-25-1 (Pay and Use Toilets) 4) PnU-RTM-NAD-Toi-37-24-1 (Pay and Use Toilets) 5) PnU-RTM-KUH-Toi-38-25-1 (Pay and Use Toilets) 6) PnU-RTM-MGN-Toi-36-24-2 (Pay and Use Toilets). **अनुबंध की अवधि :** 03 वर्ष, ई– नीलामी की तिथि और समय लॉट के लिए ई–नीलामी **दिनांक 16/02/2026 को 11:00 बजे प्रारंभ होगी।** प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट **IREPS** के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-433

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

पे एंड यूज़ और नॉन फेयर रेवन्यू (NFR) के लिए ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक – रतलाम मंडल – पश्चिम रेलवे ने नॉन फेयर रेवन्यू (NFR) के माध्यम से ई–नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **www.ireps.gov.in** के (ई–ऑक्शन लीजिंग) पर प्रकाशित किया गया है। विवरण निम्न प्रकार से है। **ऑक्शन केटलॉग सं. :** क्र. सं. (1) PnU-RTM-WR-26-1, क्र. सं. (2) ADVT-OOH-26-52, **अनुबंध का प्रकार :** क्र. सं. (1) पे एंड यूज़, क्र. सं. (2) नॉन फेयर रेवन्यू (NFR) **लॉट नं. :** क्र. सं. (1) (i) PnU-RTM-RTM-WRL-52-26-1, (Pay and Use - Lounges/Waiting / Retiring /Cloak Rooms), (ii) PnU-RTM-RTM-WRL-51-26-1, (Pay and Use - Lounges/Waiting / Retiring /Cloak Rooms), क्र. सं. (2) (i) ADVT-RTM-RJQ-OH-165-26-1, (Advertising - Out of Home), (ii) ADVT-RTM-INDB-OH-166-26-1, (Advertising - Out of Home), (iii) ADVT-RTM-RAU-OH-167-26-1, (Advertising - Out of Home), **अनुबंध की अवधि :** क्र. सं. (1) 05 वर्ष, क्र. सं. (2) 10 वर्ष, **ई–नीलामी की तिथि :** क्र. सं. (1) 12.02.2026 क्र. सं. (2) 13.02.2026 **समय :** क्र. सं. (1 और 2 के लिए) प्रातः 11:00 बजे। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज़ समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-434

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

बुद्ध खेल देखते रहे

बुद्ध एक नदी के किनारे से गुजर रहे हैं। कुछ बच्चे खेल रहे हैं। बुद्ध रुककर उन्हें देखने लग जाते हैं। बच्चों ने रेत के घर बनाए हैं। वे लड़ रहे हैं आपस में। कोई कहता है, यह मेरा है। दूसरा कहता है, यह तेरा है, तो दूर रख। अपने मकान को मेरे मकान के करीब मत ला। अपने-अपने रेत के मकान की चारों ओर उन्होंने रेखाएं खींच रखी हैं कि यह मेरा आंगन है, यह मेरा बगीचा है, यह मेरी सीमा है; इसके भीतर कोई न आए। फिर भी बच्चे तो बच्चे हैं। एक बच्चे का पैर किसी के मकान पर पड़ गया, तो वह उसकी छाती पर चढ़ बैठा और उसने बाकी को भी पुकारा- भाइयो, तुम भी आओ और इसको दुरुस्त करो, इसको राह पर लाओ। बाकी भी आ गए। न्याय का सवाल है। फिर उन्हें अपना मकान भी बचाना था। सबने मिलकर उस लड़के की खूब मरम्मत की। सांझ हो गई, तो किसी ने जोर से आवाज दी, बच्चो, अब घर चलो, तुम्हारी माताएं राह देख रही हैं। बच्चों ने देखा कि सूरज ढल गया है। वे खेल में इतने तल्लीन हो गए थे कि भूल ही गए थे कि अब घर लौटने का वक्त आ गया। बुद्ध चुपचाप बच्चों के खेल को देखते रहे। वे बच्चे, जो थोड़ी देर पहले लड़ रहे थे, एक-दूसरे से अपने-अपने मकान की रक्षा कर रहे थे, जिन्होंने एक बच्चे की कुटाई कर दी थी, वे खुद अपने मकानों पर कूदने लगे। उन्होंने अपने मकान खुद ही गिरा दिए। खूब हुल्लड़ मचाया और जब सब मकान गिर गए, सारी दीवारें गिर गईं, सब सीमाएं असीम में खोकर एक हो गईं, तब सब अपने-अपने घर की तरफ भागे। मां की याद आ गई। अब घर जाना है, सांझ हो गई है। बुद्ध ने दूसरे दिन अपने भिक्षुओं से कहा- ठीक ऐसा ही संसार है। रेत के घर-सा। मेरा-तेरा, बड़ी लड़ाई, बड़ी कलह, बड़ा द्वेष, बड़ी ईर्ष्या, बड़े संघर्ष, युद्ध, अदालतें और फिर एक दिन सांझ हो आती है। सूरज ढल जाता है, मौत आ जाती है। घर से खबर आती है और फिर जाना पड़ता है। सब यहीं पड़ा रह जाता है। रेत के घर रेत में ही पड़े रह जाते हैं। तो जीवन को एक खेल से अधिक न जानो। खेल की तरह इस जीवन को खेला, तो पूरा आकाश तुम्हारा है। इसके प्रति गंभीर हुए कि स्वयं को खुद ही बंधनों में बांध लिया। जिस दिन यह समझ में आ जाएगा कि हमारा जीवन सिर्फ एक खेल है, सारा तनाव समाप्त हो जाएगा। फिर खेल में पूरा मजा आएगा। अफसोस! हम सब ऐसे पागल हैं कि खेल में भी तनाव बना लेते हैं। तुमने देखा, दो आदमी ताश खेल रहे हों, तो कैसा सिर भारी कर लेते हैं, लड़ने-मारने को उतारू हो जाते हैं? लोग खेल में इतनी गंभीरता ले लेते हैं और साधक वही है, जो गंभीरता को भी खेल में ले।

सम्पादकीय

अजित पवार का जाना

बारामती के पास एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार का आकस्मिक निधन सिर्फ एक परिवार की क्षति नहीं है, यह एक ऐसी क्षति है, जिससे महाराष्ट्र की राजनीति में उपजे शून्य की भरपायी आसान नहीं होगी। 66 वर्षीय दादा का जाना उस समय हुआ, जब महाराष्ट्र में त्रिशंकु राजनीति आकार ले रही थी। सच कहें, तो एक नए प्रायोगिक दौर से गुजर रही थी। अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में जमीन से जुड़े कुशल प्रशासक के रूप में पहचाना जाता था। कई बार सुबह छह बजे मंत्रालय पहुंचकर काम शुरू कर देने की उनकी शैली और कड़क मिजाज ने राज्य के नौकरशाहों व जनता के बीच उनकी डिलीवरी मैन की छवि मजबूत बनाई थी। वह शरद पवार के भतीजे जरूर थे, पर उन्होंने अपनी खुद की सियासी सल्तनत खड़ी की थी। सिंचाई से लेकर वित्त मंत्रालय तक, उनका अनुभव राज्य के बजट और बुनियादी ढांचे पर अमिट छाप छोड़ गया है। महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी पहचान उस धुरी की थी, जिसके इर्द-गिर्द पिछले ढाई दशकों के सत्ता समीकरण घूमते रहे।

अजित पवार की असामयिक मृत्यु के कई सशंकित निहितार्थ हैं। उनके निधन के बाद सबसे बड़ा सवाल उनकी पार्टी एनसीपी के नेतृत्व को लेकर है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार पार्टी की कमान संभालेंगी, ताकि पवार नाम की विरासत बनी रहे या उनके बेटे पार्थ पवार को आगे लाया जाएगा या फिर कोई अन्य? उधर महायुति सरकार की अपनी चिंताएं हैं। अजित पवार वर्तमान भाजपा-शिंदे गठबंधन (महायुति) के एक मजबूत स्तंभ थे। वह इस गठबंधन के भीतर एक संतुलनकारी शक्ति भी थे। उनके जाने से गठबंधन की रणनीति पर असर पड़ेगा। भाजपा के लिए अजित पवार एक ऐसे सेतु थे, जो मराठा राजनीति और सहकारी क्षेत्र को साथ लेकर चलते थे। उनके बिना गठबंधन के भीतर शक्ति संतुलन को बनाए रखना एक जटिल काम होगा। खास तौर से उस समय, जब प्रतिद्वंद्वी महाविकास अघाड़ी किसी अवसर की तलाश में हो। यह दुर्घटना भारत में विमानन सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करती है। ऐसे समय में, जब देश में हवाई सेवाओं के विस्तार का काम जोरों पर है और नई विमानन कंपनियां उड़ान अनुमति के लिए प्रतिस्पर्द्धा कर रही हैं, यह दुर्घटना एक चेतावनी की तरह है। इस हादसे के संदर्भ में हम यह कहकर संतोष भले कर लें कि विजिबिलिटी पर हमारा कोई वश नहीं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मानकों के पास इसके भी किंचित जवाब हैं।

शहीद दिवस (गांधीजी की पुण्यतिथि) 30 जनवरी पर विशेष

गांधी की हत्या, सच की हत्या और स्मृति की राजनीति

30 जनवरी गांधी निर्वाण दिवस के अवसर परएक पुस्तक की चर्चा करना आवश्यक है। यह आवश्यकता इसलिए है क्योंकि महात्मा गांधी की हत्या को आज हत्या के रूप में स्वीकार ही नहीं किया जा रहा। पूरे हत्याकांड को अत्यंत हल्के शब्दों में यह कहकर टाल दिया जाता है कि जिसने यह जघन्य अपराध किया, वह व्यक्ति क्षणिक आवेश में आकर ऐसा कर बैठा।

प्रक्षाली देसाई
(दैनिक अवन्तिका)

इतिहास के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर नई पीढ़ी के सामने इस प्रकार प्रस्तुत किया जा रहा है कि अंततः हत्या का शिकार ही दोषी ठहरा दिया जाए। पूज्य बापू के प्रति नफरत फैले, उनके विचारों की धरोहर धीरे-धीरे समाप्त कर दी जाए और मोहनदास करमचंद गांधी को देश के विभाजन का दोषी तथा किसी विशेष समुदाय का तुष्टीकरण करने वाला व्यक्ति सिद्ध किया जाए। इस प्रक्रिया के माध्यम से जनमानस का ब्रेनवॉश हो और नफरत की राजनीति निरंतर चलती रहे। धर्म के नाम पर राजनीति करते हुए एक सड़ी-गली ब्राह्मणवादी मानसिकता को पोषित किया जाए और अंततः समाज एक तानाशाह की जी-हजूरी करने लगे।

पूज्य बापू के वंशज तुषार गांधी द्वारा लिखित पुस्तक "Let's Kill Gandhi" इसी पृष्ठभूमि में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यह पुस्तक अब तक अंग्रेजी और मराठी में उपलब्ध थी। कुछ समय पूर्व इसका गुजराती अनुवाद शीर्षक से प्रकाशित हुआ है, जिसे गुजरात के श्री केयूर कोटक ने प्रकाशित किया।

प्रकाशन के अवसर पर तुषार गांधी ने गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुस्तक सबसे पहले गुजराती भाषा में आनी चाहिए थी, परंतु गुजरात के किसी भी प्रकाशक ने इसे प्रकाशित करने का साहस नहीं दिखाया। प्रारंभ में सकारात्मक उत्तर दिए गए, किंतु बाद में प्रकाशन टाल दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे गांधी हत्या और नाथूराम गोडसे पर चले मुकदमों से संबंधित दस्तावेज खोजने के लिए सरकारी अभिलेखागार पहुँचे, तो उन्हें किस प्रकार की कठिनाइयों और अवरोधों का सामना करना पड़ा। यह पुस्तक गांधीजी की हत्या के षड्यंत्र, उससे जुड़े भ्रमों और वर्षों तक दबाए गए सत्यों का तथ्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करती है। हत्या को एक व्यक्ति की वैचारिक असहमति और तात्कालिक क्रिया के रूप में प्रस्तुत करना एक भयावह झूठ है। ऐसा झूठ समाज को किस दिशा में ले जाएगा, यह प्रश्न गंभीर है। सच के पक्ष में खड़े होने और प्रश्न उठाने का साहस ही समाज को मजबूत बना सकता है। यही इस आलेख का उद्देश्य है।

गांधीजी की हत्या सत्य, अहिंसा और नैतिक राजनीति पर किया गया एक संगठित हमला थी। यह पुस्तक उस असहज सत्य को सामने लाने का साहस करती है, जिसे दशकों तक या तो जानबूझकर छिपाया गया या फिर झूठे नैरेटिव के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह पुस्तक वर्षों से स्थापित कथाओं को चुनौती देती है। यह आलेख हत्या के संगठित षड्यंत्र, पुलिस एवं राजनीतिक तंत्र की विफलता तथा कपूर आयोग के निष्कर्षों का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह हत्या भारतीय लोकतंत्र, नैतिक राजनीति और सार्वजनिक स्मृति की दिशा तय करने वाला एक निर्णायक मोड़ थी। समस्या केवल यह नहीं थी कि बापू का देहांत हुआ, बल्कि यह थी कि हत्या के सत्य को नियंत्रित किया गया।

फैलाए गए प्रमुख भ्रम

सबसे बड़ा भ्रम यह है कि यह हत्या एक व्यक्ति की सनक थी। कपूर आयोग (1966-69) स्पष्ट करता है कि यह हत्या पूर्व-नियोजित थी और कई लोगों की जानकारी में थी। आयोग के अनुसार, सावरकर सहित कई व्यक्तियों की भूमिका संदिग्ध थी। आयोग ने कहा कि सभी तथ्य मिलकर एक व्यापक षड्यंत्र की ओर संकेत करते हैं। यह आयोग गांधीजी की हत्या के लगभग 20 वर्ष बाद गठित किया गया था।

आयोग के प्रमुख निष्कर्षों के अनुसार, नाथूराम गोडसे अकेला नहीं था। सावरकर, आप्टे और करकरे के साथ मिलकर एक संगठित साजिश रची गई थी। हत्या से पहले कई बैठकें हुईं, हथियार का चयन किया गया और पलायन की योजना बनाई गई। यह भी पूर्व-निर्धारित किया गया था कि हत्या करने वाला व्यक्ति किस प्रकार का बयान देगा। पहले मुकदमे में साक्ष्यों के अभाव के कारण पूरा सच सामने नहीं आ पाया। इस देरी को भी षड्यंत्र का हिस्सा मानती है। कपूर आयोग ने यह संकेत भी दिया कि गांधीजी को जानबूझकर एक निष्प्रभावी, भावुक और मात्र प्रतीकात्मक व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया। आज की राजनीति में गांधीजी का नाम सुविधा के अनुसार लिया जाता है। उनके नैतिक साहस, तानाशाही-विरोध और सामाजिक न्याय के विचारों को दरकिनार कर अहिंसा को कायरता, सहिष्णुता को तुष्टीकरण और नैतिकता को अव्यावहारिकता कहा गया। यही वही मानसिकता है जिसने कभी गांधीजी को राष्ट्र के लिए खतरा बताया था।

यह पुस्तक एक गंभीर प्रश्न उठाती हैक्या देश गांधीजी की हत्या का पूरा सच जानने के लिए तैयार था? या फिर सत्ता और समाज दोनों को एक सुविधाजनक कहानी चाहिए थी?

प्रारंभिक जाँच में कई सुरागों को आगे नहीं बढ़ाया गया। कुछ गवाहों के बयान बदले गए, कई दस्तावेज घोषित कर दिए गए। कपूर आयोग ने संकेत दिया कि यदि समय पर निष्पक्ष जाँच होती, तो कई चेहरे बेनकाब हो सकते थे। सबसे भयावह तथ्य यह है कि केस से संबंधित दस्तावेज सरकारी अभिलेखागार में जलाकर नष्ट कर दिए गए। यह इतिहास को नियंत्रित करने का प्रयास था, जिसने भविष्य के शोध और आने वाली पीढ़ियों से उत्तर जानने का अधिकार छीन लिया। पुस्तक का केंद्रीय विचार यह भी है कि 30 जनवरी 1948 को बापू का शरीर तो मार दिया गया, लेकिन दशकों तक हत्यारों को वैधता मिलती रही और गांधीजी को केवल औपचारिक श्रद्धांजलियों तक सीमित कर दिया गया। यह वही स्थिति है जहाँ हत्यारे विचारधारा बन जाते हैं और शिकार केवल प्रतिमा रह जाता है। क्या गांधीजी विभाजन के जिम्मेदार थे? पुस्तक इस मिथक का खंडन करती है। वास्तविकता यह है कि गांधीजी अंत तक विभाजन के विरोधी रहे।

क्योंकि इतिहास कभी भी पलट सकता है

आज हम उस गुप्त गलियारे में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ इतिहास पन्नों पर नहीं, बल्कि पतीले के पेंदे में चिपक कर लिखा गया है। आज का विषय है-खिचड़ी। अगर आप समझते हैं कि खिचड़ी सिर्फ बीमार का आहार है, तो आप उसी मुगालते में हैं जिसमें एक नेता अपनी जीत के दावों में होता है। खिचड़ी भारतीय लोकतंत्र का खाद्य संस्करण है-सब कुछ मिला दो, पर अंत में क्या बना, यह चखने वाले की किस्मत पर निर्भर है। दुनिया भर की असंख्य भाषाओं में इस चावल-दाल के वैवाहिक विच्छेद को अलग-अलग नामों से पुकारा गया है, लेकिन इसकी फितरत वही हैः 'खिचड़ी के चार यार-दही, पापड़, घी और अचार।' यह महज भोजन नहीं, एक कूटनीतिक समझौता है जहाँ अनाज और दलहन एक-दूसरे की टाँग खींचते हुए भी एक ही बर्तन में साथ रहने को मजबूर हैं।

मिस्र के पिरामिडों के साये में जब आप टहलेंगे, तो वहां इसे कुशरी के नाम से पुकारा जाता है। अब इसे संयोग कहें या विडंबना, कि जो देश कभी मरे हुए बादशाहों को ममी बनाकर सहेजता था, वही आज चावल, दाल और पास्ता को एक साथ उबालकर एक प्लेट में दफन कर देता है। इसे कैमरे की नजर से देखें तो यह कोई साधारण डिश नहीं, बल्कि रोम और अरब का वह कॉन्ट्रैक्ट है जिसे इतिहासकार भूल गए। लेबनान में इसे मुजदरा कहा गया, जो शायद दुनिया का पहला प्रजातांत्रिक गठबंधन था-प्याज ऊपर से डालो ताकि नीचे की बदइंतजामी छिप जाए। इराक में इसे जादाह, सीरिया में मखलूत और फिलिस्तीन में मुजदरा-ए-बिर्गुल कहते हैं। 'खिचड़ी पकना' हमारे यहाँ षड्यंत्र का प्रतीक है, और सच तो यह है कि जब दुनिया भर की शब्दावली खंगाली जाती है, तो समझ आता है कि खिचड़ी के हाथ पाँव नहीं होते, वह तो बस भूख और लाचारी के बीच का एक मध्यम मार्ग है। चाहे इसे स्पेनिश में अरोज को पोलो की आड़ में मांस के साथ परोसा जाए या वियतनामी चो के रूप में, मूल भाव वही है-सबका साथ, सबका सत्यानाश। ब्रिटिश राज की बात करें तो उन्होंने हमारी खिचड़ी को चुराकर उसे केजरी का नाम दे दिया और उसमें उबले अंडे ठूँस दिए। यह ठीक वैसा ही था जैसे कोई सरकारी फाइल पर लाल फीता बांधकर उसे एक्शन प्लान कह दे। दक्षिण अफ्रीका में इसे केडगिरी का भाई 'यलो राइस' कहा गया, तो स्कॉटलैंड में इसे 'हॉज-पॉज' जैसे शब्दों से नवाजा गया।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 30 जनवरी 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 07:12 सूर्यास्त 18:09
माघ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी
नक्षत्र - आर्द्रा 03:27 उपरांत पुर्नवशु
योग - वैधृति 16:58 उपरांत विष्कुंभ
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मिथुन में रहेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 10 तारिख

मेष- उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

वृषभ- व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

मिथुन- मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएँ। धन लाभ होने की भी संभावना है।

कर्क- बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

सिंह- प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी।

कन्या- आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

तुला- नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा।

वृश्चिक- क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। दूसरों से व्यर्थ में न उलझें।

धनु- प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। पिता से मतभेद हो सकते हैं।

मकर- प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कुंभ- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा।

मीन- जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

बापू भारतीयता की भावना

आज का जो भारत हम देख रहे हैं उसे बनाने में बापू ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, भारतमाता के सच्चे सपूत के हर कार्य से हम प्रेरित है व पूरा देश कृतज्ञ है। ग्राम स्वराज के बारे में आपके विचार की भारत में एक ऐसा पूर्ण प्रजातंत्र होगा जो कि अपनी अहम जरुरतों के लिये पड़ोसी पर निर्भर नहीं होगा और फिर बह्तेरी जरूरतों जिसके लिये दूसरों का सहयोग अनिवार्य हो वह परस्पर सहयोग से काम लेगा। नब्बे के दशक में बापू की महत्वाकांक्षी योजना को सार्थक किया भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने। उनके भागीरथी प्रयासों से पंचायत राज व्यवस्था देश में लागू हुई ।

निर्लेश तिवारी
(दैनिक अवन्तिका)

बापू से वास्तविक प्रेरणा के विषय में विभिन्न कृषि मेलों, फूल-प्रदर्शनी व किसान सम्मेलन में पिता के साथ जाने पर अलग-अलग डाक्यूमेन्ट्री फिल्म (वृत्तचित्र) देखने का सुअवसर प्राप्त हुआ ,तब बापू का मिठी बोली में वातार्लाप सुनकर अभिभूत हुये वही मीठी बोली बोलने का दृढ़ संकल्प भी लिया। अब देशवासियों को इन सभी सफलता व प्रेरणा की कहानियों की मजबूत आधारशिला पर नये भारत के निर्माण में अपने-अपने हिस्से का कार्य व सहयोग करना है । इन्दौर स्थित कस्तूरबाग्राम में जाने का अवसर भी प्राप्त हुआ वहाँ का अनुशासन, खादी का महत्व, शिक्षा व पर्यावरण का सकारात्मकता का वातावरण अभिभूत कर गया वहाँ का गोबर-गैस संयंत्र हेतु प्राकृतिक वेस्ट से उर्जा का निर्माण का सरलतम तरीका परीलक्षित करता था, यह एक प्रेरणास्पद यात्रा रही विशेषकर बापू को समझने के सन्दर्भ में ।एक वृहद क्षेत्र में खेती का भी हिस्सा था। महात्मा गांधी (बापू) को समझने में इस तरह के व्यावहारिक ज्ञान का लाभ मिलता है । मैंने अन्य मित्रों को वहाँ जाने हेतु प्रेरित भी किया। अभी भी वहाँ हिन्दी का महत्व बरकरार है तथा वाचनालय एक खजाने के रूप में पुस्तकों के संग्रह से परिपूर्ण है। प्रदेश को सोया प्रदेश की संज्ञा भी प्राप्त है , सोयाबीन का रिकार्ड उत्पादन कई दशकों से होता आ रहा है व अभी भी यह देश में सोयाबीन उत्पादन के मामले में द्वितीय पायदान पर है। बापू ने सेवाग्राम आश्रम में सोयाबीन को भिगोकर उसका दूध तथा दही बनाया हालांकि उसकी तीव्र गंध उपयोग में बाधा डालती थी परन्तु अब तो सोयाबीन से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बन रहे हैं, सोया प्रोटीन कई दवा कंपनी का प्रमुख उत्पाद है और यहां तक कि सोया डी ऑइल्ड केक भी बहुउपयोगी है यह सब बापू के सपनों साकार होने के समान है। विभिन्न संस्थानों में समय प्रबन्धन का प्रशिक्षण व कार्यशालाऐं आयोजित की जाती ,वही बापू स्वयं एक पाठशाला थे, उन्हें गिलट की घड़ी का गुलाम भी कहा जाता था क्योंकि प्रार्थना, व्यायाम, सभी कार्यों में वे समय के पाबन्द थे। वे हमें प्रेरित करते हैं और हम अपने संस्थानों में समय से पूर्व पहुंचते हैं।आपकी प्रिय पोषाख खादी वस्त्र भी अब युवाओं में प्रचलन में है, यह हमें देश से जुड़े होने का अहसास करवाती है । गांधीजी स्वास्थ्य एवं व्यायाम को भी महत्व देते थे यह बात कई जगह प्रकाशित की जा चुकी है मौसम जलवायु परिवर्तन का उनके शरीर पर ज्यादा प्रभाव नहीं होता था और वर्षभर एक तरह की वेषभूषा में रहते थे।किसी विषय पर असहमत होने पर आपका विरोध दर्ज करने का तरीका उपवास आज भी कारगर है। साथ ही साथ आत्मशुद्धि का जरिया भी है। अहिंसा को जिस तरह जैन/बौद्ध धर्म ने अपनी प्राथमिकता माना है अगर सभी धर्म सम्प्रदाय के लोग इसे लागू कर ले तो यह बापू को हमारी ओर से सर्वोच्च सम्मान व सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अहिंसा को नहीं मानने वाले एक-दो पड़ोसी देशों का हश्र हम देख ही रहे है।मुझे हर्ष है कि मैंने बापू की आटोबायोग्राफी सत्य के प्रयोग My Experiment With Truth पढ़ी है। यह हमेशा मेरी टेबल ड्रावर में रहती है तथा जीवन में कठिन परिस्थितियों में हमेशा प्रेरणा देती है। भारत छोड़ो आन्दोलन, दांडी यात्रा, नमक सत्याग्रह, विदेशी कपड़ों की होली हमें बहुत कुछ सिखाता है ।

बापू की लाठी, पोते का प्लॉट

शहर के उस 'शहीद चौक' पर, जहाँ धूल और कबूतरों की बीट ने इतिहास की गरिमा को एक नया रंग दे दिया था, रामभरोसे लाल 'सत्यवादी' खड़े होकर साबरमती के संत की प्रतिमा को ऐसे घूर रहे थे जैसे उनकी पिछली अटकी हुई फाइल की चाबी वहीं कहीं छिपी हो। 30 जनवरी की सुबह थी, और हवा में 'देशभक्ति' की वैसी ही अस्थायी लहर थी जैसी चुनाव के समय मुफ्त राशन के वादों की होती है।

डॉ. सुरेश मिश्रा
(दैनिक अविन्तका)

रामभरोसे लाल ने चश्मा साफ किया-जो गांधीवादी कम और 'कमीशन-वादी' ज्यादा लगता था-और अपने चेलों से बोले, देख रहे हो, बापू आज भी मुस्कुरा रहे हैं, शायद इसलिए कि उन्हें पता है कि इस देश में अहिंसा का इस्तेमाल अब केवल धरने पर बैठकर समोसे उड़ाने के लिए होता है। तभी वहां सुच्चा सिंह 'जुगाड़ी' अपनी हरियाणवी की लट्ठमार शैली और खाकी कुर्ते के साथ प्रकट हुए। सुच्चा सिंह ने आते ही प्रतिमा के चरणों में माथा ऐसे टेका जैसे कोई आयकर विभाग का छापा पड़ने पर भगवान के चरणों में गिरता है। ₹अरे रामभरोसे, आज तो कति जमाई 'राम-राज्य' की फीलिंग ले रहा है तू! बापू की पुण्यतिथि पै सफेद टोपी पहन के ऐसे खड़ा है जैसे तूने कदे रिश्वत का नाम तक ना सुना हो। यो बता, आज का 'श्रद्धांजलि' का बजट कितना पास करवाया है? सुना है शहर के सारे बड़े ठग आज यहीं इकट्ठा होकर दो मिनट का मौन रखने वाले हैं, ताकि अगले एक साल के लिए झूठ बोलने की नई ऊर्जा मिल सके। रामभरोसे ने गहरी सांस ली और बोले, सुच्चा भाई, ये राजनीति है। यहाँ बापू के सिद्धांतों को केवल नोटों पर और दीवारों पर चिपकाया जाता है, आचरण में ले आए तो घर की ईंटें बिक जाएंगी। आज हम बापू को याद नहीं कर रहे, बल्कि उनके नाम पर अपनी उन तमाम फाइलों को 'पवित्र' कर रहे हैं जो साल भर मेज के नीचे से सरकी हैं।

श्रद्धांजलि सभा का 'प्रोटोकॉल' इतना सख्त था कि अगर बापू खुद जीवित होकर आ जाते, तो सुरक्षा गार्ड उन्हें बिना आईडी कार्ड के अंदर घुसने नहीं देते। रामभरोसे लाल ने मंच संभाला और ऐसे गला साफ किया जैसे किसी पुरानी पाइपलाइन से कचरा निकाल रहे हों। उन्होंने माइक थामते ही 'अपरिग्रह' (जरूरत से ज्यादा जमा न करना) पर वह ऐतिहासिक भाषण देना शुरू किया, जिसे सुनकर उनकी अपनी ही कोठी की अलमारियां शर्म से सिसकने लगी होंगी। सुच्चा सिंह पास ही बैठे एक दूसरे नेता के कान में फुसफुसाए, यो रामभरोसे तो कति 'हरिश्चंद्र' का बाप बन रहा है। खुद के पास तीन प्लॉट अवैध कब्जे के हैं और भाषण में कह रहा है कि 'संग्रह करना पाप है'। ताऊ, इसा लागे है कि आज बापू की मूर्ति भी अपना डंडा उठाकर इन पै बरसाना शुरू कर देगी। मंच पर मौजूद नेताजी लच्छीराम ने माइक छीनते हुए कहा, साथियों, बापू ने कहा था कि बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत बोलो। इसीलिए हमने तय किया है कि हम विभाग के किसी भी भ्रष्टाचार को नहीं देखेंगे, घोटाले की बात नहीं सुनेंगे और सीबीआई के सामने कुछ नहीं बोलेंगे। सभा में जोरदार तालियां बजीं। यह तालियां बापू के लिए नहीं, बल्कि उस कलाकारी के लिए थीं जो सत्य का गला इतनी सफाई से घोंट रही थी कि खून का एक कतरा भी जमीन पर नहीं गिर रहा था। रामभरोसे ने मुस्कुराकर सुच्चा सिंह की ओर देखा, मानो कह रहे हों कि 'देख, इसे कहते हैं अहिंसक डकैती'। सुच्चा सिंह ने हरियाणवी में जवाब दिया, भाई, थारी ये 'अहिंसा' तो कति कमाल की है, इसमें गरीब का गला भी कट जावे और हाथ पै खून का दाग भी ना लागे। बापू तो शरीफ मानस थे, उन्हें क्या पता था कि उनके 'तीन बंदर' एक दिन सरकारी फाइल की 'आर-टी-आई' के जवाब बन जाएंगे।

धर्म-आस्था

क्या सच में क्रिस्टल ब्रेसलेट करते हैं हीलिंग?

लोगों में ब्रेसलेट पहनने का क्रेज तो पहले भी था लेकिन आजकल लोग क्रिस्टल ब्रेसलेट पहनने लगे हैं। क्रिस्टल ब्रेसलेट सिर्फ फैशन एक्सेसरी नहीं है, बल्कि कई लोग इन्हें ऊर्जा संतुलन, सकारात्मकता, तनाव कम करने और आध्यात्मिक हीलिंग के लिए पहनते हैं। वैसे तो क्रिस्टल दूसरे तरीके से पहले भी पहने जाते थे क्योंकि माना जाता है कि हर क्रिस्टल में एक खास प्रकार की ऊर्जा कंपन होती है, जो व्यक्ति के मन, शरीर और आभामंडल पर असर डालती है, लेकिन इन्हें ब्रेसलेट के फॉर्म में अभी पहने जाने का प्रचलन बढ़ गया है। क्रिस्टल ब्रेसलेट पहनने के फायदे

क्रिस्टल को ऊर्जा का वाहक माना जाता है। इन्हें ब्रेसलेट के रूप में डिजाइन किया गया, ताकि लोगों के लिए इसे पहनना आसान हो जाये। क्रिस्टल ब्रेसलेट को हीलिंग जेमस्टोन ब्रेसलेट भी कहा जाता है। माना जाता है कि हर क्रिस्टल का अपना अलग प्रभाव होता है। जैसे कि, अमेथिस्ट, लेपिडोलाइट और ब्लू लैपिस जैसे क्रिस्टल मन को शांत करते हैं और भावनात्मक स्थिरता बढ़ाते हैं। कार्नेलियन, आत्मविश्वास और ऊर्जा को बढ़ावा देने वाला होता है। हेमेटाईट जैसे क्रिस्टल को सुरक्षा कवच माना जाता है। सिट्रीन और ग्रीन एवेंचुरीन को समृद्धि स्टोन्स कहा जाता है। ये समृद्धि और अवसर आकर्षित करने में मददगार माने जाते हैं।

हीलिंग में क्रिस्टल ब्रेसलेट का उपयोग कैसे होता है?

क्रिस्टल हीलिंग एक वैकल्पिक उपचार प्रणाली है, जिसमें शरीर की ऊर्जा को प्राकृतिक पत्थरों की ऊर्जा के माध्यम से ठीक किया जाता है। क्रिस्टल आपकी नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित करके सकारात्मक कंपन देते हैं। क्रिस्टल्स पहनने से माना जाता है कि ये हमारे शरीर के ऊर्जा-चक्रों को संतुलित करते हैं। हर क्रिस्टल में एक प्राकृतिक ऊर्जा तरंग होती है, जो आपके ओरा को संतुलित करने में मदद करती है। इनका कंपन शरीर के ऊर्जा केंद्रों को प्रभावित करता है। क्रिस्टल दुख, तनाव, गुस्सा और मानसिक थकान को कम करने में सहायक माने जाते हैं। क्रिस्टल ब्रेसलेट पहनकर मेडिटेशन करने से ध्यान गहरा और स्थिर होता है। समय के साथ क्रिस्टल नकारात्मक ऊर्जा सोख लेते हैं। इन्हें रीचार्ज करने के लिए सेलेनाइट चार्जिंग प्लेट जैसी विधियाँ अपनाई जाती हैं। शुद्ध किए गए क्रिस्टल फिर से अपनी हीलिंग शक्ति प्राप्त कर लेते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण क्या कहता है?

वैज्ञानिक रूप से क्रिस्टलों की ऊर्जा को पूरी तरह प्रमाणित नहीं माना जाता, लेकिन कुछ अवधारणाओं के अनुसार क्रिस्टल पहनने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है, मन शांत रहता है, चिंता, डर और नकारात्मकता कम होती है और ध्यान और फोकस बढ़ता है। इसलिए, कई लोग इन्हें पहनकर अपने अनुभव में सकारात्मक बदलाव महसूस करते हैं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1000 से 1200 आलू चिप्स 1500 से 1800 ज्योति पुराना 900 से 1200 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700 प्याज महाराष्ट्र 1600 से 2000 प्याज लोकल 1000 से 1600 एवरेज 500 से 800 गोल्टा 800 से 900 गोल्टी 400 से 500 लहसुन सुपर बोल्ड 12500 से 13000 मीडियम 6000 से 9000 बारीक 4000 से 6000 रुपए प्रति क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1000-2975 चना काबली- 2910-8470, चना बड़ा- 5160-5915, बटला- 3317, रायड़ा- 7580, उड़द- 4350, धनिया- 8551, सोयाबीन- 1751-6212, मैथीदाना- 4720, असली- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,85,000, रवा- 1,84,800 चांदी- टंच- 3,76,500 पाट- 3,75,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में म. प्र.शिक्षक संघ की सहभागिता

खाचरोद। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के आह्वान पर प्रदेश की राजधानी में आयोजित होने वाले शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन और मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन डॉ. मोहन यादव के अभिनन्दन कार्यक्रम में उज्जैन जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह डोड़िया के नेतृत्व में जिले से चयनित 55 मध्यप्रदेश प्रदेश शिक्षक के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खाचरौद विकासखण्ड से सम्भागीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सोनावा, सम्भागीय कार्यकारिणी सदस्य सुभाष सेठिया, जिला सहसचिव धिरेन्द्र सिंह पंवार,जिला कार्यकारिणी सदस्य रुप सिंह सोलंकी, विकासखण्ड अध्यक्ष दीपक घोंचा, खाचरौद तहसील सचिव परिवेश अरोरा, तहसील उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह डोड़िया, नागदा तहसील अध्यक्ष आनंद मीणा, तहसील सचिव नन्दराम अटोलिया ,जीवन सिंह राठौर तथा इसी प्रकार अन्य तहसीलों से चयनित कार्यकर्ता इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। सम्मेलन में उपस्थित होने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी से अनुमति प्राप्त की गई तत्पश्चात सभी 55 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

गीत गौरव सम्मान – 2026 से सम्मानित हुए कन्हैया ' राज '...

ब्यावरा। अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों, विभिन्न टीवी पर अपनी श्रंगारिक रचनाओं से साहित्यिक पहचान बना चुके नगर के सुप्रसिद्ध गीतकार कन्हैया ₹राज₹ को शिव संकल्प साहित्य परिषद नर्मदापुरम होशंगाबाद द्वारा आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह में ₹गीत गौरव सम्मान - 2026₹ से सम्मानित किया गया. उन्हें यह सम्मान नर्मदा जयंती के अवसर पर आयोजित साहित्यिक समारोह में उपस्थित वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा प्रदान किया गया। कवि शैलेश लोढ़ा के बहुचर्चित टीवी शो 'वाह भई वाह ' के अलावा विभिन्न टीवी कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुके कवि 'राज' को इससे पूर्व भी अनेक मंचों पर विभिन्न साहित्यिक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है. नर्मदापुरम में सम्मानित किये जाने पर कवि 'राज' को उनके इष्टमित्रों,कवियों, शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुई उज्जवल भविष्य की कामना की।

सांदीपनी विद्यालय में करियर मेले का बीईओ तिवारी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

सुसनेर। शासकीय सांदीपनी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 5 दिवसीय करियर मेले का शुभारंभ मंगलवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं संकुल प्राचार्य कन्हैयालाल मालवीय के विशेष आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य नरेंद्र लोहार ने की। उदघाटन सत्र में करियर काउन्सलर डॉक्टर पुनीत शुक्ला, श्रीमती रंजीत सोनगरा द्वारा करियर जागरूकता, करियर मेला क्यों, विषय आधारित करियर पर प्रेरणा दाई उद्बोधन दिए। शिक्षक प्रतीक मंगल, विक्रम मालवीय आदि ने भी मार्गदर्शन प्रदान किया करियर काउन्सलर डॉक्टर पुनीत शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेले में 5 दिवस तक करियर से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याखान होगे और करियर काउंसलिंग संबंधी स्टाल्स भी लगाई जावेगी जिससे संस्था के छात्र लाभान्वित होगे।

श्री आदर्श महावीर नवयुवक मंडल महिदपुर के नए अध्यक्ष बने अपुल धाड़ीवाल

महिदपुर। शहर के जैन समाज की प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में से एक श्री आदर्श महावीर नवयुवक मंडल की हाल ही में आयोजित बैठक में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई। बैठक में सर्वसम्मति से अपुल धाड़ीवाल को मंडल का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष अपुल धाड़ीवाल के नेतृत्व में शीघ्र ही पूरी टीम का गठन किया जाएगा। मंडल की नई कार्यकारिणी का कार्यकाल दो वर्षों का रहेगा। इस दौरान मंडल द्वारा समाजहित, धार्मिक गतिविधियों तथा युवाओं को संगठित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समाज के वरिष्ठजनों एवं सदस्यों ने नए अध्यक्ष को शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में मंडल नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और सामाजिक कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ कानड़

26 जनवरी सोमवार को 77वा गणतंत्र दिवस नगर एवं क्षेत्रों में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस पर सुबह 7.30 बजे नगर परिषद भवन पर सार्वजनिक ध्वजारोहण हुआ तथा 9.30 बजे नवीन बस स्टैंड पर नगर परिषद अध्यक्ष शिप्रा बाई बाबूलाल बिजापारी द्वारा किया गया एवं कार्यालय प्रांगण में उपाध्यक्ष राजेश डीलर द्वारा ध्वजारोहण किया गया।पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

नगर के शासकीय अशासकीय विद्यालय एवं प्रमुख सरकारी संस्था भवनों पर ध्वजारोहण किया गया।जिसके पश्चात समस्त विद्यालयों की प्रभात फेरी नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए नवीन बस स्टैंड पर पहुंची जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम कला उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें नगर के शासकीय अशासकीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा नाटक देशभक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों सहित नगरवासी उपस्थित थे।

राजगढ़-ब्यावरा।

राजगढ़ जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित मुख्य समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं सलामी गारद का निरीक्षण कर परेड की सलामी ली। समारोह में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने मुख्यमंत्री के प्रदेश की जनता के नाम जारी संदेश का वाचन किया।

मुख्य समारोह में सशस्त्र बल प्लाटून द्वारा हर्ष फायर किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी उनके साथ थे। समारोह में विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल पुरूष एवं महिला, जिला होमगार्ड बल, शौर्य दल की टुकडिों द्वारा आकर्षक परेड प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने इस दौरान परेड कमांडर्स का परिचय प्राप्त किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंग-बिरंगी गणवेश में आकर्षक सामूहिक पीटी का प्रदर्शन किया, इसके उपरान्त देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागो द्वारा अपने-अपने विभागों की योजनाओं को प्रदर्शित करने वाली आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, सांसद रोडमल नागर, विधायक राजगढ अमरसिंह यादव, पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं समाज सेवियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

सुसनेर

पीएम श्री विद्यालय जवाहर नवोदय विद्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत अनेक आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं। छात्रों ने भाषण, गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशप्रेम और संविधान के मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शैक्षणिक, खेलकूद एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय स्तर के साथ-साथ बाह्य गतिविधियों में उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों का भी उत्साहवर्धन किया गया।

इसी प्रकार शहर के सभी सरकारी एवं अर्ध-शासकीय स्कूलों, कार्यालयों और प्रमुख चौकों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः 7:30 बजे नगर के समस्त शासकीय और अर्ध-शासकीय स्कूलों में संस्था प्रधानों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद स्कूली बच्चे श्रीराम मंदिर धर्मशाला में रैली के रूप में पहुँचे, जहाँ नगर पंचायत अध्यक्षा लक्ष्मी राहुल सिसोदिया ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात छात्र-छात्राएँ मुख्य मार्ग से होते हुए माध्यमिक विद्यालय पहुँची और मावि ग्राउंड में मुख्य समारोह आयोजित हुआ। यहाँ पर जनपद अध्यक्षा पिंकी सिसोदिया ने ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। समारोह में खेलकूद, शैक्षिक और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। बच्चों ने पीटी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को प्रकट किया। नगर के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों, सरकारी और निजी कार्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और प्रमुख चौकों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालय कार्यालय पर कांग्रेस वरिष्ठ नेता बाबूलाल बंसिया, हाथी दरवाजे के समीप राणा नटवर सिंह चौक पर, पुराना बस स्टैंड स्थित पंडित दीनदयाल चौक पर मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन ने ध्वजारोहण किया। बस स्टैंड स्थित अम्बेडकर पार्क में एनएसयूआई के द्वारा कांग्रेस वरिष्ठ नेता विष्णु पाटीदार और आशिक बोहरा ने तिरंगा फहराया। एसडीएम कार्यालय में एसडीएम सर्वेश यादव, तहसील कार्यालय में तहसीलदार रामेश्वर दांगी, थाना परिसर में थाना प्रभारी केशर राजपूत, और एसआरजी स्कूल में रामबाबू गायरी ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा शहीद पार्क में एबीवीपी द्वारा भी ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत और मध्यप्रदेश का राज्यगीत गाया गया। मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन भी किया गया। नागरिकों, बच्चों और संस्थाओं ने देशभक्ति के रंग में सराबोर होकर कार्यक्रमों में भाग लिया। नगरवासियों ने इस अवसर पर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और गणतंत्र दिवस की गरिमा को बढ़ाया।

स्वच्छता साथी वॉश ऑन व्हील्स अभियान से ग्रामीण स्वच्छता में क्रांति - अध्यक्ष जनपद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरोद

प्रदेश में वॉश ऑन व्हील्स अभियान में डिमांड और पूर्ति करने में प्रथम खाचरोद जनपद जनपद अध्यक्ष खाचरोद पृथ्वीराज सिंह पवार ने इस अवसर पर सभी स्वच्छता मित्रों का किया सम्मान, समान कलर और लॉगो वाली टी शर्ट का किया अनावरण और सभी को टीशर्ट भेंट की जनपद खाचरोद में 45 दिन पूर्व जब कलेक्टर उज्जैन रोशन कुमार सिंह और सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कुमट के द्वारा जब बेरछा क्लस्टर अनुश्रवण शिविर में वॉश ऑन व्हील्स कार्यक्रम का शुभारम्भ किया था जिसका उद्देश्य था ग्रामीण क्षेत्रो में संस्थागत और व्यक्तिगत शौचालय की गुणवत्तापूर्ण एवं सुचारु रूप से सफाई हो, जिसके क्रम में 45 दिन में खाचरोद जनपद के सफाई मित्रो ने न केवल सबसे ज्यादा शौचालयों की सफाई कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया बल्कि गाँव गाँव में घर घर जाकर शौचालयों की गुणवत्तापूर्ण सफाई भी की है। जिस कारण सफाई मित्रो को उम्मीद से अधिक आय के साथ सम्मान भी प्राप्त हुआ है !इस उपलब्धि के अवसर पर जनपद खाचरोद के अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पवार ने ब्लॉक कोर्डिनेटर स्वच्छ भारत मिशन श्रीमती श्रध्दा किरनापुर सहित समस्त स्वच्छता मित्रो का फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया एवं वॉश ऑन व्हील्स अंतर्गत प्रदेश में सबसे ज्यादा शौचालयों की सफाई करने पर खाचरोद जनपद को सर्वप्रथम रखने पर बधाई एवं शुभकामनाये दी। इसी के साथ जनपद खाचरोद के अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पवार ने आज वॉश ऑन व्हील्स टीशर्ट का अनावरण भी किया जिस से जनपद खाचरोद के सभी 9 सफाई मित्र अब नारंगी कलर व वाश ऑन व्हील्स के लोगो वाली टीशर्ट पहनकर गाँव गाँव में जायेंगे और मांग के आधार पर व्यक्तिगत एवं संस्थागत शौचालयों की सफाई करेंगे। जनपद अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि जनपद खाचरोद वॉश ऑन व्हील्स में पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर है ये हम सबके लिए गर्व की बात है ,खाचरोद के सभी 219 गाँवों के एक एक घर तक इसका प्रचार प्रसार करना होगा जिस से प्रत्येक ग्रामीणजन इसका लाभ ले पाएं !

वॉश ऑन व्हील्स कार्यक्रम में कोई भी ग्रामीणजन अपने मोबाइल से शौचालय की सफाई हेतु डिमांड कर सकता है इसके लिए प्ले स्टोर में जाकर वॉश ऑन व्हील्स एप्लीकेशन डाउनलोड करके उसमे मोबाइल नंबर दर्ज करने के साथ ही पूछी गयी सामान्य जानकारी दर्ज करेंगे तो हितग्राही द्वारा निर्धारित तिथि और समय पर सफाई मित्र उपस्थित होगा और सामान्य दरों पर शौचालय की सफाई करके जायेगा।

प्रसूता को लेकर जा रही कार पलटी 5 घायल

देवास। देवास में भोपाल रोड पर स्थित एक निजी स्कूल के पास सड़क हादसा हो गया। यहां अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर लौट रही प्रसूता की कार को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे कार सड़क किनारे खंती में जा गिरी। हादसे में प्रसूता समेत 4 महिलाएं और एक बच्चा घायल हो गए। वहां से गुजर रहे कांग्रेस नेता मनोज राजानी ने सभी घायलों को अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, भौंरासा निवासी कीर्ति लोधी की 27 जनवरी को जिला चिकित्सालय में डिलीवरी हुई थी। गुरुवार को छुट्टी मिलने के बाद वह अपने परिवार के साथ मारुति ओमनी कार से वापस भौंरासा लौट रही थीं। कार में कुल पांच लोग सवार थे। भोपाल रोड पर सेंट्रल इंडिया स्कूल के सामने पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी कार को ओवरटेक करते समय जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई।

नेताओं ने की मदद, पुलिस ने शुरू की जांच

कांग्रेस नेता मनोज राजानी खटांबा से देवास लौट रहे थे, तभी उन्होंने सड़क किनारे खंती में गिरी कार और घायलों को देखा। उन्होंने तुरंत मदद की और अपने निजी वाहन से घायल आला बाई, मीरा बाई, कीर्ति, उमा बाई और बच्चे को जिला अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सोने-चांदी के भाव बढ़ते ही सराफा व्यापारियों को मिलने लगी धमकियां

सुसनेर। नगर के सराफा बाजार के सोना-चांदी व्यापारियों ने कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा धमकी देने और हंगामा करने की शिकायत सुसनेर पुलिस थाने में की है। व्यापारियों का कहना है कि वर्षों पुराने करार समाप्त होने के बावजूद कुछ लोग बढ़े हुए सोने-चांदी के भाव को लेकर अवैध रूप से रकम की मांग कर रहे हैं। आए दिन दुकानों पर आकर जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं जिससे भय का माहौल बना हुआ है। सराफा एसोसिएशन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर असामाजिक तत्वों पर उचित कार्रवाई की मांग की है।

आदिवासी युवती ने की लव मैरिज, नाराज समाज ने युवक के घर हंगामा किया

देवास। जिले के बागली में देर रात आदिवासी समाज के लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। मामला एक आदिवासी युवती द्वारा नगर के एक युवक से प्रेम विवाह करने से जुड़ा है। नाराज समाजजन और युवती के परिजन देर रात तक थाने एवं युवक के घ के बाहर डटे रहे और लड़की को साथ ले जाने की मांग पर अड़े रहे। हालांकि, पुलिस की समझाइश के बाद वे लौट गए। एहतियात के तौर पर युवक के घर और अन्य स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

व्यायाम प्रदर्शन में मॉडल स्कूल ने हासिल किया प्रथम स्थान

सारंगपुर। विगत दिवस आयोजित सार्वजनिक गणतंत्र उत्सव समारोह में मॉडल स्कूल सारंगपुर ने व्यायाम प्रदर्शन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में द्वितीय स्थान हासिल करने पर शाला में विद्यालय प्राचार्य बबीता मिश्रा ने बच्चों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। विद्यार्थियों से मिश्रा ने इसी तरह से आगे भी प्रदर्शन करने एवं पढाई में अव्वल आने के लिए प्रोत्साहित किया।

जाहिर सूचना

यह कि, भूखण्ड क्रमांक-06 इन्द्रालय हाईलेन्ड्स फेस "II" ग्राम नानाखेडा उज्जैन के भूखण्ड को मेरी पक्षकार फर्म "M/s A One Developers & Builders" द्वारा निरस्त कर दिया गया हैं। जिसकी मूल रसीद पक्षकार के पास रह गई है। उक्त मूल रसीद के संबंध मे सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उक्त मूल रसीद पेटे कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त भूखण्ड को क्रय करती है या उसका अनुबंध करती है या अन्य किसी भी प्रकार का व्यवहार करती है तो उसमे मेरी पक्षकार फर्म "M/s A One Developers & Builders" का किसी भी प्रकार की कोई भी जवाबदारी नही होगी और यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त मूल रसीद के आधार पर उक्त भूखण्ड को क्रय करती है या उक्त भूखण्ड का अनुबंध करती है या अन्य किसी प्रकार का व्यवहार करती है तो उसकी समस्त प्रकार की जवाबदारी उक्त व्यक्ति या संस्था की रहेगी। सो सूचित हो । इति दिनांक-28.01.2026

एम.ए. सिद्दीकी एडव्होकेट
कार्यालय - A-11 भरतपुरी देवास रोड़, उज्जैन
मो-98272-55575

जाहिर सूचना

सर्व साधारण एवं सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामीनी श्रीमति पदमा खत्री पति सुरेन्द्र कुमार निवासी- 28, गीता कालोनी, उज्जैन के एकांकी स्वामित्व स्वत्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नंबर 1656/1 रकबा 0.51 हैक्टर भूमि स्थित ग्राम पानबिहार तहसील घटिया व जिला उज्जैन में है, को क्रय करने का सौदा किया है तथा बयाना राशि अदा कर दी है।

अतः उक्त वर्णित भूमि पर किसी भी बैंक, पेढी, निगम, वित्तीय संस्था, शासन, प्रायव्हेट व्यक्ति आदि का कोई ऋण, भार, मेन्टेनेन्स बकाया हो या उक्त वर्णित भूमि में किसी अन्य का कोई हक, हित, हिस्सा व सुखाधिकार किसी भी रूप में निहीत हो या इस विक्रय बाबत किसी को कोई आपत्ति आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना से 05 (पांच) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय लैखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके। अन्यथा बाद म्याद गुजरने मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त वर्णित भूमि का विधिवत विक्रय अनुबंध पत्र तथा विक्रय पत्र निष्पादित व पंजीयन करवा लेवेंगे व किसी की कोई आपत्ति आदि मान्य नहीं होगी। सूचित हो। इति दिनांक- 29-01-2026 स्थान - उज्जैन

श्याम गुप्ता, एडवोकेट
आफिस नंबर - सीएफ-8, भरतपुरी शांपिंग
काम्पलेक्स, देवास रोड़ उज्जैन
मोबाईल नंबर - 99264 66157

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने मुकेश पिता कन्हैयालालजी माली निवासी बड़नगर के स्वामित्व की भूमि सर्वे नंबर 60 रकबा 0.32, 61/2 रकबा 0.46 कुल किता 2 कुल रकबा 0.78 हे. स्थित ग्राम कजलाना एवं ईश्वर पिता चतुरभुजजी जाति माली निवासी बड़नगर के स्वामित्व की भूमि सर्वेन बर 68/2 रकबा 1.20 हे. स्थित ग्राम कजलाना को क्रय करने का सोदा तय कर बयाना राशि भुगतान कर दी है तथा शिघ्र ही भूमि का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार के पक्ष मे निष्पादित एवं पंजीकृत होना है।

अतः यदि उक्त संपती मे किसी व्यक्ति, संस्था निजी ऋणदाता, बैक आदि का किसी प्रकार का कोई भार हो या उक्त संपती के संबध मे किसी प्रकार का न्यायीक या पारिवारीक विवाद विचाराधीन हो तो वह जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 दिवस मे मय प्रमाण मेरे कार्यालय में आकर आपत्ती करे अन्यथा मेरे पक्षकार अनुबंधीत संपती का विक्रय पत्र अपने पक्ष मे निष्पादित एवं पंजीकृत करावेंगे जिसके पश्चात किसी प्रकार की आपत्ती स्वीकार नही होगी। सूचित हो । दिनांक-29-01-2026

कमलसिंह पडिहार अभिभाषक
न्यायालय परिसर बड़नगर
मो-9406660991

कार्यालय नगर पालिक निगम देवास (म.प्र.)

निविदा सूचना

सूचना क्र./186/लो.नि.वि./26 **देवास, दिनांकः- 22.01.2026**

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्र.	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम व स्थान	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा क्रय एवं जमा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_477661_1	वार्ड क्रं. 05 श्रीराम गौड जी के मकान से श्रीराम मंदिर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।(द्वितिय निविदा)	60 दिवस, 17,00,000/-	2,000/- 12,750/-	06.02.2026
2	2026_UAD_477778_1	वार्ड क्रं. 18 सनसिटी पार्ट 02 (गार्डन-ए) रामाश्रय होटल के पीछे स्थित गार्डन की बाउण्ड्रीवाल एवं रिफ. पेवर्स ब्लाक निर्माण कार्य। (द्वितिय निविदा)	60 दिवस, 8,00,000/-	2,000/- 8,000/-	06.02.2026
3	2026_UAD_477777_1	वार्ड क्रं. 35 रेवाबाग मेनरोड़ एवं गरूद्वारे के सामने बेकलेन मे नाली निर्माण कार्य। (द्वितिय निविदा)	60 दिवस, 14,50,000/-	2,000/- 10,875/-	06.02.2026
4	2026_UAD_477868_1	वार्ड क्रं. 36 पठानकुंआ एवं मोहसिनपुरा क्षेत्र मे नाली, रोड़ कास, चेम्बर एवं बेकलेन निर्माण/ रिपेयर कार्य।	60 दिवस, 9,90,000/-	2,000/- 9,900/-	06.02.2026
5	2026_UAD_477780_1	वार्ड क्रं. 40 में विभिन्न स्थानों पर नाली, बेकलेन, रोड़ कास एवं चेम्बर निर्माण/ रिपेयर कार्य।	60 दिवस, 7,50,000/-	2,000/- 7,500/-	06.02.2026
6	2026_UAD_477760_1	कर्मचारी कॉलोनी आनदं नगर में नाला निर्माण कार्य। (द्वितिय निविदा)	04 माह 41,52,000/-	5,000/- 31,140/-	06.02 2026
7	2026_UAD_477776_1	पुरानी जेल से गंगा पार्क कालोनी तक नाला निर्माण कार्य। (षष्टम निविदा)	06 माह, 1,28,15,000/-	12,500/- 64,075/-	06.02.2026

निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in वेबसाईट पर ही किया जावेगां। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जावेगां।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, देवास

(न्यायालय-विवेक कुमार चंदेल, नवम सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, इंदौर (म.प्र.)

जावक- 129/26 **इंदौर, दिनांक 27.01.2025**

MJC **प्रकरण क्रमांक-855/2025 सुनवाई दिनांक-13.02.2026**

जालमसिंह .... प्रार्थी

विरूद्ध

भूरीबाई. व अन्य..... प्रतिप्रार्थीगण

प्रेषिती

अनावेदक गण क्रमांक 1
श्रीमति भूरीबाई पति स्व. भेरूलालजी
2. कुमारी आशा पिता स्व. भेरूलालजी
3. मास्टर अर्जुन पिता स्व. भेरूलाल जी
4. कुमारी राजकुमारी पिता स्व. भेरूलाल जी
5. कुमारी मधु पिता स्व. भेरूलालजी
6. श्रीमति श्यामूबाई पति तेजूलालजी
सभी निवासी-ग्राम-बडावद तहसील तराना जिला उज्जैन म.प्र.
हाल मुकाम ग्राम बारोली सांवेर रोड जिला इंदौर

यह कि अपीलार्थीगण ने आपके विरूद्ध उपरोक्त क्लेम सिविल वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के सिविल वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन / सूचित किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस क्लेम प्रकरण में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके शक्ति में है पेश करे जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करे।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो क्लेम प्रकरण की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 27.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(विवेक कुमार चंदेल)
नवम जिला न्यायाधीश इन्दौर (म.प्र.)

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहता है तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

न्यूज कॉलम

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

जगोटी। प्रांशी राज नेशनल पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को वरिष्ठ शिक्षाविद राजकुमार दिल्ली ने शील्ड व प्रमाण पत्र देते हुए अच्छी शिक्षा से संवारता भविष्य विषय पर विचार व्यक्त किए। विधालय परिवार द्वारा आपका सम्मान करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया। उक्त जानकारी संस्था जीतेंद्र सागर ने दी।

तैराकी में साहसिक कार्य के लिए सोलंकी सम्मानित

बड़नगर। नगर पालिका द्वारा राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर किले पर आयोजित कार्यक्रम में युवा तैराक मनोज सोलंकी को तैराकी में साहसिक कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र भेंटकर विधायक जितेंद्र उदयसिंह पंड्या, नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, उपाध्यक्ष अनिता सतीश वर्मा सहित पार्षदों द्वारा सम्मानित किया गया।

वीर तेजाजी महाराज के 952वें जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

शाजापुर। जाट समाज द्वारा अपने आराध्य देव भगवान श्री सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज का 952वां जन्मोत्सव गुरूवार को हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस मौके पर समाज द्वारा एक विशाल और ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा और समाज के वरिष्ठजन शामिल हुए। शोभायात्रा का शुभारंभ लोंदिया रोड स्थित ज्योति नगर के वीर तेजाजी मंदिर से हुआ। यात्रा में आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। भगवान वीर तेजाजी महाराज एक विशेष रूप से सजाए गए रथ पर विराजमान थे। रथ के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल चल रहे थे और भगवान के जयकारे लगा रहे थे। समारोह की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यात्रा में सबसे आगे ट्रैक्टरों पर सवार होकर समाज के लोग चल रहे थे। इसके अलावा, चार पहिया वाहनों का एक लंबा काफिला भी शोभायात्रा का हिस्सा बना। डीजे और ढोल की थाप पर समाज के युवा उत्साह के साथ नाचते-गाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा माहौल धर्ममय हो गया। यह चल समारोह ज्योति नगर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, नई सड़क, बड़ा चौक, मीराकला बाजार और बादशाहपुल होते हुए मुरादपुरा स्थित मंदिर पहुंची, जहां महाआरती के साथ इसका समापन हुआ।

आगर में होगी भव्य खाटू श्याम की विशाल भजन संध्या आज

आगर मालवा। नागेश्वर टूर एंड ट्रेवल्स एवं विनायक ग्रुप के नेतृत्व में आगर से खाटूश्याम तक के लिए नई एसी स्लीपर कोच बस सर्विस का शुभारंभ के उपलक्ष में नगर में स्थित बस स्टैंड पर 30 जनवरी शाम 7 बजे से एक शाम खाटूवाले के नाम भव्य विशाल खाटूश्याम भंजन संध्या व श्याम कीर्तन का आयोजन होगा। जिसमें अखंड ज्योत, अलौकिक श्रृंगार, इत्र व पुष्प वर्षा, भगवान खाटूश्याम को छप्पन भोग का भोग लगाया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोविन्द सिंह बरखेडी ने बताया कि भजन संध्या में अमित पारिख (मक्सी), पूजा प्रजापति (ब्यावरा) श्री श्याम के मधुर भजनों से समा बांधेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद महेन्द्र सिंह सौंलकी रहेंगे व अध्यक्षता विधायक मधु गेहलोत करेंगे। विशेष अतिथि डग के विधायक कालूसिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, भेरुसिंह चैहान रहेंगे।

अभाविप सुसनेर नगर सह मंत्री हर्ष शर्मा एनएसयूआई में शामिल

आगर मालवा। गुरूवार को आगर में एबीव्हीपी सुसनेर नगर सह मंत्री हर्ष शर्मा जी का एनएसयूआई राष्ट्रीय महासचिव अंकुश भटनागर,जिला अध्यक्ष इमरान अली, विधानसभा अध्यक्ष विष्णु गुर्जर, सुसनेर अध्यक्ष प्रसन्न गोयल द्वारा स्वागत कर एनएसयूआई की सदस्यता ग्रहण कराई। भटनागर ने कहा कि मुझे पूर्ण भरोसा है कि आपके आने से एनएसयूआई संगठन को मजबूती मिलेगी एवं छात्रों के मुद्दों को बल मिलेगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नगर सह मंत्री हर्ष शर्मा ने भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की सदस्यता ग्रहण की। एनएसयूआई में शामिल होने पर कांग्रेस व एनएसयूआई पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा हर्ष शर्मा का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर हर्ष शर्मा ने कहा कि वे एबीवीपी की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट थे और संगठन में चल रहे आंतरिक मतभेदों के कारण उन्होंने यह निर्णय लिया। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा और एनएसयूआई की नीतियों से प्रभावित होकर संगठन से जुड़ने की बात कही। वहीं कांग्रेस नेताओं ने उनके इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे छात्र राजनीति में सकारात्मक बदलाव बताया।

हरे-भरे पेड़ों पर चली जेसीबी, बिना अनुमति कटाई पर पटवारी ने बनाया पंचनामा

10-11 साल पुराने कल्पवृक्ष और मधुकामिनी जैसे पौधों को जड़ से उखाड़ने का मामला, ग्रामीणों ने की वीडियो साक्ष्य के साथ की कार्रवाई की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर बसे ग्राम मोहन बड़ोदिया स्थित भक्तराज पुष्प वाटिका मंदिर परिसर में पर्यावरण नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक अनुमति के बिना बेशकीमती पेड़ों की कटाई का मामला गरमा गया है। बीते दिनों मंदिर परिसर में जेसीबी मशीन द्वारा हरे-भरे पेड़ों को जड़ से उखाड़ दिया गया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों और हल्का पटवारी ने मौके का मुआयना कर पंचनामा तैयार किया। वहीं ग्रामीणों ने नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए पर्यावरण के दुश्मनों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार नलखेड़ा रोड़ स्थित मंदिर परिसर में वर्षों पुराने

मधुकामिनी, कल्पवृक्ष और कनेर जैसे महत्वपूर्ण पेड़ों को जेसीबी की मदद से उखाड़ दिया गया। इन पेड़ों की उम्र लगभग 10 से 11 वर्ष बताई जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके मौके पर पहुंचने तक जेसीबी मशीन के माध्यम से इन पेड़ों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया था।

न बैठक की न ही अनुमति ली गई

ग्रामीणों ने जिम्मेदारों पर मनमानी करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इतने पुराने और धार्मिक महत्व रखने वाले पेड़ों को हटाने के लिए समिति ने न तो कोई औपचारिक बैठक बुलाई और न ही किसी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से इसकी अनुमति लेना उचित समझा। बिना किसी पूर्व सूचना के की गई इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में रोष है।

पंचनामा तैयार घटना के साक्ष्य भी मौजूद

घटना की गंभीरता को देखते हुए पटवारी और ग्रामीणों ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर लिया। ग्रामीणों का दावा है कि उनके पास इस पूरी घटना का वीडियो भी उपलब्ध है, जो स्पष्ट रूप से नियमों के उल्लंघन की पुष्टि करता है। इस वीडियो साक्ष्य और पंचनामें को उच्च अधिकारियों को सौंपकर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

छात्राओं को बांटे गए प्रमाण पत्र

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के.एस.एन. शासकीय महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित ब्यूटी पार्लर के अल्पकालीन प्रशिक्षण का गुरुवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र और सामान्य ज्ञान की पुस्तकें वितरित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विपुल कसेरा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कांग्रेस ने आगर में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा, फार्म-7 को लेकर हो रही

गलत तरीके से ली जा रही आपत्तियों के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग में कराई आपत्ति दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

जिला मुख्य निर्वाचन अधिकारी आगर के नाम मांग पत्र आर पी वर्मा को अंकुश भटनागर द्वारा सौपकर जिला कांग्रेस कमेटी आगर अध्यक्ष विजयलक्ष्मी तंवर व एनएसयूआई राष्ट्रीय महासचिव व जिला निर्वाचन प्रभारी अंकुश भटनागर ने मांग की कि वर्तमान में निर्वाचन संबंधी निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-सीमा की समाप्ति के उपरांत, सत्ता पक्ष से संबद्ध एक राजनीतिक दल द्वारा फॉर्म-7 को मुद्रित (प्रिंटेड) रूप में तैयार कर आपत्तियाँ दर्ज कराए जाने की गंभीर जानकारी प्राप्त हुई है। विश्वसनीय सूत्रों से यह तथ्य भी संज्ञान में आया है कि प्रत्येक बी.एल.ओ. (बूथ लेवल अधिकारी) को लगभग 100 से 150 फॉर्म-7 उपलब्ध कराए गए, जिनके माध्यम से सामूहिक रूप से आपत्तियाँ प्रस्तुत की गई।

यह प्रक्रिया न केवल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों

एवं दिशा-निदेशों के प्रतिकूल प्रतीत होती है,बल्कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। वर्तमान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर एण्ड) प्रक्रिया के अंतर्गत बी.एल.ओ. अपने मूल दायित्वों का समुचित निर्वहन करने में असमर्थ रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नो-मैपिंग, तार्किक दूरी (लाजिकल डिस्टेंस) जैसी समस्याओं से मतदाताओं को अब तक कोई प्रभावी राहत नहीं मिल पाई है। ऐसी स्थिति में मतदाताओं की समस्याओं के निराकरण के स्थान पर फॉर्म 7 से संबंधित नई आपत्तियाँ प्रस्तुत किया जाना अत्यंत चिंताजनक है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि पूर्व में आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत भरे गए आपति - फॉर्म, जो आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए थे, क्या वे प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण थीं। यदि नहीं, तो उनके अतिरिक्त इस प्रकार मुद्रित फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्तियाँ प्रस्तुत किए जाने का औचित्य क्या है।

इसके अतिरिक्त, जिन फॉर्म-7 को बी.एल.ओं के पास उपलब्ध कराया गया है, उनमें से अनेक आपत्तिकर्ता न तो संबंधित क्षेत्र के निवासी हैं और न ही उस भाग संख्या के बी.एल.ए. हैं। ऐसी स्थिति में यह गंभीर प्रश्न उत्पन्न होता है कि इन आपतियों का सत्यापन किस आधार पर किया गया। क्या इन आपतिकताओं द्वारा किसी प्रकार का भौतिक सर्वेक्षण किया गया था। यदि नहीं, तो इस प्रकार की संभावित फर्जी आपतियों की जाँच कराना न्यायहित में अत्यंत आवश्यक प्रतीत होता है। हमारे द्वारा पूर्व मे प्राप्त दावे आपत्ति की प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र मतदान केंद्र अनुसार जानकारी मांगी गई थी व फार्म नंबर 06,07,08 फिर भी मतदान केंद्र अनुसार सम्पूर्ण जानकारी मांगी गई थी जोकि आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुई वो भी देने की कृपा करें एवं ऐसे सभी फॉर्म 06,07,08 से संबंधित जानकारी भाग संख्या एवं विधानसभा-वार उपलब्ध कराने की,जिससे वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सके तथा आवश्यक एवं विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

चरित्र शंका में पत्नी की हत्या, 5 वर्षीय बेटे की गवाही से पिता को उम्रकैद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने गुरुवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए पत्नी की हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 2000 रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और मासूम बेटे की गवाही ने आरोपी को सजा दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार घटना 23 जून 2024 की है। दुपाड़ा निवासी आरोपी टीपू उर्फ शहरयार 33 वर्ष अपनी पत्नी रुखसार के चरित्र पर संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना वाली रात चरित्र शंका के चलते आरोपी ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। सुबह करीब 5 बजे सूचनाकर्ता नौशाद खां ने पुलिस चौकी दुपाड़ा को सूचना दी कि टीपू ने अपनी पत्नी पर हमला किया है। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो रुखसार मृत अवस्था में मिलीं और आरोपी वहां से फरार हो चुका था।

मासूम बेटे ने खोला राज- इस हत्याकांड की जांच में सबसे अहम मोड़ तब आया जब मृतिका के 5 वर्षीय बेटे ने पुलिस को बयान दिया। बच्चे ने बताया कि रात में उसने अपने पिता को मां के पेट में चाकू मारते हुए देखा था। पुलिस विवेचना में भी यह स्पष्ट हुआ कि हत्या की मुख्य वजह चरित्र शंका और आए दिन होने वाली मारपीट थी। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अभियोजन पक्ष के तर्कों और साक्ष्यों को सही पाया। न्यायालय ने आरोपी टीपू उर्फ शहरयार को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

भूमि अधिग्रहण कानून में मानवीय आधार पर आगर में मांग

किसानों के हित में संशोधन कर किसानों को उनका वाजिब हक दिलाएं सरकार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

भारतीय किसान संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य राजेंद्र पालीवाल ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन के लिए सुझाव मांगे हैं हमारा मानना है देश एवं प्रदेश में विकास कार्य हो परंतु किसानों की बबार्दी के नाम पर नहीं हम सब जानते हैं पीढ़ी दर पीढ़ी किसान कृषि भूमि से ही अपना भरणपोषण करता आ रहा है, उसकी पीढ़ियां कृषि भूमि पर ही पलती आ रही है और आगे भी उसी से ही अपना भरण पोषण करेगी आप विकास कार्य के नाम पर जमीन अधिग्रहित कर चंद रुपया देकर उसको और उसकी आने वाली पीढीयो को दर-दर भटकने के लिए मजबूर कर देते हैं आपके द्वारा दी गई मुआवजा राशि उसके परिवार की एवं आने वाली पीढ़ीयों की भरण पोषण की गारंटी नहीं दे सकती?

आज चारों ओर राजमार्ग एवं अन्य विकास कार्यों के नाम पर किसानों से उनकी जमीन छीनी जा रही है हम विकास के विरोधी नहीं है लेकिन विकास किसी परिवार की बबार्दी का कारण नहीं बने यह सुनिश्चित करना सरकार की जवाबदारी है।

सरकार गाइडलाइन का झुनझुना पकड़ा कर औने-पौने दामों पर किसानों की पुश्तैनी जमीन हड़प लेती है, उस रकम से परिवार को पालना तो दूर वह उससे परिवार के बच्चों की साल भर की फीस भी नहीं भर सकता बाजार में जमीनों के भाव आसमान छू रहे हैं और सरकार गाइडलाइन जो की बाजार मूल्य से कई गुना कम होती है उसी को आधार मानकर जमीन अधिग्रहित कर लेती है किसान उसे राशि में अन्यत्र जमीन नहीं खरीद सकता ऐसी स्थिति में भू स्वामी से भूमिहर मजदूर बनकर जीवन यापन करने को मजबूर हो जाता है।

हमारा मानना है कि सरकार को विकास के नाम पर उसकी जमीन अधिग्रहित करने से पूर्व उस परिवार एवं परिवार की आने वाली पीढ़ियां की भरण पोषण की व्यवस्था निरंतर चलती रहे इसकी स्थाई व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की जवाब देही होना चाहिए। अपने आगे बताया कि मध्य प्रदेश सरकार गाइडलाइन का दोगुना मुआवजा ही दे रही है अन्य कई प्रदेशों में यह राशि चार गुना है मध्य प्रदेश सरकार को भी अधिग्रहण पर भूमि के मूल्य का चार गुणा राशि देना चाहिए। रोड की ऊंचाई बढ़ने के कारण खेतों में पानी के भराव एवं खेतों में पहुंचने के रास्ते इत्यादि समस्याओं का समाधान अधिग्रहण के पूर्व करना चाहिए।

अधिग्रहण जरूरी होने पर किसानों को भी उसकी वाजिब हिस्सेदारी मिलना चाहिए

सरकार रोड से लगी हुई जमीन के क्रय विक्रय पर स्टांप ड्यूटी गाइडलाइन की डबल लेती है तथा अधिग्रहण पर गांव की गाइडलाइन के आधार पर मुआवजा देती है उसे उसी अनुपात में मुआवजा दिया जाना चाहिए। रोड से लगी जमीन में प्लाट खरीद कर डायवर्सन करवाने के बाद भी सरकार स्थाई निर्माण नहीं होने की स्थिति में उसे खेती योग्य जमीन मान कर मुआवजा देती है, एक गरीब व्यक्ति जिसने पाई पाई जोड़कर स्क्वायर फीट में अत्यधिक मूल्य देकर प्लांट की रेट के अनुसार स्टांम ड्यूटी देकर प्लाट खरीदा है डायवर्सन कराकर मकान बनाने की जुगाड़ में है लेकिन अधिग्रहण हो जाने पर उसे क्षेत्र की कृषि भूमि की गाइडलाइन के आधार पर मुआवजा मिलता है जिससे उसका घर बनाने का सपना चकनाचूर हो जाता है जबकि डायवर्टेड प्लांट के आधार पर मुआवजा दिया जाना चाहिए। नगरी क्षेत्र में बने विकास प्राधिकरण किसानों की पुश्तैनी जमीन अधिग्रहित कर प्लाट बेचकर पैसा कमा रहे हैं लेकिन किसानों को मात्र कृषि भूमि के आधार पर मुआवजा मिलता है यह किसानों के साथ अन्याय है अधिग्रहण जरूरी होने पर किसानों को भी उसकी वाजिब हिस्सेदारी मिलना चाहिए।

चिकित्सा के क्षेत्र में भी है अवसर : डॉ. साहू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर रोड

चिकित्सा के क्षेत्र में भी अपने करियर के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं।

यह बात नगर के शासकीय कन्या हाई स्कूल में शासन के निदेर्शानुसार आयोजित करियर मेला एवं करियर काउंसलिंग का र्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झुटावद के चिकित्सा अधिकारी शरद साहू ने कही। डॉ साहू ने छा त्राओं को कैंसर के विभिन्न प्रकार एवं उनसे बचाव पर भी चर्चा

की। डॉक्टर साहू ने छात्राओं की जि ज्ञासाओं का भी समाधान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य अनिल सेठिया ने की। सेठिया ने कहा कि छात्राओं को अपना लक्ष्य निश्चित करना चाहिये जिससे कि वह जीवन में कुछ बन सके। अतिथियों स्वागत शिक्षक गोपाल तंवर, स्नेहलता शर्मा, बापूलाल चंद्रवंशी, संकेश चौरड़िया, वैभव सूर्यवंशी आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन विद्या लय की शिक्षिका पूनम राय ने की।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं रानी बी पति मुजाहिद खान जाति फकीर (मुसलमान) निवासी वार्ड नंबर 01 बंजीपुरा शुजालपुर सिटी तहसील शुजालपुर जिला शाजापुर म.प्र. 465333 की निवासी हूँ। यह कि मेरी पुत्री के आधार कॉर्ड में उसका नाम खुशबु (Khushbu) दर्ज हो गया था, जो कि गलत है, जबकि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक दस्तावेजों आदि में मेरी पुत्री का नाम खुशी बी (Khushi Bee) नाम दर्ज है, जो कि सही है। अतः राजपत्र प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री के आधारकॉर्ड में उसका सही व वास्तविक नाम खुशी बी (Khushi Bee) दर्ज किया जावे तथा मेरी पुत्री के सभी शासकीय/अशासकीय/व्यक्तिगत समस्त दस्तावेजों में सही नाम खुशी बी (Khushi Bee) के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढ़ा दर्ज किया जावे।

पुराना नाम- खुशबु (Khushbu)
नया नाम-खुशी बी (Khushi Bee)

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूखंड स्वामीनी सुनीता बोथरा पति पवन बोथरा निवासी : 159, संतराम सिन्धी कॉलोनी उज्जैन (म.प्र.) से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का भूखंड/प्लीन्थ पुराना 42 का भाग वर्तमान क्रमांक 42/8 होकर भद्रबाहू मार्ग मुल्लापुरा उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं। भूखंड का कुल क्षेत्रफल 280.89 वर्गमीटर हैं को सर्वभार मुक्त अवस्था में तल भूमि मय हवाई हक क्रय करने का सौदा किया है। उक्त संपत्ति हेतु टोकन अदा किया गया है एवं बयाना अदा कर अनुबंधपत्र का सम्पादन करवाया जाना है। उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति /संस्था / बैंक / शासकीय/ अर्द्धशासकीय विभाग आदि का कोई ऋण / भार / बोझा / हक / हित एवं भार हो या किसी न्यायालय में कोई प्रकरण विचाराधीन हो अथवा इस विक्रय संव्यवहार बाबत कोई आपत्ति हो तो सुचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिन के अंदर सप्रमाण मेरे कार्यालय पर आकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा बाद मियाद मेरे पक्षकार शेष प्रतिफल राशि का भुगतान कर सदर संपत्ति का अनुबंध पत्र या विक्रय पत्र अपने हित में पंजीकृत करवा लेवेगे। तत्पश्चात किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी और न ही मेरे पक्षकार के हितो पर बंधन कारक होगी` यह सूचित हो। इति दिनांक 29-01-2026

हितेश थानी अधिवक्ता
कार्या. 50 बी संतराम सिन्धी कॉलोनी, सांवेर रोड (न्यू मारुती प्लाईवुड के पीछे) उज्जैन मो. 8817888422

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी प्रदीप सिंदल पिता बाबुलाल सिंदली जाति बलाई निवासी व कृषक ग्राम चितावलियाख तहसील माकडोन जिला उज्जैन म.प्र. ने अपने हक हिस्से व स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नम्बर 51/1/1/1 रकबा 0.55 हेक्टर भूमि कुल किता 01 कुल रकबा 0.55 हेक्टर भूमि स्थित ग्राम चितावलियाख तहसील माकडोन जिला उज्जैन मध्यप्रदेश* में स्थित होकर उपरोक्त भूमि को विक्रय करने का अनुबंध पत्र किया होकर क्रेता पक्ष से बयाना राशि प्राप्त कर ली होकर शेष बकाया धन राशि प्राप्त कर उक्त भूमि विकय पंजीयन केता पक्ष के नाम से करवाना शेष है। यदि उक्त भूमि पर किसी भी व्यक्ति बैंक अथवा अन्य ऋण भार अथवा कोई व्यवहार किसी प्रकार का हो अथवा उक्त सम्पत्ति को रहन या अन्य प्रकार से अन्तरित या ऋण भारीत की हो या किसी भी व्यक्ति को ऋणदायरी आदि हो तो इस जाहिर सुचना के प्रशसन से (07) सात दिवस की अवधि में मय लिखित प्रमाण मुझसे मेरे कार्यालय के समय में आकर सम्पर्क करे एवं अपना दावा एवं आपत्ति रखे अन्य दशा में बार अवधि मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि का विक्रय पत्र केता पक्ष कार द्वारा सम्पादन अपने हित में करवा लिया जायेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी सुचित हो ।

इति दिनांक - 26-01-2026

राकेश शर्मा (सर्विस प्रोवाईडर)
तह. कार्यालय के सामने, बस स्टैंड, दुकान क्र. 07, ग्राम घटिया, जिला उज्जैन मो.नं.8719997462, 9584898788

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी नानजी पिता श्री गोपी निवासी-ग्राम सिजावता तहसील बड़नगर जिला उज्जैन से उनके एकमेव स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर-270/1 रकबा 0.200 हेक्टयर तथा भूमि स्वामी आशीष पिता श्री संजय जाट निवासी ग्राम सिजावता तहसील बड़नगर जिला उज्जैन से उनके एकमेव स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर-229 रकबा 2.510 हेक्टयर तथा भूमि स्वामी श्रीमती श्यामू बाई पति श्री नानजी निवासी-ग्राम सिजावता तहसील बडनगर जिला उज्जैन से उनके एकमेव स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर-230/1 रकबा 2.00 हेक्टयर एवं सर्वे नम्बर-270/1/1 रकबा 1.240 हेक्टयर कुल किता 2 कुल रकबा 3.240 हेक्टयर तथा भूमि स्वामी श्रीमती लक्ष्मी बाई पति श्री संजय जी निवासी ग्राम सिजावता तहसील वडनगर जिला उज्जैन से उनके एकमेव स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर-271 रकबा 2.550 हेक्टयर एवं सर्वे नम्बर-272 रकबा 2.090 हेक्टयर कुल किता 2 कुल रकबा 4.640 हेक्टयर तथा भूमि स्वामी संजय पिता श्री नानजी निवासी-ग्राम सिजावता तहसील बड़नगर जिला उज्जैन से उनके एकमेव स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर-274 रकबा 2.110 हेक्टयर, सर्वे नम्बर-220/1/1/2 रकबा 0.400 हेक्टयर, सर्वे नम्बर-220/1/2 रकबा 0.100 हेक्टयर, सर्वे नम्बर-269 रकबा 0.390 हेक्टयर एवं सर्वे नम्बर-275 रकबा 2.580 हेक्टयर कुल कित्ता 5 कुल रकबा 5.580 हेक्टयर, इस प्रकार कुल रकबा 16.170 हेक्टयर भूमि स्थित ग्राम सिजावता तहसील बड़नगर जिला उज्जैन के पटवारी हल्का नम्बर-146 में स्थित होकर फ्रीहोल्ड राईट्स की भूमि है, जिसे मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा किया होकर आंशिक बयाना राशि अदा कर दी है और सौदा चिट्ठी का निष्पादन करवा लिया है तथा शेष राशि अदा कर केवल विक्रय-पत्र का पंजीयन करवाया जाना शेष है। उक्त कृषि भूमि में कोई व्यक्ति अथवा संस्था अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त कृषि भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, अथवा सरकारी, साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण, भार, प्रभार या साहूकारी ऋण, भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग / व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधी व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

इति दिनांक-29.01.2026

राजेन्द्र जैन पोरवाड़
एडवोकेट कार्या. बी-9, भरतपुरी काम्पलेक्स, आरटीओ के पीछे, उज्जैन मो. 99930 79516-94250 94349

न्यूज-कॉलम

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मनित्व ने जीते दो स्वर्ण सहित चार पदक

मन्दसौर। नियुद्ध गुरुकुल मंदसौर के खिलाड़ी मनित्व सिंह रावत ने मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग एकेडमी भोपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए निशानेबाजी से राष्ट्रीय पटल पर अंचल का नाम रोशन किया है। मनित्व ने इंडिविजुअल यूथ कैटेगरी (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ) एवं जूनियर पुरुष ट्रैप टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीते। वहीं इंडिविजुअल जूनियर कैटेगरी में रजत तथा सीनियर ट्रैप टीम इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। मनित्व की सफलता पर नियुद्धाचार्य डॉ. नरेंद्र श्रीवास्तव, एसासिऐशन अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, प्रशिक्षक प्रवीण भंडारी, अजय सिंह चौहान ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नाले के पानी से खेत में अवैध सिंचाई पर नपा ने कार्रवाई की

नीमच। शहर के दोनों और बहने वाले नालों से अवैध रूप से विद्युत मोटर लगाकर खेतों में सब्जियों व फसल में गंदे पानी से सिंचाई करने वालों पर नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में कार्यवाही निरंतर जारी है! पूर्व में पांच विद्युत मोटर जप्त करने के बाद नगर पालिका ने पुनः बुधवार 28 जनवरी को दो विद्युत मोटर व एक डीजल पंप जप्त किया! मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती बामनिया के निर्देश पर जलकल विभाग के श्री नाथूलाल नागर ने श्री कचरूलाल राठौर, मोहम्मद सलीम एवं अन्य कर्मचारियों के साथ शहाबुद्दीन बाबा रोड पर जाकर नाले के गंदे पानी से मोटर लगाकर खेतों में सिंचाई करने की शिकायत पर मौका निरीक्षण किया तो नई पुलिया के नीचे बहने वाले नाले से १ विद्युत मोटर व 1 डीजल पंप लगाकर अवैध रूप से खेतों में सिंचाई पाए जाने पर 1 विद्युत मोटर व 1 डीजल पंप जप्त किया।

एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव मंदसौर में लेंगे बैठक

मन्दसौर । जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि 31 जनवरी, शनिवार को शाम 4 बजे जिला कांग्रेस कमेटी की समन्वय समिति की बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में रखी गई है । बैठक में मुख्य रूप से अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी संजय दत्त लेंगे। इस बैठक में जिला प्रभारी मनोज राजानी भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में जिला समन्वय समिति के सदस्य भाग लेंगे ।

श्री गनछेड़ अपाक्स के प्रांतीय संयुक्त सचिव नियुक्त

मन्दसौर। मध्य प्रदेश अपाक्स संगठन के

प्रांतीय संरक्षक भुवनेश कुमार पटेल व प्रांतीय अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह यादव ने पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष केसी सूर्यवंशी की अनुशंसा पर अपाक्स संगठन के प्रांतीय संयुक्त सचिव पद पर चेतनदास गनछेड़ एवं घांसीलाल जोगचन्द वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक शासकीय उ.मा.वि. खड़ावदा को मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है।

महापौर प्रहलाद पटेल ने किया निर्माण कार्य का भूमि पूजन

रतलाम। वार्ड क्रमांक 29 में समता नगर से होते हुए सिल्वर इन कॉलोनी से आनन्द कॉलोनी तक की सड़क का सीमेन्टीकरण कार्य का भूमि पूजन महापौर प्रहलाद पटेल ने निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, मंडल अध्यक्ष आदित्य डागा, महापौर परिषद सदस्य पप्पू पुरोहित, क्षेत्रिय पार्षद परमानन्द योगी, पार्षदगण व क्षेत्रिय नागरिकों के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। महापौर प्रहलाद पटेल ने इस अवसर पर बताया कि समता नगर से होते हुए सिल्वर इन कॉलोनी से आनन्द कॉलोनी तक की सड़क का सीमेन्टी करण कार्य 22 लाख की राशि से किया जायेगा। कार्य पुरा होने पर नागरिकों को आवागमन में सुविधा होने के साथ क्षेत्र स्वच्छ, सुन्दर व विकसित दिखाई देगा। उन्होने कहा कि नगर निगम द्वारा नगर व नागरिकों के हित में विकास कार्य करा रही है।

सूचना

समाचार पत्र में समाचार प्रकाशन व विज्ञापन के लिए संपर्क करें

मोबा. 7771090777, 7773077762

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सवा लाख के करीब किसानों के खातों में 200 करोड़ रु. की भावांतर राशि की ट्रांसफर

मंदसौर को दी पशुपति नाथ लोक की सौगात

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मन्दसौर

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार मंदसौर प्रवास के दौरान जिले को आध्यात्मिक और आर्थिक विकास की बड़ी सौगातें दीं। मुख्यमंत्री ने जहाँ एक ओर भव्य मंदसौर में पशुपतिनाथ लोक का लोकार्पण किया, वहीं दूसरी ओर मल्हारगढ़ से प्रदेश के सवा लाख के करीब किसानों के खातों में 200 करोड़ रुपये की भावांतर राशि भी ट्रांसफर की।

मुख्यमंत्री ने लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पशुपतिनाथ लोक (प्रथम चरण) का विधिवत लोकार्पण किया। इस लोक में 22 फीट ऊंचा त्रिनेत्र रुद्राकनी स्थापित किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र है। परिसर में चार भव्य प्रवेश द्वार, शिव लीलाओं पर आधारित म्यूरल वॉल और आकर्षक पेंटिंग्स बनाई गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए ओपन एयर थिएटर, सत्संग भवन, सुव्यवस्थित पाथवे और आपातकालीन चिकित्सा कक्ष जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने ई-कार्ट में बैठकर पूरे लोक का अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और यज्ञशाला में पूर्णाहुति दी।

किसानों को भावांतर राशि का उपहार-

इसके पूर्व मल्हारगढ़ में आयोजित विशाल जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना की चौथी किस्त जारी की। उन्होंने प्रदेश के 1.17 लाख किसानों के खातों में 200 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से ट्रांसफर की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य सरकार 7.10 लाख किसानों को कुल 1492 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर चुकी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. यादव ने मल्हारगढ़ क्षेत्र के लिए 69.50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की, जिनमें मंदसौर-नीमच स्टेट हाईवे पर 51.91 करोड़ की लागत से बनने वाला 4-लेन फ्लाई-ओवर, पिपलिया मंडी में रेलवे अंडर ब्रिज और मल्हारगढ़ रेलवे स्टेशन रोड पर नवनिर्मित पुल का लोकार्पण भी किया।

साहसी मनोहर सिंह के पुत्र को नियुक्ति-

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने दिवंगत मनोहर सिंह के पुत्र सचिन सिंह को पुलिस आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपा। मनोहर सिंह ने कुछ समय पूर्व कचरिया चौपाटी हादसे में अपनी जान की परवाह किए बिना यात्रियों को कुएं से सुरक्षित निकाला था, जिसमें उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, क्षेत्रीय सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, विधायक हरदीपसिंह डंग, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया सहित जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

पिपलियामंडी को मुख्यमंत्री ने दी कई सौगातें की मंजूरी

क्षेत्र वासियों में आई खुशीयों की बाड़

पिपलियामंडी। नगरवासियों के लिए 29 जनवरी गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मल्हारगढ़ कार्यक्रम के दौरान पिपलियामंडी के रेलवे फाटक क्रमांक 141 पर प्रस्तावित अंडरब्रिज का विधिवत भूमि पूजन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिपलियामंडी को एक और बड़ी सौगात देते हुए घोषणा की कि आने वाले समय में महू नीमच हाईवे पिपलिया चौपाटी पर भी ओवरब्रिज का निर्माण किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, उपाध्यक्ष भारत सिंह सोनगरा सहित नगर परिषद के समस्त पार्षदगणों ने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए इसे पिपलियामंडी के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

नीमच में 77 वें गणतंत्र दिवस पर भव्य परेड की प्रभारी मंत्री ने ली सलामी

नीमच। जिले में 77वें गपातंत्र दिवस का मुख्य समारोह शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल क्रमांक 2 के मैदान पर मुख्य आयोजन संपन्न हुआ। जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम गरिमा, अनुशासन और देशभक्ति के गीत के साथ आयोजित हुआ। जिला मुख्यालय पर आयोजित समारोह में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया ने प्रातः 9 बजे व्वजारोहण कर भव्य परेड की सलामी ली। विभिन्न विभागों की झांकियां रही आकर्षण का केंद रही। जिसमें लोकतंत्र सेनानियों एवं भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर लोकतंत्र रक्षक एवं पूर्व सैनिकों का विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए। उसके पर्वत मार्च पस्ट परेड का आयोजन हुआ। साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मनमोहक प्रस्तुतियांदी गई।

स्वर्गीय श्री संजय कुमार शर्मा की स्मृति में जल मंदिर का लोकार्पण

नीमच। विकास नगर निवासी इंजीनियर स्वर्गीय श्री संजय कुमार शर्मा की स्मृति में शर्मा परिवार द्वारा श्री दुर्गा वाटिका मंदिर परिसर में गुरुवार को जल मंदिर का लोकार्पण विधि-विधान से किया गया। इस अवसर पर विकास नगर स्थित श्री दुर्गा वाटिका मंदिर समिति के अध्यक्ष इंजीनियर श्री बाबूलाल गौड़, सचिव श्री प्रदीप वर्मा , संरक्षक रमेश बाहेती, कोषाध्यक्ष श्री जीएस माली, समिति के वरिष्ठ जन श्री पुरुषोत्तम मिश्रा, श्री घनश्याम सेठिया,श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री अपूर्व शर्मा, श्री मनोहर शर्मा, श्री प्रदीप डबकरा सहित कालोनी वासी उपस्थित रहे। राहगीरों के लिए फेरीवालों के लिए मजदूर वालों के लिए जल की व्यवस्था की गई ,जल मंदिर का लोकार्पण श्रीमती संगीता शर्मा और स्व. श्री शर्मा के सुपौत्र मास्टर जय शर्मा ने किया। आभार धर्मेन्द्र शर्मा और संदेश शर्मा ने माना।

शहीद सीआरपीएफ जवान मुकेश प्रजापति का हुआ अंतिम संस्कार

मंदसौर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में हुए सड़क हादसे में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान मुकेश कुमार प्रजापति का गुरुवार को मंदसौर जिले स्थित उनके पैतृक गांव खड़ावदा बानियाखेड़ी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर को देख हर आंख नम थी। वीर सपूत को उनके बेटों, शुभम और गुलशन ने मुखाग्नि दी। प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई बस दुर्घटना में जवान मुकेश का निधन हो गया। वे छुट्टी पर अपने घर लौट रहे थे और उसी बस में सवार थे। मुकेश 20 वर्षों से सीआर पीएफ की 52वीं बटालियन में देश की सेवा कर रहे थे। विडंबना यह है कि अभी नवंबर माह में ही उनके दोनों बेटों का विवाह हुआ था और घर में खुशियों का माहौल था। उनके पीछे पत्नी संतोष बाई और बुजुर्ग माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। अंतिम यात्रा में स्थानीय प्रशासन, राजनेताओं और हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर वीर जवान अमर रहे के नारों के साथ विदाई दी।

सांवलिया जी पैदल यात्रा 4 फरवरी से , हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे

नीमच। नीमच से सांवलिया जी मंडफिया , सांवरिया सेठ के लिए दूसरी भव्य पैदल यात्रा 4 फरवरी को प्रारंभ होगी। वही 3 फरवरी को होगी विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। युवा समाजसेवी अरुल अशोक अरोरा द्वारा नीमच से सांवलिया सेठ के लिए दूसरी पैदल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें सम्मिलित होने के लिए बच्चे युवा और वरिष्ठ जन सभी में उत्साह देखा जा रहा है । पैदल यात्रियों के लिए आयोजकों द्वारा चिकित्सा खानपान आदि की व्यवस्था की गई है। इस यात्रा का आयोजन आगामी 4 फरवरी को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। यह पावन यात्रा प्रातः 8 बजे लायंस पार्क चौराहा, नीमच से रवाना होगी। यात्रा को लेकर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिल रहा है। इस भव्य पैदल यात्रा को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को सांवलिया भक्त मंडल द्वारा किलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

फोरलेन पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुसा स्कूटी सवार युवक की मौत

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ रतलाम

फोरलेन पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में स्कूटी सवार २० वर्षीय युवक पीछे से टकरा गया। युवक ने हेलमेट भी लगा रखा था, वह खुलकर दूर जा गिरा। सिर में चोट आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना में ट्रक चालक की लापरवाही सामने आई है। घटना गुरुवार सुबह करीब 7.40 बजे रतलाम-इंदौर फोरलेन के धराड़ के पुल के आगे की है। मृतक का नाम हर्ष (20) पिता चैनसिंह गुर्जर निवासी डोंगरेधाम कॉलोनी है। हर्ष सुबह अपनी ई-बाइक स्कूटी क्रमांक एमपी 43 जेडएल 0536 से बिलपांक में अपनी दुकान जा रहा था। धराड़ क्रॉस करने के बाद पुलिस चौकी के पहले ट्रक क्रमांक एमपी 04 जीए 6587 रोड के सड़के किनारे ले बाय लाइन से सट कर खड़ा था। हर्ष ट्रक के रोड की तरफ ट्रक के कौने से पीछे से ट्रक में घुस गया। घटना में स्कूटी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बिलपांक थाना पुलिस पहुंची। एम्बुलेंस से शव को रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा। पीएम कर शव परिजनों को सौंपा। 20 युवक की मौत के बाद परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

गुरुवार सुबह कोहरा भी था। संभावना जताई जा रही है कि कोहरे के कारण युवक को दूर से ट्रक दिखा नहीं होगा। पास में आने पर उसने बचने की कोशिश की होगी, इसी दौरान वह ट्रक में जा घुस-ा। इसके अलावा यह भी संभावना जताई जा रही है कि सुबह ठंड तेज थी।

युवक ने हेलमेट लगा रखा था कि संभवत नींद की झपकी आने से हादसा हो सकता है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ट्रक में टेंट का सामान रखा था। जिसमें बड़े डोम के एंगल रखे हुए थे जो कि ट्रक से बाहर निकले हुए थे। घटना में प्राथमिक जांच में ट्रक चालक की लापरवाही सामने आ रही है। चालू रोड के किनारे से रोड पर ट्रक खड़ा कर रखा था। ट्रक पर किसी भी प्रकार के सुरक्षा की दृष्टि से रेडियम नहीं लगा रखे थे, ताकि दूर से पता चल सके कि कोई वाहन खड़ा है। बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान ने बताया कि ट्रक को जब्ती में ले लिया है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। केस दर्ज किया जा रहा है।

मेरा युवा भारत द्वारा मनाया पराक्रम दिवस,एक पेड माँ के नाम किया पोधारोपण

जावरा। जिला युवा अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में भगत सिंह शा महाविद्यालय में सुभाष चंद्र बोस के पराक्रम दिवस के अवसर पर पौधारोपण व संगोष्ठी का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डा. दुष्यंत सिंह भदौरिया थे। प्राध्यापक प्रकाश परमार, प्राध्यापक रमेश वसुनिया ने भी नेता जी की जीवनी पर प्रकाश डाला । डा.भदोरिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नेताजी के स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान को याद किया,। उन्होंने कहा की परतंत्र भारत को स्वतंत्र कराने के लिए नेताजी ने एक नारा बुलंद किया कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा । तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पौधा रोपण भी किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य विद्या तिवारी, प्राध्यापक मंजूला अलांसे, संगीता जटिया ,शैलेंद्र कुमार चौरसिया, नीलू कौशिक, राहुल सोनावा एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज सेवी अब्बास बोहरा द्वारा किया गया आभार सागर बरसोलिया ने माना।

अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मन्दसौर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय , कृषि महाविद्यालय-इंदौर में आयोजित अंतर महाविद्यालयीन गेम्स एंड स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2025-26 में केएनके कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, मंदसौर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

गेम्स एंड स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में एथलेटिक्स के 800 मीटर, शॉटपुट इवेंट में पुरुष वर्ग में सुनील साकेत व मोहित शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर, लंबी कूद में विनोद पंवार ने रजत पदक एवं एथलेटिक्स के ही भाला फेंक महिला वर्ग में महाविद्यालय की कु. पूजा सोलंकी ने स्वर्ण पदक जीतकर एवं 1500 मी. दौड़ में मुस्कान गुर्जर, शॉटपुट में प्रिया शर्मा ने रजत पदक एवं लंबी कूद में कृतिका तिवारी ने कास्य पदक जीत कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। वहीं टीम गेम्स में महाविद्यालय की कबड्डी, वॉलीबॉल एवं खो-खो टीम ने रजत पदक जीत कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। इस टूनार्मेंट में टीम के कोच रूप में खेल अधिकारी प्रदीप तुरुकमाने, मैनेजर डॉ. प्रियंवदा सोनकर, डॉ. वीना राठौर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ दीपक हरि रानडे ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

उपजेल में मानवाधिकार एवं सुधारात्मक कार्यक्रम हुआ आयोजित

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ जावरा

राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा उपजेल में निरुद्ध बंदियों के लिए एक सुधारोन्मुख, प्रेरणादायक एवं मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बंदियों को उनके मानवाधिकारों, कानूनी अधिकारों एवं संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आत्मचिंतन, पश्चाताप एवं सुधार की दिशा में प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य मेघराज जैन, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी पवन पाटनी तथा अध्यक्षता सीएसपी युवराज सिंह चौहान द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रियंका सुराणा के सुमधुर राष्ट्रीय गीत से हुआ।

स्वागत उद्बोधन जिला अध्यक्ष राजकुमार हरण ने संगठन की गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैदियों में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता, मानवता के मूल्यों का विकास तथा सकारात्मक जीवन दृष्टि को प्रोत्साहित करना है।

आपके परिजन एक नए जीवन की राह पर आपके कदमों का इंतजार कर रहे हैं।आज लिया गया संकल्प आपका भविष्य बदल सकता है।

समाजसेवी पाटनी ने कहा–यदि कैदी भाई नकारात्मकता के बीच भी सकारात्मक सोच का संकल्प ले लें, तो निश्चित रूप से उनका जीवन बदला जा सकता है। सीएसपी चौहान ने कहा प्रशासनिक व्यस्तताओं के कारण हम चाहकर भी आप लोगों के बीच कम आ पाते हैं, लेकिन आप सभी का सुधार ही समाज की असली सुरक्षा है। उन्होंने विधिक सहायता, स्वास्थ्य एवं योग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि मेघराज जैन ने कहा क्रोध से बचने के लिए आपको अपने मन से लड़ना पड़ेगा।

मुसलमान के बीच भ्रम फैला कर विपक्ष कर रहा राजनीति-डा.पटेल

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ जावरा

।कभी 370 कभी एनआरसी कभी सीएए कभी तीन तलाक और अभी वक्फ कानून के नाम पर विपक्ष ने मुसलमानों के बीच भृम फैलाया देश मे जगह जगह शाहीन बाग जैसे धरने प्रदर्शन कराए किन्तु अब देश का मुस्लिम विपक्ष के छलावे में नही आने वाला।

उक्त बात म,प्र शासन में कैबिनेट दर्जा प्राप्त वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ सनव्वर पटेल ने हुसेन टेकरी शरीफ पर नवनिर्मित बगीचा बाग ए हुसैन नवनिर्मित स्नान कुंड नवनिर्मित टिन शेड का लोकार्पण एवं 52 से अधिक सुविधा घर की आधार शिला रखते हुए कही।

अपने कहा सीएए कानून नागरिकों की नागरिकता लेने का नही बल्कि यह प्रताड़ित लोगो को नागरिकता देने का कार्य करता हे। इसी तरहः वक्फ कानून वक्फ की सम्पतिया छीनने के लिए नही बल्कि वक्फ सम्पतियों को सुरक्षित करने वाला कानून है। अब वक्फ सम्पतियों से प्राप्त लाभ गरीबो व बच्चों की शिक्षा पर खर्च होगा। वक्फ सम्पतियों पर भूमाफियाओं की माफियागिरी खत्म होगी ।प्रदेश में वक्फ की सारी संपत्ति उमीद पोर्टल पर रजिस्टर होकर सुरक्षित हो गई। कोई वक्फ की संपत्ति पर अवैध कब्जा नही कर सकेगा।

इस अवसर पर वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने हुसैन टेकरी कार्यपालन अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी जिल्लूरहमन की प्रशंसा करते हुए कहा हुसैन टेकरी की व्यवस्था संचालन सुचारू रूप से हो रहा है दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में विकास कार्यो को गति मिल रही है अभी जो नवीन निर्माण कार्य हुआ ये उसका उदाहरण है मुझे आशा है आगे भी इसी तरह हुसैन टेकरी के विकास प्रगति होती रहेगी ।

इस अवसर पर अपने मंच हायर एजुकेशन के लिए कालेज बनाये जाने की मांग फजल हैदर ने रखी इस परअपने कहा इसके लिए अनेको परमिशन की जरूरत होती है इसके लिए हाकिम साहब व जिल्लूररहमन मिल कर प्रयास करे जमीन तो हमारे पास से आर्थिक व्यवस्था भी की जाएगी सब मिल कर प्रयास करेंगे तो जरूर कामयाबी मिलेगी । विधायक डॉ राजेन्द्र पांडे भी हुसेन टेकरी के विकास के लिए हमेशा प्रयास रत रहते है ।इसके लिए एक प्रोजेक्ट भी बना कर भेजा है।

हुसैन टेकरी कर्मचारियों की वेतन व्रद्धि की भी घोषण की । मंच पर विराजित अतिथि जिला वक्फ अध्यक्ष बबलु पटेल इब्राहिम शेरनी सदर अंजुमन रतलाम फजल हैदर दरगाह मिया हुजूर अलतमस खान एडवोकेड ने भी अपने विचार रखे ।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष पटेल का स्वागत साल साफा श्रीफल से हुसैन टेकरी कर्मचारी संघ हुसेन टेकरी व्यापारी यूनियन एवं बच्चा कमेटी तथा अलमदार कमेटी द्वारा किया गया। स्वागत भाषण जिलूल रहमान संचालन कार्यपालन अधिकारी अब्दुल हाकिम एवं नासिर एहमद (मंटू भाई) ने किया तथा आभार सय्यद वसीम अली ने व्यक्त किया।

केरियर मेला आयोजित

शुजालपुर। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शुजालपुर नगर में केरियर मेले का आयोजन पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य तृप्ति पाठक की अध्यक्षता में हुआ। अतिथियों का स्वागत संस्था प्रधान सहित छात्र मनीष व शेखर केवट ने किया। मुख्य अतिथि नायक ने छात्रों को प्रेरक बाते कही व अपने केरियर पर ध्यान देने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन राजेश श्रीवास्तव एवं आभार गायत्री महाडिक ने माना।

महाराजश्री का स्मृति दिवस जैन समाज ने मनाया आचार्यश्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

शुजालपुर। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज साहब की द्वितीय समाधि स्मृति दिवस मुनि श्री 108 संस्कार सागर महाराज साहब एवं कमल सागर महाराज के सानिध्य में बड़े धूमधाम से शुजालपुर दिगंबर जैन समाज ने मनाया। एटीएम चौराहे पर एक धर्म सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग ब्रज नगर मंदिर से एवं रेवा ड्रीम्स मंदिर फ्रागिंज से रैली के रूप में मुनि श्री 108 संस्कार सागर के सानिध्य में नगर के प्रमुख मार्ग से होती हुई विद्या वाटिका, जैन मंदिर के दर्शन करते हुए एटीएम चौराहे पर पहुंचे। वहां पर आचार्यश्री के चित्र का आनावरण कर दीप प्रज्वलित कर धर्म सभा का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाजजनों ने आचार्य श्री को भावपूर्ण कृतज्ञांजलि दी। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने अपने-अपने उद्बोधन रखें उसमें आचार्य श्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपनी बात रखी। वक्ताओं में स्वागत ट्रस्ट के अध्यक्ष सचिन जैन, राजेंद्र राज, आलोक खन्ना, देवेंद्र तिवारी, रचना नीरज जैन, राजेंद्र जैन शुजालपुर सिटी ने अपनी बात रखी। संचालन ट्रस्ट मंत्री सुनील जैन व आभार योगेन्द्र जैन ने माना।

लकड़ियां अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्राली वन विभाग ने जब्त किया

शुजालपुर। वन विभाग शुजालपुर द्वारा लकड़ी माफियाओं पर लगाम लगाने के लिए स्टॉफ के साथ मिलकर बबूल की लकडिों से भरे हुए ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़कर प्रकरण पंजीबद्ध किया। वन परिक्षेत्र अधिकारी शुजालपुर के निर्देशन में कालापीपल क्षेत्र के खरदोन शुजालपुर मार्ग पर रामड़ी ग्राम के समीप गश्त के दौरान बबूल की लकडिों से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर नियमनुसार प्रकरण बनाकर, वाहन चालक के पास काष्ठ के वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने से वाहन को मय काष्ठ के रेंज ऑफि स शुजालपुर लाया गया। इस कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी रतनसिंह सिंगौड़, डिप्टी रेंजर कन्हैयालाल भिलाला, डिप्टी रेंजर राजेश जावरिया, वनरक्षक प्रदीप विश्वकर्मा, देवेंद्र मगोरिया, अजय देशमुख विशेष रूप से योगदान रहा।

लोटस ग्रुप द्वारा झंडावंदन कार्यक्रम एवं भाषण प्रतियोगिता संपन्न

बड़नगर। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पृथक पहचान चुके लोटस ग्रुप द्वारा नवाचार करते हुए इस बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती पूजन के पश्चात झंडावंदन संस्थाध्यक्ष कमलसिंह राजावत के द्वारा किया गया। संस्था संचालक जितेंद्रसिंह राजावत ने अपने उद्बोधन में भाषण प्रतियोगिता के बारे में बताया कि यह नवाचार बच्चों के मन से मंच का भय दूर हो इसलिए किया गया है। सामान्यतः देखने में आता है कि विद्यार्थी डांस/ड्रामा इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम सहज ही कर लेते है , परन्तु मंच पर खड़े होकर सार्वजनिक रूप से अडिगता के साथ अपनी बात रखना बहुत बड़ी बात होती है। भविष्य में विद्यार्थी एक अच्छा वक्ता और नेतृत्वकर्ता बनकर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करे इस हेतु यह नवाचार किया गया है। इस प्रतियोगिता में पिछले 1 सप्ताह तक ऑडिशन चले। संस्था लोटस ग्रुप के बंगरेड, बड़नगर, खरसौद कलां के कुल 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें से 36 विद्यार्थियों का चयन उनकी वक्तव्य कला के आधार पर 26 जनवरी गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में प्रस्तुति हेतु हुआ। गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में 36 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता प्रदान की। जिसमें 13 विद्यार्थियों का चयन शिक्षकों के द्वारा वोटिंग के आधार पर पुरस्कार हेतु हुआ।

विकासखंड में छाया कोहरा, कुछ खेतो में आड़ी पड़ी गेहूं की फसल

तेज हवा के साथ हुई ओलावृष्टि ने बढ़ाई किसानों की चिंता, संतरा और गेहूं की फसल में नुकसान की संभावना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर में इस सीजन की पहली बारिश मंगलवार शाम को गरज-चमक के साथ हुई। बारिश करीब 30 मिनट तक जारी रही, विकासखंड के कुछेक गांव में बारिश के दौरान छोटे ओले गिरने की खबर है। हालांकि, ओलों का आकार छोटा था और वे कुछ ही समय के लिए बरसे। तेज हवाओं के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई। बताया जा रहा है कि बारिश और ओलों का असर मुख्य रूप से लीमाचौहान क्षेत्र में देखा गया, जबकि आसपास के ग्रामीण इलाकों में इसका प्रभाव नहीं रहा। इस बारिश से कुछेक खेत में नुकसान की खबर है। बरुखेड़ी के किसान शाकिर मंसूरी ने बताया कि उनके करीब 10 बीघा से ज्यादा रकबे में खड़ी गेहूं की फसल आड़ी पड़ गई। कांकरिया में भी इसी तरह कुछ खेतो में नुकसान नजर आया है। एसएडीओ राजेश राजपूत ने बताया कि वर्तमान में कुछ खेतो को छोड दे तो नुकसान नहीं हुआ है। फिर भी यथास्थिति को जानने के लिए हमारे कृषि विस्तार अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर आंकलन कर रहे हैं। वहीं जिन किसानों को सिंचाई के लिए पानी की जरुरत थी इस बारिश से उन किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना है कि यह सीजन की पहली बारिश है, जिससे फसलों को काफी फायदा होगा। विशेषकर उन किसानों को लाभ मिलेगा जो अपनी गेहूं की फसल में सिंचाई कर रहे थे। बुधवार सुबह बारिश के कारण शहर में कोहरा छाया रहा और ठंडी हवाएं चलने से सर्दी बढ गई। मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और ट्रफ लाइन के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। जम्मू-कश्मीर में हुई बर्फबारी के प्रभाव से बर्फीली हवाओं के कारण घना कोहरा और तेज ठंड पडी। इसके बाद आसमान में बादल छा गए, जिससे दिन और रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। वर्तमान में सारंगपुर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बादल छाए रहने, धुंध पडने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। इसके साथ ही, जिले में और बारिश होने की भी संभावना बनी हुई है।

कानड़

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बाद अचानक तेज हवा के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों के चहरे पर चिंता की लकीरें लादी। मौसम में सुबह से आए बदलाव के बाद दोपहर 4 बजे बारिश का दौर शुरू हुआ देखते ही देखते बोर के आकार के ओले गिरने लगे। कानड क्षेत्र के गांव चान्दनगांव नापाखेड़ा सनावदा सनावदी बटावदा कलमोई चाचाखेड़ी खजुरी सहित करीब 1 दर्जन गांव में औलावृष्टी हुई है। इस औलादूटी के कारण ग्रामीणों कि गेहूं कि फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं खेतो में खड़े संतरों के पेड़ से भी संतरे टूट कर निचे मिर गए। किसानों ने बताया कि खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को बहुत नुकसान पहुंचा है वही संतरे के पौधों से संतरा फल भी गिर गया किसानों ने बताया कि ओले गिरने से लसन ओर प्याज की फसल को भी नुकसान पहुंचा है इन फसलों में फूल आने लग गए थे जो खत्म हो गये।

कृषि विभाग ने जारी की सलाह, किसानों को दी समझाइश

कृषि विभाग के सारंगपुर एसएडीओ राजेश राजपूत ने बताया कि जिन किसानों का फसल बीमा है वह हेल्पलाइन पर शिकायत करने से पहले पूरी प्रक्रिया जरूर समझें। सबसे पहले पटवारी से फार्मर आईडी बनवाएं। जिस बैंक से आपमें फसल का बीमा करवाया है वहाँ जाकर बीमा की एप्लीकेशन आईडी लेकर आए। अपना आधार कार्ड अपने पास रखें। इन सबके बाद 14447 पर शिकायत दर्ज करें जिसमें फार्मर आईडी, एप्लीकेशन आईडी, आधार नंबर की जानकारी आपसे मांगी जाएगी। शिकायत दर्ज होते ही शिकायत बीमा एजेंट के पास आएगी उसके बाद ही आपके क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी, बीमा एजेंट, पटवारी आकर आपके खेत पर सर्वे करके रिपोर्ट सबमिट करेंगे।

उज्जैन-जावरा रोड फोरलेन व रतलाम-नागदा तक विस्तार की मांग हुई तेज

मुख्यमंत्री को भेजा गया जनहित प्रस्ताव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरौद

जनहित, यात्री सुरक्षा एवं आगामी सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए उज्जैन-जावरा सड़क को फोरलेन/ चौड़ीकरण करने तथा मुख्यमंत्री द्वारा घोषित रतलाम खाचरौद फोरलेन सड़क को खाचरौद होते हुए नागदा तक विस्तारित करने की मांग को लेकर पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर के नेतृत्व में खाचरौद कांग्रेसजनों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन नेहा साहु अनुविभागीय अधिकारी, खाचरौद के माध्यम से भेजा गया।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि उज्जैन-जावरा बीओटी सड़क के निर्माण में भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों का पूर्ण रूप से पालन नहीं किया गया। मार्ग पर आज भी कई खतरनाक ब्लैक स्पॉट मौजूद हैं। बढ़ते यातायात दबाव के चलते इस मार्ग पर दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

नगर पालिका अध्यक्ष गोविन्द भरावा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2015 से जुलाई 2025 तक बीते 11 वर्षों में उज्जैन-जावरा टू-लेन मार्ग पर कुल 2063 सड़क दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं। इनमें 572 नागरिकों की मृत्यु हुई, जबकि 2516 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वर्तमान में मृतकों की संख्या बढ़कर लगभग 600 के पार पहुंच चुकी है, जो इस मार्ग की भयावह स्थिति को दर्शाता है।

सिंहस्थ को लेकर अन्य मार्ग फोरलेन, उज्जैन-जावरा अब भी उपेक्षित जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराजसिंह पंवार ने बताया कि शासन द्वारा सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए उज्जैन से जुड़ने वाले अन्य सभी प्रमुख संपर्क मार्गों को फोरलेन परियोजनाओं में शामिल कर स्वीकृति दी जा चुकी है तथा कई मार्गों पर निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया है। इसके बावजूद अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील उज्जैन-जावरा मार्ग को अब तक फोरलेन या चौड़ीकरण योजना में शामिल नहीं किया गया है,

कई राज्यों से होकर गुजरता है यातायात

पीसीसी सदस्य अनोखीलाल सोलंकी ने कहा कि खाचरौद मार्ग से होकर रतलाम, दाहोद, झाबुआ, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री चारपहिया व अन्य वाहनों से नागदा होते हुए उज्जैन पहुंचते हैं। इस कारण पूरे वर्ष इस मार्ग पर भारी यातायात दबाव बना रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।रतलाम-खाचरौद फोरलेन को नागदा तक बढ़ाने की जरूरत है।

पीएम आवास योजना 2.0 की प्रथम किश्त के पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

नगर पालिका परिषद द्वारा 26 जनवरी को नगर पालिका कार्यालय में विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या के मुख्य आतिथ्य, नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या की अध्यक्षता एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिता सतीश वर्मा, नगर भाजपा अध्यक्ष नवीन राठौड के विशेष आतिथ्य की उपस्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की प्रथम किश्त हेतु पात्र 90 हितग्राहियो को स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर विधायक पंड्या द्वारा हितग्राहियों को बधाई देते हुवें उपस्थित समस्त हितग्राहियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में पत्रकार सत्यनारायण शर्मा, अंकित त्रिवेदी, नेहा शांतिलाल गोखरू, राजकुमारी निम्बोला, कलावती ठाकुर सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी एम.आर.निंगवाल, उपयंत्री रवि पांचाल, वाहिद बेग, लखन गिरजे आदि कर्मचारीगण उपस्थित थें। कार्यक्रम का संचालन सुरेश कुशवाह एवं आभार उपयंत्री विनोद पोरवाल ने माना।

खादी ग्रामो बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष लटेरिया का सारंगपुर में स्वागत

सारंगपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय प्रभारी एवं खादी ग्रामों बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र लटेरिया का प्रदेश कार्यालय प्रभारी बनने के बाद प्रथम बार सारंगपुर आने पर भाजपा नेता मनोज शर्मा के नेतृत्व में स्वागत किया। इस मौके पर संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने आनन्द उत्सव मनाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ एवं बेड मिन्टन क्लब शासकीय चिकित्सालय बडनगर द्वारा गणतंत्र दिवंस के अवसर पर आनन्द उत्सव मनाया गया। जिसके अंतर्गत ग्राम कंकराज में प्रतिभागियो को पुरूस्कार वितरण, सम्मान समारोह एवं सदस्यता अभियान की शुरूआत संयुक्त रूप से की गई। सर्वप्रथम अतिथियो द्वारा आरोग्य के देवता भगवान धनवंतरी का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उदय कुमार अग्निहोत्री वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, अध्यक्षता वरिष्ठ कर्मचारी नेता देवीदास मुलचंदानी ने की। विशेष अतिथि सांची दुध संघ कंकराज अध्यक्ष शंकरलाल वर्फा , डॉ. विजय कुमार मालवीय , डॉ. पल्लवी सोंलकी थे। अतिथियो का स्वागत पुष्प माला एवं स्मृति चिन्ह भेट कर किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संघ कन्हैयालाल वर्फा ने दिया। आनंद उत्सव के रूप में सिविल हॉस्पिटल बडनगर के अधिकारियो कर्मचारियो को वर्ष भर तनाव मुक्त रहने हेतु सहज योग, बेडमिन्टन, क्रिकेट , राष्ट्रीय पर्व व सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते है। इसमें गत माह अभिभाषक संघ एवं अधिकारी कर्मचारी सयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में सिविल हॉस्पिटल कि टीम ने डॉ विजय मालवीय की कप्तानी में भाग लिया एवं डॉ सुयश श्रीवास्वत ने तीन बाल पर तीन विकेट लेकर हेट्रीक ली एवं मेन आफ द मैच का खिताब जिता । श्री कन्हैयालाल वर्फा ने राज्य स्तरीय बैच प्रेस प्रतियोगीता में गोल्ड मेडल प्राप्त करते हुए सिविल हॉस्पिटल का नाम गौरवान्वित किया । बेडमिन्टन डबलस में डॉ शिवम जाट, बालकृष्ण प्रजापत ने फाईनल जिता, डॉ अंनगपाल सिंह तोमर एवं पंकज चौरसीया का दल उपविजेता रहा उपरोक्त सभी खिलाडीयो का संम्मान एवं पुरूस्कार वितरण किये गये साथ ही श रविराज यादव द्वारा तनाव मुक्त रहने के लिए ध्यान एवं सहज योग सिखाया गया। मंचासीन अतिथियो द्वारा उदबोधन दिया गया एवं मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ कि आजीवन एवं वार्षिक सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर मार्गदर्शक प्रेमकुमार खीची , ब्लॉक संगठन मंत्री महेश धनेलिया, जगदीश अजमेरी , संजय सौलंकी, डॉ. दिक्षा , निर्मला वर्फा, सौरभ उपाध्याय, जगदीश परमार, पंकज चौरसीया, मनोहर सौलंकी, नारायण पाटीदार, जितेन्द्र सौलंकी, चैतन पटेल, नारायण सिसोदिया, रूपेश कछावा, विजय कटारिया, सचिन गुगली, कमलेश राय, रमेश शर्मा, सुरेश चौहान, रोहीत, राकेश गामड, कपिल चंदेल, क्रितेश व संघ के अन्य सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बलराम पण्डया एवं आभार दिनेश कुमार पंचोली द्वारा माना गया ।

सहबाल संघपतियों सहित निकलेगा खारुआं कलां का पैदल संघ

महिदपुर रोड। जैन समाज की प पू साध्वी श्री शाश्वत प्रिया श्री जी म सा कि पावन कारी निश्रा में खारुआ कलां शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर की ध्वजा के लाभार्थी पारस मल निलेश कुमार रितेश कुमार अक्षत कुमार भंडारी परिवार द्वारा सह बाल संघ पतियों सहित महिदपुर रोड नगर से खारुआं कलां का पैदल संघ बुधवार सुबह 6:30 बजे लाभार्थी भंडारी परिवार के निवास स्थान पंजाबी कॉलोनी से निकाला जाएगा जिसमें बैंड ढोल नगाड़े, रथ, पूज्य साध्वी श्री शाश्वत प्रिय श्री जी म सा आदि ठाणा की निश्रा, सैकड़ो श्रावक, श्राविकाओं बाल संघपतियों एवं सकल जैन श्री संघ की उपस्थिति में गुरुदेव के मंगल कारी गगन भेदी जयकारों के साथ 6 किलोमीटर की यह पैदल संघ यात्रा निकलेगी।जो श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मन्दिर पहुंचेगी वहां पर सकल श्री संघ की नवकारसी, स्नात्त पूजा, सत्तर भेदी महापूजन विधान प्रसिद्ध विधि कारक द्वारा सुमधुर संगीत के साथ संपन्न किया जाएगा तत्पश्चात मंदिर के शिखर पर नवीन ध्वजारोहण लाभार्थी भंडारी परिवार द्वारा किया जाएगा पश्चात सकल जैन श्री संघ एवं आगंतुक मेहमान के सा धार्मिक वात्सल्य आयोजन पैदल संघ एवं ध्वजारोहण के लाभार्थी पारसमल निलेश कुमार रितेश कुमार अक्षत कुमार भंडारी परिवार द्वारा किया जाएगा।

भ्रामक प्रचार से ग्रामीण जन सावधान रहें - अनिल फिरोजिया

महिदपुर। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध होगा। इस योजना से स्थायी निर्माण कार्यों का रास्ता साफ होगा। पुरानी रोजगार योजना के मुकाबले नई योजना में पारदर्शिता होगी और यह भ्रष्टाचार मुक्त होगी। नई योजना के बारे में विपक्ष कई तरह के भ्रम फैला रहा है। हम सभी कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि हम नई योजना के बारे में गाँव-गाँव और चौपालों पर पहुँचकर ग्रामीणों को जानकारी दें।इ उक्त बातें गत दिनों भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और जनपद सदस्यों के विशाल सम्मेलन में लोकसभा सदस्य अनिल फिरोजिया ने भीमाखेड़ा में आयोजित सम्मेलन में कहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान ने की। सांसद अनिल फिरोजिया का कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं से स्वागत किया। सम्मेलन में न.पा. अध्यक्ष श्रीमती नानीबाई माली, भाजपा नेता भगवती प्रसाद जोशी, पूर्व जिला सहकारी बैंक संचालक रमेश कुमावत, न.पा. में पूर्व विपक्ष के नेता ओम सोलंकी, भाजपा नेता मांगीलाल कुमावत और पूर्व पार्षद भीम दावरे ने अतिथियों का स्वागत किया।

नारायणा में पाँच दिवसीय करियर मेले का शुभारंभ

महिदपुर। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नारायणा में आज से पाँच दिवसीय करियर मार्गदर्शन मेला एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश पाठक एवं शिक्षकगण द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल आधारित मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। इस अवसर पर यूनिसेफ द्वारा आयोजित वेबिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल करियर योजना, करियर काड्र्स, भविष्य की तैयारी तथा शासकीय सेवाओं से संबंधित करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मार्गदर्शन देते हुए सुरेश मालवीय ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं में रुचिकर विषयों का चयन करने से उच्च शिक्षा में लक्ष्य निर्धारण सरल हो जाता है। मनोज पाटीदार ने विद्यालय में संचालित कृषि विषय के अंतर्गत बागवानी, उन्नत कृषि तकनीक, कृषि प्रसंस्करण, पशुपालन, डेयरी उत्पाद तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न रोजगार अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य ओ.पी. पाठक ने रामधारी सिंह ह्यदिनकरह्न की कविता के माध्यम से विद्यार्थियों में साहस, आत्मविश्वास एवं लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का भाव जागृत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने रुचिकर विषय का चयन विषय शिक्षकों से चर्चा कर करना चाहिए, जिससे भविष्य का निर्माण सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम में बाबूलाल बमनावत एवं तरुण प्रजापति द्वारा भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी सत्यनारायण शर्मा द्वारा दी गई।

'हेरा फेरी 3' को लेकर फैंस काफी बेचैन हैं और वो इसके बारे में अपडेट चाहते हैं। अब परेश रावल ने फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी दी है। साथ ही अक्षय कुमार से अपने विवाद पर भी उन्होंने बात की। जानिए क्या कुछ कहा...

अब अक्षय की वजह से अटकी 'हेरा फेरी 3'?

फिल्म को लेकर परेश रावल ने दी बड़ी अपडेट, बाबू भैया पर कही ये बात

'हेरा फेरी 3' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म के बारे में हर छोटी-बड़ी अपडेट जानने को उत्सुक रहते हैं। हालांकि, पिछले साल परेश रावल के फिल्म से हटने की बात सामने आने के बाद फैंस को झटका लगा था। लेकिन अब बाद में वो फिर से फिल्म में शामिल हो गए। हालांकि, इसके बाद भी फिल्म की शूटिंग को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे फैंस थोड़ा चिंतित हैं। अब परेश रावल ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है।

बाबू राव के बिना 'हेरा फेरी 3' संभव नहीं

अपने किरदार बाबू राव के बारे में बात करते हुए परेश रावल ने कहा कि उनके बिना 'हेरा फेरी 3' नहीं बन पाएगी। बाबू राव के बिना फिल्म बनाना एक विपदा होगी। लेकिन विनम्रता से भी मैं कह रहा हूं कि अगर वे बाबू राव के बिना हेरा फेरी बना रहे हैं, तो यह एक आपदा होगी। अगर दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझ जाता है, तो मैं पेपर्स पर साइन कर दूंगा। यह 100% होगा।

परेश रावल के फिल्म छोड़ने पर उठा था विवाद

यह विवाद तब शुरू हुआ था जब मई 2025 परेश रावल ने प्रियदर्शन के साथ क्रिएटिव मतभेदों के चलते 'हेरा फेरी 3' से बाहर निकलने का फैसला किया। परेश रावल ने दावा किया कि उन्हें अब अपनी भूमिका आकर्षक नहीं लग रही थी। उस समय खबरें आई थीं कि अक्षय ने परेश रावल के अचानक बाहर निकलने के कारण उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार किया था। हालांकि, जून 2025 में खबर आई कि परेश रावल ने प्रोजेक्ट में फिर से काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मामले सुलझ गए हैं और निमार्ताओं से प्रशंसकों की पसंदीदा फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता का सम्मान करने का अनुरोध किया। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। सितंबर 2025 में 'हेरा फेरी 3' का निर्माण रुक गया जब परेश रावल ने कुछ समय के लिए फिर से प्रोजेक्ट छोड़ दिया। हालांकि, प्रियदर्शन ने पुष्टि की कि कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था, उन्होंने इस उथल-पुथल का कारण बाहरी दबावों को बताया। बाद में खबर आई कि शूटिंग फरवरी 2026 में शुरू होगी।

अक्षय और प्रोड्यूसर के बीच अटका है मामला

'द लावारी शो' से बातचीत में परेश रावल ने फिल्म को लेकर कहा कि 'हेरा फेरी 3' ट्रैक पर है, लेकिन कुछ शर्तें हैं। अभिनेता स्पष्ट किया कि फिल्म में देरी का कारण वह नहीं हैं, बल्कि अक्षय और निमार्ताओं के बीच अनसुलझे मामले हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि फिल्म सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। फिल्म छोड़ने के बाद अक्षय द्वारा उन पर 25 करोड़ का मुकदमा दायर करने पर भी परेश रावल ने प्रतिक्रिया दी। मामले में शामिल रकम पर जोर देते हुए उन्होंने अक्षय कुमार को ही इस परेशानी का जिम्मेदार ठहराया और इसे तकनीकी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि यह सब जो इस बीच हुआ कि अक्षय कुमार ने मुझ पर 25 करोड़ रुपये का मुकदमा कर दिया है, ठीक है ना, ये तो बस कछुआ छाप अगरबत्ती की तरह है। परेश ने कहा कि अक्षय और निमार्ताओं से जुड़े मुद्दे के सुलझने के बाद वह कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के लिए तैयार हैं।

अक्षय, परेश और सुनील शेट्टी की तिकड़ी की होगी वापसी

साल 2000 में शुरू हुई 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी की पिछली दोनों फिल्मों में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसीलिए जब 'हेरा फेरी 3' की घोषणा हुई तो मेकर्स ने साफ किया कि राजू, बाबू भैया और श्याम के किरदार में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी ही नजर आएंगे। वहीं फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ही करेंगे, जिन्होंने पहली 'हेरा फेरी' को भी निर्देशित किया था। हालांकि, इन विवादों के चलते फिल्म की शूटिंग अभी तक शुरू नहीं हो पाई है और फैंस का इंतजार बढ़ता जा रहा है।

आत्मकथा लिख रहे रजनीकांत, संघर्ष के दिनों से सुपरस्टार तक का सफर करेंगे साझा

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' जल्द रिलीज होने वाली है। अब रजनीकंत की बेटी सौंदर्या रजनीकांत ने एक इंटरव्यू में बताया कि जल्द रजनीकांत अपनी आत्मकथा फैंस के बीच ला सकते हैं। एक्टर इसपर काम कर रहें हैं। सौंदर्या रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'विथ लव ' के प्रमोशन के लिए आई थी। फिल्म मेकर ने बताया कि इस आत्मकथा में 'थलाइवा' के वो पहलू भी सामने आयेगें जिन्हें कोई नहीं जानता।

हाल ही में गलाटा को दिए अपने इंटरव्यू में सौंदर्या ने अपने पिता रजनीकंत का जिक्र किया। सौंदर्या ने कहा कि रंजनीकांत अपनी आत्मकथा पर काम कर रहें हैं। फिल्म मेकर ने 'थलाइवा' के फैंस को बताया कि सुपरस्टार जल्द ही अपनी आत्मकथा को फैंस के बीच ला सकते है।

जिसमें वो ये बताएगें कि किस तरह एक बस के कंडक्टर से फिल्मी दुनिया के सुपरस्टार तक का सफर तय किया। साथ ही इसमें वो अपने जीवन के उन घटनाओं के बारे में भी बताएगें जिन्हें उनके फैंस नहीं जानते।

निर्देशक लोकेश कनगराज ने भी दी थी खबर

कुछ समय पहले भी रजनीकांत के आत्मकथा लिखने की जानकारी ' कुली ' के निर्देशक लोकेश कनगराज ने भी दी थी। उन्होंने बताया था कि फिल्म ' कुली ' के प्रमोशन के दौरान रजनीकांत अपनी आत्मकथा में व्यस्त थे। आगे निर्देशक ने यह भी कहा कि वो हर रोज रजनीकांत को ' कुली ' के सेट पर कुछ लिखता हुआ देखते थे।

मालव्य राजयोग

एक द्वीप पर दो लोगों की जंग, सर्वाइवल से ज्यादा मनोवैज्ञानिक खेल पर फोकस

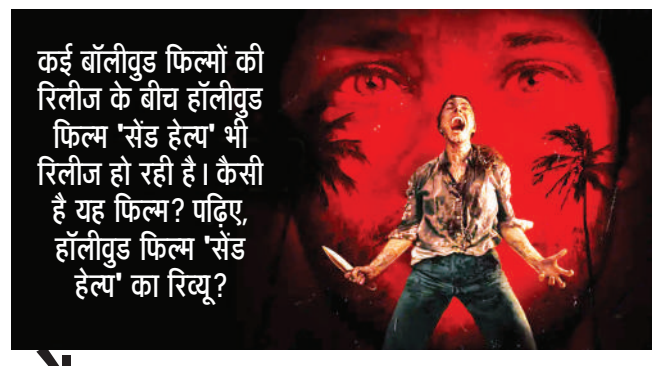

'सेंड हेल्प' पहली नजर में एक साधारण सर्वाइवल हॉलीवुड फिल्म लगती है। प्लेन क्रैश होता है, दो लोग बचते हैं और वे एक सुनसान द्वीप पर पहुंच जाते हैं लेकिन कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, साफ हो जाता है कि यह सिर्फ जंगल, भूख और मुश्किलों से जूझने की कहानी नहीं है। फिल्म असल में दो लोगों के बीच पुराने तनाव, ईगो और दबे हुए गुस्से की कहानी है। लिंडा (रैचल मैकएडम्स) और ब्रैडली (डायलन ओब्रायन) की आपसी तकरार और बदलते रिश्ते ही फिल्म का असली आकर्षण बन जाते हैं।

कहानी

फिल्म की शुरूआत एक विमान दुर्घटना से होती है जिसमें सिर्फ दो लोग बचते हैं, लिंडा (रैचल मैकएडम्स), जो मेहनती है लेकिन ऑफिस में अक्सर अनदेखी की जाती है। उसका बॉस ब्रैडली (डायलन ओब्रायन), जो अहंकारी है और हमेशा खुद को सही मानता है। दोनों एक सुनसान द्वीप पर फंस जाते हैं। यहां शुरूआत में उन्हें पानी, खाना और मौसम जैसी बुनियादी चीजों से जूझना पड़ता है।

समय के साथ उन्हें समझ आता है कि असली चुनौती प्रकृति से जुड़ी नहीं, बल्कि एक-दूसरे से निपटना भी है। ऑफिस में दबी हुई कड़वाहट इस नए माहौल में और तेज हो जाती है। दोनों को एक-दूसरे की मदद भी चाहिए और एक-दूसरे से दूरी भी। कहानी धीरे-धीरे सर्वाइवल से हटकर एक मनोवैज्ञानिक खींचतान में बदल जाती है, जिसमें दोनों खुद को भी बचाना चाहते हैं और सामने वाले पर भी नजर रखनी पड़ती है।

अभिनय

रैचल मैकएडम्स ने लिंडा का रोल बहुत सहजता से निभाया है। वह शांत, समझदार और हालात संभालने में सक्षम दिखती हैं। फिल्म में यह बताया जाता है कि वह हमेशा किसी सर्वाइवल रियलिटी शो में जाना चाहती थी, जिससे उसकी स्किल्स काफी हद तक वास्तविक लगती हैं। लेकिन उसके अंदर डर, गुस्सा और भावनात्मक टूटन भी दिखती है, जो उसे और मानवीय बनाती है।

डायलन ओब्रायन का किरदार ब्रैडली कई बार समझ नहीं आता। कभी अच्छा लगता है, कभी अचानक गुस्सा हो जाता है। उसका व्यवहार हर समय बदलता रहता है। उसके इस बदलते व्यवहार से कहानी में लगातार तनाव बना रहता है। दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री असहज है और यही फिल्म का सबसे जरूरी हिस्सा भी बन जाती है।

Sport

सोफी एलिसा हीली को रिप्लेस करेंगी। हीली भारत के खिलाफ सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरूआत 15 फरवरी से होगी।

स्टार ऑलराउंडर सोफी बनीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की नई कप्तान, भारत के खिलाफ शुरू करेंगी अभियान

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम को नई कप्तान मिल गई है। स्टार ऑलराउंडर सोफी मोलिनी को गुरुवार को अगले महीने वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और इस घरेलू सीरीज के बाद वह एलिसा हीली की जगह सभी प्रारूपों में कप्तानी संभालेंगी। हीली ने घोषणा की थी कि भारत के खिलाफ खेलने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। भारत के खिलाफ वह तीन वनडे और एक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की सभी प्रारूपों के लिए टीमों की घोषणा गुरुवार को की गई।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को सिडनी में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से शुरू होगा। बाकी दो मैच 19 और 21 फरवरी को क्रमशः कैनबरा और एडिलेड में खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज 24, 27 फरवरी और एक मार्च को खेली जाएगी। पहला मैच ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में जबकि अगले दो मैच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में खेले जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ के प्रतिष्ठित वाका ग्राउंड में छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा।

मैकग्रा उपकप्तान के रूप में बरकरार

इसके बाद मार्च में वेस्टइंडीज के दौरे पर 28 साल की मोलिनी सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान होंगी। ताहलिया मैकग्रा को टी20 में उपकप्तान के रूप में बरकरार रखा गया है, जबकि एक अन्य स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर एशले गार्डनर को भी टी20 में ही उपकप्तान नियुक्त किया गया है। निकोला कैरी ने सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल 19 वर्षीय लूसी हैमिल्टन को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

फीबी चोटिल होने के बावजूद टीम में

चयनकताओं ने बाएं हाथ की बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड को चोटिल होने के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से बाहर होने के बावजूद सभी प्रारूपों में अपनी टीमों में शामिल किया है। अलाना किंग को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया है। मेगन शट, ग्रेस हैरिस और हीथर ग्राहम वनडे टीम में शामिल नहीं हैं। मोलिनी महिला बिग बैश लीग में सबसे कम उम्र की कप्तान रह चुकी हैं। उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स में मेग लैनिंग से कप्तानी संभाली और बाद में विक्टोरिया का नेतृत्व किया।

आइसलैंड क्रिकेट ने इस तरह लिए पीसीबी के मजे, विश्व कप पर क्यों जल्द फैसला लेने कहा

नई दिल्ली। आइसलैंड क्रिकेट ने टी20 विश्व कप का बहिष्कार करने की धमकी को लेकर पाकिस्तान के मजे लिए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है जबकि टी20 विश्व कप की शुरूआत होने में अब ज्यादा समय भी शेष नहीं रह गया है। हाल ही में पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी।

पीसीबी के रुख का इंतजार

पीसीबी ने अब तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन इसे लेकर अब आइसलैंड क्रिकेट ने पाकिस्तान के मजे लिए हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि अगर 2009 की चैंपियन टीम टी20 विश्व कप में नहीं खेलती है तो आइसलैंड उनकी जगह लेने के लिए तैयार है। आइसलैंड क्रिकेट ने एक्स पर लिखा, 'हमें वाकई पाकिस्तान से टी20 विश्व कप में भाग लेने के बारे में जल्द फैसला लेने की जरूरत है। जैसे ही वे दो फरवरी को नाम वापस लेंगे हम तुरंत रवाना होने के लिए तैयार हैं, लेकिन उड़ान का शेड्यूल इतना जटिल है कि सात फरवरी तक कोलंबो समय पर पहुंचना हमारे लिए बहुत मुश्किल होगा।' इतना ही नहीं आइसलैंड क्रिकेट ने उनके ट्रेवल प्लान का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया।

आईसीसी ने बांग्लादेश को दिखाया था बाहर का रास्ता

आईसीसी ने हाल ही में बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया था क्योंकि उसने भारत में खेलने से इनकार कर दिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड टीम को शामिल किया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा का हवाला देते हुए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया था और आईसीसी से उसके मुकाबले श्रीलंका में कराने की मांग की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश का यह प्रस्ताव खारिज कर दिया था। पाकिस्तान इस मामले में कूदा और बांग्लादेश का समर्थन करते हुए आईसीसी को ही घेरने लगा।

क्यों ड्रामा कर रहा है पाकिस्तान?

पाकिस्तान का ड्रामा बांग्लादेश विवाद के साथ ही शुरू हुआ। पाकिस्तान खुलकर बांग्लादेश की मांग के समर्थन में उतरा था। आईसीसी ने जब बांग्लादेश की मांग को लेकर बोर्ड की बैठक में वोटिंग कराई तो पाकिस्तान ने बांग्लादेश के पक्ष में वोट दिया।

पाकिस्तान का यह कदम भी बांग्लादेश के काम नहीं आ सका और आईसीसी ने अंत में बांग्लादेश के टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। बांग्लादेश के बाहर होने से पाकिस्तान बौखला गया और उसने आईसीसी पर पक्षपात का आरोप लगाया।

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि उनकी टीम का खेलना पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के फैसले पर निर्भर है। नकवी ने कहा कि वह अपनी सरकार के फैसले को मानेंगे और उसी के अनुसार विश्व कप में खेलने पर फैसला लेंगे।

आवश्यकता है
अनुभवी कर्मचारियों की जिसमें अनुभव हो वही संपर्क करें सैलरी 10000 से 15000 प्रति माह
पाल किराना उन्हेल रोड भेरूगढ़
मो. 9907525081

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

आवश्यकता है
कागज पत्तल बनाने हेतु पुरुष एवं महिलाओं की
पेपर ग्लास मशीन ऑपरेटर की पैकिंग हेतु महिलाओं की हेल्पर हेतु लड़को की
शीघ्र संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी रोड प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

कृषि भूमि बेचना है
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन)
पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

इंदौर में बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वाले 2384 चालकों पर कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में ट्रैफिक पुलिस बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई कर रही है। शहर में अलग-अलग जगह यह कार्रवाई गई। इसके साथ ही वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए अभियान भी चलाया जा रहा है, बावजूद इसके कई लोग बिना हेलमेट के ही अपनी गाड़ियां चला रहे है। ट्रैफिक पुलिस लगातार जागरूकता प्रोग्राम और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। रोड एक्सीडेंट में मौतों को रोकने और लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से अभियान और कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के पलासिया चौराहा, विजय नगर चौराहा, महूनाका चौराहा, चाणक्यपुरी चौराहा, राजीव गांधी चौराहा पर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ अनाउंस कर हेलमेट के महत्व को भी समझाया जा रहा है। ट्रैफिक रथ की डिजिटल स्क्रीन पर सड़क सुरक्षा के वीडियो भी दिखाए जा रहे हैं, इसके अलावा जागरूकता प्रोग्राम और रैलियां भी निकालकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। 28 जनवरी को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने अलग-अलग जगह कार्रवाई करते हुए हेलमेट नहीं लगाने वाले 2384 के खिलाफ और अन्य धाराओं में 2690 पर चालानी कार्रवाई की गई।

डांसिंग कॉप रंजीत को मिली सजा, प्रधान आरक्षक से वापस आरक्षक बनाया

इंदौर। इंदौर सहित देशभर में डांसिंग कॉप के नाम से जाने वाले चर्चित ट्रैफिक पुलिसकर्मी रंजीत सिंह को महिला द्वारा लगाए गए झूठे आरोपों के मामले में सजा मिली है। पुलिस विभाग द्वारा उन पर कारवाई करते हुए उन्हें कार्यवाहक प्रधान आरक्षक से वापस आरक्षक बना दिया गया। कार्यवाहक प्रधानारक्षक 146 रंजीत सिंह वर्तमान पदस्थापना रक्षित केंद्र इंदौर को विभागीय कार्रवाई के आधार पर उच्च पद प्रधान आरक्षक का कार्यवाहक प्रभार वापस लेते हुए मूल पद आरक्षक पर वापस किया गया है। इस मामले में पुलिस विभाग में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के कार्यालय से मीडिया को जानकारी साझा की गई है। रंजीत के ऊपर मुंबई की एक महिला ने आरोप लगाए थे। जिसमें उन पर अश्लील चेटिंग करने और इंदौर आकर मिलने की बात कही थी। इसके बाद रंजीत को ड्यूटी से हटाकर लाइन में सेवा देने भेजा गया था। इसके बाद मुख्यालय डीसीपी को उनकी जांच सौपी गई थी। रंजीत ने डांसिग जवान को लेकर देशभर में अपनी पहचान बनाई है। कई राज्यो में वह ट्रैफिक संभालने भी गए हैं। वहीं फेसबुक और इंस्ट्राग्राम पर भी उनके लाखों फॉलोअर हैं। उन्हें लेकर हाईकोर्ट जज भी सराहनीय टिप्पणी कर चुके हैं।

सोना-चांदी की दुकान से लाखों की चोरी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

इंदौर। इंदौर के पाटनीपुरा क्षेत्र में बुधवार रात चोर एक ज्वेलर की दुकान में घुसे और करीब 10 लाख के सोने-चांदी के जेवर एवं नकदी लेकर फरार हो गए। घटना का पता गुरुवार सुबह चला। एमआईजी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। एमआईजी थाना पुलिस के मुताबिक वासुदेव सोनी पाटनीपुरा में शिव शक्ति राशि रत्न एवं ज्वेलरी नाम से दुकान संचालित करते हैं। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश ताले तोड़कर दुकान में घुस गए और 8 ग्राम सोने, कांच की बरनी में रखे लगभग डेढ़ किलो चांदी के जेवरों के साथ गल्ले में रखे करीब 70 हजार रुपए चोरी करके ले गए। दुकान मालिक ने गुरुवार सुबह करीब 5 बजे ताले टूटे देखे, तो वासुदेव सोनी को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सोनी ने पुलिस को बुलाया। सोनी ने बताया कि चोर सोने-चांदी के जेवर के साथ 70 हजार रुपए नकद ले गए हैं। जेवरों की कीमत 8 से 10 लाख है। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही दुकान शुरू की थी और वे मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गुरुवार को ही दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की तैयारी थी, लेकिन उससे पहले ही चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

मनीष यादव बने इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष, देर रात परिणाम जारी

इंदौर। इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम बुधवार देर रात घोषित कर दिए गए हैं। अध्यक्ष पद पर मनीष यादव ने जीत दर्ज की है। वहीं उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक तुगनावत को निर्वाचित घोषित किया गया। सचिव पद पर मनीष गडकर और सह सचिव पद पर अमित राज ने जीत हासिल की। एक्जीक्यूटिव मेंबर के रूप में राहुल पांचाल, तेजस जैन, अमन मालवीय, राशमेंद्र सूर्यवंशी और अर्निक जैन निर्वाचित हुए हैं। शुरुआती राउंड में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गौरव श्रीवास्तव आगे रहे। जबकि अगले चार से पांच राउंड में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। 17वें राउंड के बाद मनीष यादव काफी आगे निकल गए। 20वें राउंड तक मनीष यादव ने बढ़त बनाए रखी और वे 20 वोट से विजयी रहे। उन्हें 512 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी गौरव श्रीवास्तव को 492 वोट मिले। जबकि अध्यक्ष पद के तीन अन्य दावेदारों जीपी सिंह को 406, गमनीष जैन को 282 और पवन जोशी को 95 वोट मिले।

यूजीसी पर घिरे पूर्व सीएम दिग्विजय ने दी सफाई, दुष्प्रचार किया जा रहा

इंदौर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए इक्विटी रेगुलेशंस 2026 को लेकर देशभर के विश्वविद्यालय परिसरों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। खासकर सवर्ण (जनरल कैटेगरी) छात्रों और शिक्षकों के एक वर्ग ने नियमों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने पूरे विवाद पर विस्तार से सफाई देते हुए कहा है कि संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि कई अहम सुझावों को यूजीसी ने खुद नजरअंदाज किया है। दिग्विजय सिंह के मुताबिक, फरवरी 2025 में रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की पहल और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार और यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव रोकने के लिए ड्राफ्ट इक्विटी रेगुलेशंस जारी किए थे। इसका उद्देश्य कैंपस में जाति, सामाजिक पृष्ठभूमि और अन्य आधारों पर होने वाले भेदभाव को रोकना था। दिसंबर 2025 में शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति ने इन ड्राफ्ट नियमों की समीक्षा कर एक सर्वसम्मत रिपोर्ट संसद में रखी।

आवश्यकता है

(1) अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समयः दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समयः सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)

बागड़िया न्यूज़ एजेंसी
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

दूषित पानी से बीमार बुजुर्ग की हालत नाजुक

एक महीने से अस्पताल में एडमिट, 25 दिन से वेंटिलेटर पर, राहुल गांधी भी मिले थे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से बीमार पड़े लोगों में से 5 अब भी अस्पताल में एडमिट हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। 72 वर्षीय एकनाथ सूर्यवंशी को अस्पताल में भर्ती हुए आज पूरा एक महीना हो गया है। वे पिछले 25 दिन से वेंटिलेटर पर हैं। इतने दिनों में भी हालत में सुधार न होने के कारण परिजनों ने उन्हें अब घर ले जाने का निर्णय लिया है। ये वही मरीज हैं, जिन्हें देखने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी बॉम्बे हॉस्पिटल पहुंचे थे।

सूर्यवंशी को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद 29 दिसंबर 2025 को शैल्बी हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। जहां हालत बिगड़ने पर उन्हें 3 जनवरी 2026 को बॉम्बे हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया था। बॉम्बे हॉस्पिटल ने अगले ही दिन (4 जनवरी को) उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया था। सूर्यवंशी की दोनों किडनियां फेल हो चुकी हैं और लिवर भी खराब हो गया है। उनके हार्ट और ब्रेन पर भी असर हुआ है। सूर्यवंशी जल संसाधन विभाग में 1983 से दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्यरत थे। कई सालों बाद उन्हें स्थायी किया गया था। उस समय उनका वेतन 18 हजार रुपए था, लेकिन पेंशन सहित अन्य लाभ नहीं मिले। इसी को लेकर हाई कोर्ट में मामला चल रहा है। उनकी पत्नी शकुंतला (63) हार्ट पेशेंट हैं। दो बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है।

परिवार की कमाई हो गई ठप

बेटा नीलेश खुद ऑटो ड्राइवर है। रोज करीब ढाई सौ रुपए किराए पर रिक्शा चलाता है। अस्पताल का इलाज भले ही प्रशासन करा रहा है, लेकिन उनकी खुद की कमाई पूरी तरह बंद हो गई है। उनके दो छोटे बच्चे हैं, जो स्कूल जाते हैं। बच्चों की फीस और परिवार के रोजमर्रा के खर्चों को लेकर परेशानी बनी हुई है। अभी यह भी साफ नहीं है कि पिताजी की हालत कब ठीक होगी।

पार्वती बाई भी वेंटिलेटर पर- एकनाथ की तरह ही पार्वती बाई भी अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इधर अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि दोनों मरीजों के मल्टी ऑर्गन फेल्यूअर हैं और पहले की भी बीमारियां हैं। अस्पताल में पार्वतीबाई, अनिता कुशवाह और अशोक मौर्य भी आईसीयू में एडमिट हैं और उनकी हालत खराब है। एक अन्य मरीज अरबिंदो अस्पताल में एडमिट है।

450 लोग हो चुके एडमिट- इस हादसे में अब तक 450 लोगों को एडमिट किया जा चुका है, जिनमें से अभी पांच मरीज एडमिट हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर है।

होटल में नाबालिग लड़की मिलने पर बजरंग दल ने किया हंगामा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के राऊ इलाके की एक होटल में बुधवार को बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे। यहां एक हिंदू नाबालिग लड़की को वर्ग विशेष की आईडी पर ठहराया गया था। उसके साथ वर्ग विशेष का एक युवक भी मौजूद था। लड़की को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया, जबकि युवक को पुलिस के हवाले किया गया है। उस पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। वहीं बजरंग दल के लोगों ने होटल मालिक पर भी कार्रवाई की मांग की है। बजरंग दल के पप्पू कोचले और प्रदीप ठाकुर को सूचना मिली थी कि वर्ग विशेष का युवक रेहान शेख जार्डन होटल में एक नाबालिग हिंदू लड़की को बहला-फुसलाकर लाया है। आरोप है कि वह यहां उसके साथ अश्लील हरकत करने और उसका शोषण करने की कोशिश कर रहा था। होटल में लड़की के नाम के स्थान पर महक खान नाम की अन्य लड़की की आईडी लगाई गई थी। सूचना मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता होटल पहुंचे और युवक को पकड़कर थाने ले गए।

मिलावटखोरों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

13 व्यापारियों पर 21 लाख से ज्यादा का जुर्माना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ इंदौर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान प्रशासन ने बुधवार को 13 मिलावटखोरों पर 21 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया है।

अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णायक अधिकारी नवजीवन विजय पवार ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों से लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, सौंफ, पनीर, घी, पेड़ा मिठाई, हींग, चना और मिल्क पाउडर सहित कई खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट में नमूनों को अमानक, मिलावटी, मिथ्या छाप सामग्री युक्त और अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार पाया गया। प्रशासन द्वारा जिन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई, उनमें रिया स्वीट्स एंड लघु उद्योग पर 3 लाख रुपये, मोहनलाल प्रहलाद दास एंड संस और गुडलक ट्रेड लिंक पर 1-1.50 लाख रुपए, सनी इंटरप्राइजेस और अरिहंत मिल्क प्रोडक्ट्स पर 2-2.50 लाख रुपए सहित कुल 13 प्रतिष्ठान शामिल हैं। सभी पर मिलाकर 21 लाख रुपए से अधिक का अर्थदंड लगाया गया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि इंदौर में फूड लैब खुलने के बाद कार्रवाई में तेजी आई है। यहां प्रारंभिक रिपोर्ट जल्दी मिल जाती है इस वजह से कार्रवाई भी उसी स्पीड से कर रहे हैं। बीते दिनों नकली घी के मामले में एक माह से भी कम समय में रिपोर्ट आने पर घी फैक्ट्री संचालक पर केस दर्ज किया गया।

जय माता दी
नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें। संपर्क करें
मो. 6262369656

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
आयुष क्लिनिक
AYUSH CLINIC (REG.)
CHOPATI INGORIYA
बवासीर (खूनी/बादी) भगन्दर रोग निदान तथा प्रति चिकित्सा समय 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक पाइल्स (बवासीर), फिशर, फिश्चुला (भगन्दर) पाइलोनीडल साइनस गुदा का बाहर निकलना, गुदा का चर्मरोग आदि गुदा रोगों के निदान तथा चिकित्सा हेतु का आयोजन किया गया है।
गुदगत रोग के प्रमुख लक्षण — शौच के बाद दर्द होना, खुजली, खून गिरना, मस्सा फूल जाना, गुदा के आस पास फुंसी होना तथा उसमे से पानी (PUS DISCHARGE) होना आदि।
प्रमुख कारण — कब्ज होना, अनुवांशिक, इन्फेक्शन होना, सा प्रसुति के बाद अथवा बार बार दस्त लगना आदि।
डॉ.दिनेश कुमार जोशी
बी. एस. सी. बी. ए. एम.एस.
क्षार सूत्र में ट्रेंड (पारूल यूनिवर्सिटी)
* क्षार सूत्र में ट्रेंड * (डॉ. के. वी. एस. राव) गुरु (अखिल भारतीय विद्यापीठ न्यू दिल्ली)
पता => शा. हॉस्पिटल के सामने इंगोरिया चौपाटी (इंगोरिया)
Contract number
9752438839
9752738839

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 परदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
• दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
• टूर गाइड सुविधा
• आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
• टेम्पो ट्रेवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
• आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रेल 2026
• प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
• दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
• तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रेन अथवा स्लीपर बस में
• चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
• पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
• छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाड़ी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर | हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटनें मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com